● वर्ष-2
● अंक-288
रायपुर, मंगलवार
25 जुलाई 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

# समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

# डीएनए प्रौद्योगिकी विधेयक केंद्र से लिया वापस

## संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट में कई सांसदों की आशंकाओं को उजागर किया गया

**नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने डीएनए प्रौद्योगिकी (उपयोग और अनुप्रयोग) विनियमन विधेयक, 2019 को सोमवार (24 जुलाई) को लोकसभा से वापस ले लिया। पहली बार 2003 में प्रस्तावित इस विधेयक में पिछले कुछ वर्षों में जैव प्रौद्योगिकी विभाग और कानून मंत्रालय दोनों के नेतृत्व में कई बदलाव हुए हैं। 2019 में लोकसभा में पेश किए जाने के बाद इसे संसदीय स्थायी समिति के पास भेजा गया था। दो साल बाद, पैनल की रिपोर्ट जारी की गई। कई सांसदों की आशंकाओं को उजागर किया गया, जिसमें कहा गया कि विधेयक का दुरुपयोग धर्म, जाति या राजनीतिक विचारों के आधार पर समाज के वर्गों को लक्षित करने के लिए किया जा सकता है।**

### डीएनए क्या होता है?

डीएनए के बारे में सरल भाषा में कहे तो इंसान के शरीर का ब्लूप्रिंट। मतलब इंसान दिखता कैसा है, आंखों का रंग क्या होगा। ब्लड ग्रुप क्या होगा, कौन सी बीमारी हो सकती है। एक इंसानी शरीर के तौर पर आपकी बनावट को डीएनए तय करता है। इंसानों में 99.9 फीसदी डीएनए एक जैसे होते हैं और जो 0.1 फीसदी अंतर होता है वही आपको दूसरे से अलग बनाता है। फिल्मी कहानी हो या टेलीविजन सिरियल का दौर विलेन ढाढ़ी-मूंछ लगाया और पहचान, भेषभूषा बदलकर पुलिस की निगाहों से बच निकला। वहीं टेलीविजन जगत में तो एक ही शख्स की इतनी बार प्लास्टिक सर्जरी हो जाती है कि जितने लोग अपने मोबाइल फोन नहीं बदलते। लेकिन इस बिल के बाद ऐसा करके कानून और पुलिस के हाथों बच पाना मुमकिन नहीं हो पाएगा।

### डीएनए प्रोफाइलिंग क्या है?

प्रोफाइलिंग मतलब किसी इंसान की पहचान की फोरेंसिक तकनीक। सबसे पहले थानों में अपराधियों की फोटो होती थी। फोटो देखकर किसी को पहचाना जा सकता था। अब स्कीन, लार, ब्लड या बाल के उसकी प्रोफाइल बनाई जा सकती है। आपराधिक जांच, माता-पिता की पहचान के लिए और लापता लोगों की खोज जैसे विभिन्न उद्देश्यों के लिए डीएनए परीक्षण का उपयोग पहले से ही किया जा रहा है। प्रस्तावित कानून इन कार्यों को एक पर्यवेक्षी संरचना के तहत लाने की कवायद करता है। जिससे दिशा निर्देशों और नियमों का पालन हो और डीएनए प्रौद्योगिकी का दुरुपयोग न हो। इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, विधेयक राष्टीय स्तर पर दो संस्थागत संरचनाएँ एक डीएनए नियामक बोर्ड और एक डीएनए डेटा बैंक स्थापित करने का प्रस्ताव करता है। बोर्ड के क्षेत्रीय केन्द्रों के साथ-साथ राज्य स्तर पर भी डेटा बैंक स्थापित किया जा सकता है।

### विरोध करने वालों को दिक्कत क्या है

प्रस्तावित कानून पर मुख्य बहस तीन मुद्दों पर रही है – क्या डीएनए तकनीक फुलप्रूफ है, क्या प्रावधान डीएनए जानकारी के दुरुपयोग की संभावना को पर्याप्त रूप से संबोधित करते हैं, और क्या व्यक्ति की गोपनीयता सुरक्षित है। डीएनए जानकारी अत्यंत रहस्योद्घाटनकारी हो सकती है। यह न केवल किसी व्यक्ति की पहचान स्थापित कर सकता है बल्कि व्यक्ति की शारीरिक और जैविक विशेषताओं जैसे आंख, बाल या त्वचा का रंग, बीमारियों के प्रति संवेदनशीलता, संभावित चिकित्सा इतिहास और जैविक रिश्तेदारों के संभावित सुराग के बारे में भी बहुत कुछ बता सकता है। वर्षों से, विधेयक के आलोचक दावा करते रहे हैं कि इस तरह की घुसपैठ वाली जानकारी एकत्र करने और संग्रहीत करने से किसी व्यक्ति की गोपनीयता का उल्लंघन होने के अलावा दुरुपयोग हो सकता है। स्थायी समिति की 2021 की रिपोर्ट में कहा गया है कि समिति इस तथ्य से अवगत है कि यह विधेयक बहुत तकनीकी, जटिल और संवेदनशील है। कई सदस्यों ने धर्म, जाति या राजनीतिक विचारों जैसे कारकों के आधार पर हमारे समाज के विभिन्न वर्गों को लक्षित करने के लिए डीएनए प्रौद्योगिकी के उपयोग – या अधिक सटीक रूप से इसके दुरुपयोग – के बारे में चिंता व्यक्त की है। ये आशंकाएँ पूरी तरह से निराधार नहीं हैं (और) इन्हें पहचाना और संबोधित किया जाना चाहिए।

### सरकार ने क्या कहा है?

सरकार ने यह तर्क देकर विधेयक का बचाव किया है कि लगभग 60 देशों ने इसी तरह का कानून बनाया है और गोपनीयता, गोपनीयता और डेटा सुरक्षा से संबंधित सभी महत्वपूर्ण मामलों को ध्यान में रखा गया है। यह भी दावा किया गया है कि सूचकांकों में बहुत सीमित जानकारी संग्रहीत करने का प्रस्ताव है। अरबों में से संख्याओं के केवल 17 सेट जो डीएनए नमूने प्रकट कर सकते हैं। इसमें कहा गया है कि ये व्यक्ति के बारे में कुछ नहीं बता सकते हैं और केवल विशिष्ट पहचानकर्ता के रूप में कार्य करते हैं।

**इन दिनों** ✍ आलोक कुमार

## इंडिया का नामकरण तीसरे मोर्चे की ताकत

क्या जन्म के साथ ही नए अवतार वाले इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव एलायंस यानी इंडिया के नाम को लेकर विपक्ष के नेता असहज होने लगे हैं? क्या यह असहजता इतनी बढ़ेगी कि एक बार फिर से यह तीसरे मोर्चे की वजह बन जायेगी? यह सच है कि संयुक्त प्रजातांत्रिक गठबंधन यानी संप्रग का अंग्रेजी नामकरण इंडिया हिंदी पट्टी के नेताओं को कम लुभा रहा है। क्या यही एक वजह है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव बुजुर्ग लालू प्रसाद के साथ फाइनल बैठक से पहले ही बेंगलुरु से रवाना हो गए? इनकी तरह ही उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव अपने चाचा प्रो. रामगोपाल के साथ गठबंधन के ऐलान वाली प्रेस कांफ्रेंस से पहले मंच से नदारद रहे। भारतीय जनता पार्टी को आगामी लोकसभा चुनाव में घेरने के लिए संयुक्त विपक्षी गठबंधन की यह दूसरी बैठक दक्षिण के राज्य कर्नाटक में थी। इसलिए यहां गठबंधन का अंग्रेजी नाम इंडिया रख पाना संभव हुआ। इस पर पड़ोसी तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश व बंगाल समेत पूर्वोत्तर राज्यों के नेताओं का तत्काल कोई ऐतराज उभरकर सामने नहीं आया। शायद यह विपक्षी एकता की पटना वाली पहली बैठक में संभव नहीं हो पाता। अंग्रेजी वाले नाम को लेकर हिंदी समर्थक नेताओं की असहजता स्वाभाविक है। उत्तर प्रदेश में स्व. मुलायम सिंह की पूरी राजनीति प्रखर हिंदी समर्थक के बल पर खड़ी थी। कांग्रेस संग किसी चुनावी एलायंस की गंभीर पहल से बचते रहे अखिलेश यादव को इंडिया नाम कितना पसंद आया यह आने वाले दिनों में नज़र आएगा। नाम को लेकर खड़ा होने वाला विवाद बढ़ा तो तत्काल इसका असर राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में देखने को मिलेगा। ये तीनों राज्य इसी साल चुनावी परीक्षा से गुजरने वाले हैं और भाषाई लिहाज से हिंदी समर्थक हैं। गठबंधन के इस नए अवतार का नामकरण कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने किया है इसलिए यह मुमकिन नहीं कि इस पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपनी कोई इतर राय रख पाएं। मगर यह पैबंद गठबंधन में शामिल किसी गैर कांग्रेसी नेता पर कतई लागू नहीं होता है। जहां तक बात एकमत होने की है तो यह समाजवादी पृष्ठभूमि के जनता परिवार वाले नेताओं पर कतई लागू नहीं होती। वैचारिक समाजवादियों को लेकर मशहूर प्रहसन है कि ये इकट्ठा होते ही बिखरने के लिए हैं। संप्रग की जगह इंडिया को जिन राज्यों में दिक्कत हो सकती है उसमें 80 लोकसभा सीटों वाला उत्तर प्रदेश, 40 सीटों वाला बिहार शामिल है। यानी कुल 120 सीटें हैं। इसी तरह अंग्रेजी नाम से असहज राज्यों में राजस्थान की 25, मध्य प्रदेश की 29 और छत्तीसगढ़ की 11 लोकसभा सीटें यानि कुल 65 सीटें हैं। प्रखर

# रोहिंग्या मुसलमानों पर शिकंजा कस रही योगी आदित्यनाथ

■ **एटीएस ने ऑपरेशन चलाकर 74 को दबोचा**

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश में अवैध घुसपैठियों को लेकर काफी संजीदा हैं। इसको लेकर मुख्यमंत्री मंशा के अनुरूप यूपी पुलिस की विभिन्न विंग द्वारा समय समय पर अभियान भी चलाया जाता है। इसकी क्रम में उत्तर प्रदेश में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या को यूपी एटीएस ने गिरफ्तार किया है। पिछले कई दिनों से टीम इनकी फिराक में थी। वहीं यूपी एटीएस ने प्रदेश के अलग-अलग जिले से कुल 74 रोहिंग्या पकड़े हैं, जिसमें मथुरा से 31, अलीगढ़ से 17, गाजियाबाद से 4, हापुड़ से 13, मेरठ-सहारनपुर से 2-2 रोहिंग्या अरेस्ट किये हैं।

इसके अलावा हापुड़ से 2 पुरुष बाल अपचारी और 1 महिला बाल अपचारी को दबोचा है जबकि मेरठ से एक पुरुष बाल अपचारी और एक महिला बाल अपचारी को पकड़ा है। मथुरा में सुबह तड़के यूपी एटीएस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई कर अवैध रूप से जुग्गी झोपड़ियों में रह रहे रोहिंग्या मुसलमानों को गिरफ्तार किया है। एटीएस ने मथुरा पुलिस के साथ मिलकर थाना जैंत क्षेत्र में यहां रह रहे रोहिंग्या को दबोचा है। यूपी एटीएस और मथुरा पुलिस की करीब आठ घंटे तक चली इस कार्रवाई में 31 रोहिंग्या मुसलमान गिरफ्तार किये गए हैं।

### बांग्लादेशी घुसपैठियों को दबोचा

बांग्लादेश से भारत में घुसपैठ कर चुके रोहिंग्या मुसलमानों पर योगी सरकार ने शिकंजा कसना शुरू के दिया है, जिसका एक बड़ा उदाहरण मथुरा के थाना जैंत क्षेत्र में उस वक्त देखने को मिला जब यूपी एटीएस की टीम के साथ मथुरा पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में भारी पुलिस बल और पीएससी की बटालियन ने सुबह तड़के ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए कई रोहिंग्या मुसलमानों को हिरासत में लिया। ये मुसलमान सैकड़ों की तादाद में झुग्गियां बना कर लंबे समय से रह रहे थे। व्यस्कों से अधिक संख्या में बच्चे यहां देखने को मिले। मिली जानकारी के मुताबिक इन बच्चों को ट्रेंड करने के लिए एक मौलवी यहां इनको उर्दू के साथ-साथ तमाम तरह की तालीम दिया करता थे।

### रात दो बजे पहुंची टीम

यूपी एटीएस के मुताबिक बड़ी संख्या में मथुरा के थाना जैंत क्षेत्र के अलहपुर और कोटा गांव के बीच मुसलमान झुग्गी झोपड़ी बनाकर रह रहे थे। उन्हें यह भी जानकारी मिली कि यह सभी अवैध रूप से बांग्लादेश से बॉर्डर क्रॉस कर भारत आये और यहां पर जुग्गी झोपड़ियों में रह रहे हैं। इसके बाद यूपी एटीएस ने गोपनीय तरीके से जांच शुरू की, तो यह जानकारी सही साबित हुई।

उत्तराखंड के चमोली जिले में गौचर के पास कमेड़ा में सोमवार को भारी बारिश के बाद हुए जबरदस्त भूस्खलन से ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग का लगभग 100 मीटर हिस्सा बह गया और उस पर यातायात दो-तीन दिन के लिए अवरुद्ध हो गया।

**प्रमुख समाचार**

### पूर्व मंत्री व पूर्व सांसद समेत कई नेता समर्थकों सहित भाजपा में

**नईदिल्ली।** अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को विपक्षी दलों के पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद और पूर्व विधायक समेत कई प्रमुख नेताओं को उनके समर्थकों समेत पार्टी में शामिल कराया।

पार्टी के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ विपक्ष की मोर्चाबंदी के बीच उत्तर प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी और उसके सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल को झटका लगा है। इन दोनों ही पार्टियों के कई अहम नेता सोमवार को भाजपा में शामिल हो गये। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी छोड़कर जाने वाले नेताओं की तुलना दो हजार रुपये के करेंसी नोट से करते हुए उन पर तंज किया है। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित ने सोमवार को बताया कि पार्टी के राज्य मुख्यालय में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी और उत्तर प्रदेश सरकार के दोनों उप मुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक ने राष्ट्रीय लोकदल छोड़कर आये पूर्व सांसद राजपाल सैनी, सपाट छोड़कर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री साहब सिंह सैनी प्रमुख नेताओं को भाजपा की सदस्यता दिलाई।

### एकनाथ शिंदे ही मुख्यमंत्री रहने वाले हैं: फडणवीस

**मुंबई।** अपने बयान में देवेंद्र फडणवीस ने तमाम चर्चाओं को विराम लगाते हुए साफ तौर पर कहा कि एकनाथ शिंदे ही मुख्यमंत्री रहेंगे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आजकल कई वरिष्ठ नेता

अटकलबाज़ी करते दिख रहे हैं। एनसीपी नेता और राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के मुख्यमंत्री बनने की चर्चाएं इस समय जोरों पर हैं। इसका असर हमें दिन में देखने को मिला। एनसीपी मंत्री अनिल पाटिल ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि नसीपी पार्टी के दिल्ली के कार्यकर्ताओं और नेताओं का भी यही कहना कि अजित पवार को मुख्यमंत्री बनाना चाहिए। हालांकि इससे पहले भी महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री के बदलाव को लेकर चर्चाएं तेज हो चुकी है। जबसे अजित पवार शिंदे-फडणवीस सरकार में शामिल हुए हैं, तब से विपक्षी दलों का दावा है कि एकनाथ शिंदे की कुर्सी जाने वाली है। संजय राउत इसको लेकर लगातार बोलते रहे हैं। इसी सवाल को लेकर महाराष्ट्र उपमुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस ने बड़ा बयान दिया है। अपने बयान में देवेंद्र फडणवीस ने तमाम चर्चाओं को विराम लगाते हुए साफ तौर पर कहा।

### साढ़े पांच घंटे सर्वे, फिर आया सुप्रीम आदेश और रुक गया

**वाराणसी।** भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने सोमवार सुबह सात बजे से सील वजूखाने को छोड़कर ज्ञानवापी परिसर के शेष हिस्से का सर्वे शुरू कर दिया। करीब साढ़े पांच

घंटे तक इमारत के पूर्वी, पश्चिमी, उत्तरी और दक्षिणी दीवार की माप-जोख डिफरेंशियल ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम से की गई। दीवारों की फोटो खींची गई और वीडियोग्राफी कराई गई। इमारत की नींव के पास से मिट्टी और ईंट-पत्थर के नमूने जुटाए गए। इसी बीच पता चला कि सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार शाम पांच बजे तक सर्वे पर रोक लगा दी है। इसके बाद डीएम, मंडलायुक्त और वादी पक्ष के साथ ही एएसआई की टीम ज्ञानवापी परिसर से बाहर चली गई। इससे पहले अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी ने सर्वे का बहिष्कार किया था। मसाजिद कमेटी की तरफ से कोई प्रतिनिधि ज्ञानवापी परिसर नहीं पहुंचा था। सुबह सात बजे से दोपहर साढ़े बारह बजे तक टीम ज्ञानवापी परिसर में रही। ज्ञानवापी परिसर से बाहर आईं हिंदू पक्ष की चार वादिनी और उनके अधिवक्ताओं ने साफ किया।

### मोदी सरकार ने किया पीएफ पर ब्याज दर बढ़ाने का ऐलान

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने ईपीएफ खाताधारकों को बड़ा तोहफा दिया है। दरअसल वित्त मंत्रालय की ओर से ईपीएफओ ब्याज दर का ऐलान करते हुए 8.15प्रतिशत की ब्याज दर कर दिया है। वित्त मंत्रालय के इस फैसले से कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के एक सर्कुलर में कहा गया कि भारत सरकार के श्रम और रोजगार मंत्रालय ने ईपीएफ योजना के प्रत्येक सदस्य के खाते में वर्ष 2022-23 के लिए ब्याज जमा करने के लिए कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 1952 के पैरा 60 (1) के तहत केंद्र सरकार की मंजूरी दे दी है। बता दें कि ईपीएफओ ने 2022-23 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) पर ब्याज दर बढ़ाई हैं। अब कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) पर ब्याज दर को बढ़ाकर 8.15 प्रतिशत कर दिया जाएगा। बता दें कि वित्तवर्ष 21-22 के लिए यह दर 8.10 प्रतिशत थी। इसके पहले मार्च में ईपीएफओ ने अपने सब्सक्राइबर्स के लिए 2022-23 के कर्मचारी के भविष्य निधि पर ब्याज दर बढ़ाने की घोषणा की थी। इसके बाद 2022-23 के लिए ईपीएफ जमा पर ब्याज दर की बढ़ोतरी के लिए वित्त मंत्रालय के पास मंजूरी के लिए भेजा था।

### पीएसएलवी 30 को सिंगापुर के सात उपग्रहों के साथ भरेगा उड़ान

**चेन्नई।** भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 30 जुलाई को अपने ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) का उपयोग करके सिंगापुर के सात उपग्रहों को लॉन्च करेगा। इसरो सोमवार शाम से

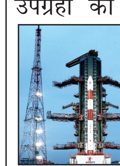

प्रक्षेपण देखने के इच्छुक लोगों का पंजीकरण शुरू करेगा। अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, पीएएसएलवी-सी56 कोड वाला पीएसएलवी रॉकेट मुख्य रूप से लगभग 360 किलोग्राम वजनी सिंगापुर के डीएस-एसएआर उपग्रह को ले जाएगा। अन्य छह छोटे उपग्रह वीईएलओएक्स-एएम, एआरसीएडीई, एससीओओबी-दो, नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर से हैं; एनयूएलआईओएन, एनयू स्पेश पीटीई लिमिटेड, सिंगापुर से संबंधित है, गैलासिया-2, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर से और ओरआरबी-12 एसटीआरआईडीईआर एलिना पीटीई, लिमिटेड, सिंगापुर है। इसरो ने कहा कि पीएसएलवी-सी56 रॉकेट को प्रारंभिक उड़ान चरण के दौरान अतिरिक्त जोर देने के लिए अतिरिक्त स्ट्रैप-ऑन मोटर्स के बिना इसके कोर-अलोन मोड में कॉन्फ़िगर किया गया है। यह डीएस-एसएआर उपग्रह कोनिकट-भूमध्यरेखीय कक्षा (एनईओ) में लॉन्च करेगा।

**विश्लेषण**

# बिहार के बाद मध्य प्रदेश में जातीय जनगणना की मांग

**नई दिल्ली।** देश में एक बार फिर जातिगत जनगणना को लेकर हलचल शुरू हो गई है। दरअसल, इस बार मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस ने घोषणा की है कि पार्टी की सरकार बनने पर प्रदेश में जातिगत जनगणना कराई जाएगी। इससे पहले बिहार सरकार भी इस तरह का सेंसस करा रही थी, लेकिन पटना हाईकोर्ट ने इस पर अंतरिम रोक लगा दी।

पिछले कुछ समय में जातीय जनगणना राजनीति के केंद्र में बनी हुई है। पिछले दिनों इंडिया गठबंधन की बैठक में भी इसको तवज्जो दिया गया था। इस बीच में हमें जानना जरूरी है कि आखिर जातिगत जनगणना को लेकर एमपी में क्या हुआ है? राज्य में कास्ट सेंसस की घोषणा की वजह क्या है? जातिगत जनगणना को लेकर अलग-अलग राज्यों में क्या हुआ है। कब किसने जनगणना कराई, उसके नतीजे क्या रहे? बिहार में जातिगत जनगणना हो रही है उसका क्या स्टेटस है? राज्य सरकारों को जनणना को लेकर क्या अधिकार है? जातिगत जगणना के पीछे की राजनीति क्या है?

भोपाल के रविंद्र भवन में रविवार को मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग संयुक्त मोर्चा के महासम्मेलन का आयोजन किया गया। इस आयोजन में पीसीसी चीफ और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में कहा कि मध्य प्रदेश में पिछड़ा वर्ग की आबादी 55त्न है, भाजपा सरकार जातिगत गणना इसलिए नहीं करा रही कि कहीं उसकी पोल न खुल जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर प्रदेश में जातिगत जनगणना कराई जाएगी, ताकि पता लगाया जा सके कि हमारे समाज में

गरीब व्यक्ति कितने हैं। उनकी क्या सहायता की जा सकती है। ताकि पिछड़े वर्ग की जातियों को वास्तविक संख्या का पता चल सके। उन्होंने यह भी कहा कि निजी क्षेत्र में आरक्षण का प्रावधान कराने के लिए नियम बनाए जायेंगे और ओबीसी वर्ग के साथ न्याय किया जायेगा।

मध्य प्रदेश में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले ओबीसी वर्ग को साधने के लिए कांग्रेस और भाजपा दोनों जोर लगा रहे है। इसी कड़ी में कांग्रेस ने राज्य में सरकार बनने पर जातिगत जनगणना कराने की घोषणा कर दी। दरअसल, प्रदेश की 50त्न से अधिक आबादी ओबीसी वर्ग से आती है। जिसका 125 विधानसभा सीटों पर सीधा प्रभाव है। यही वजह है कि दोनों ही प्रमुख दल ओबीसी वर्ग का खुद को हितैषी बता रहे हैं। इसके पहले 2019 में कांग्रेस की सरकार बनने पर 27 प्रतिशत आरक्षण लागू कराया गया था। हालांकि, बाद में इस बढ़े हुए आरक्षण पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी।

### जातिगत जनगणना को लेकर अलग-अलग राज्यों में क्या हुआ है?

1951 के बाद से हर जनगणना में जाति सर्वे की मांग उठती रही है। कई राज्यों ने जाति सर्वे या जनगणना का प्रयास भी किया, लेकिन अधिकांश असफल रहे। 2011 में ही कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना (एसईसीसी) को अंजाम देने की योजना बनाई थी। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वेक्षण का कार्य किया और आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय ने शहरी क्षेत्रों में इसका संचालन किया। इससे बाद 2014 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सिद्धारमैया सरकार के तहत कर्नाटक ने एक सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण का आदेश दिया था। तब सर्वेक्षण का उद्देश्य यह बताया गया कि यह सर्वे 127वें संविधान संशोधन विधेयक के अनुसार, ओबीसी के आनुपातिक आरक्षण पर निर्णय लेने के लिए किया गया था। रिपोर्टों के अनुसार, यह सर्वे 2015 में अप्रैल और मई के दौरान 1.6 लाख गणनाकारों के साथ किया गया था। एच कंथाराज की अध्यक्षता में कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा आयोजित इस सर्वे में लगभग 1.3 करोड़ घरों को कवर किया गया। रिपोर्टें जून 2016 तक प्रस्तुत की जानी थीं। हालांकि, रिपोर्टें कभी सार्वजनिक नहीं की गईं। 2021 में, तेलंगाना में पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग ने पिछड़े वर्गों के बीच जाति संरचना के सर्वे की प्रक्रिया शुरू की। प्राथमिक योजना एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया , सेंटर ऑफ इकोनॉमिक एंड सोशल स्टडीज (सीईएसएस), ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स और सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस जैसी कई विशेषज्ञ एजेंसियों को शामिल करने की थी। हालांकि, इस प्रक्रिया का क्या हुआ, सरकार ने स्पष्ट नहीं किया। ओडिशा ने भी हाल ही में पिछड़ी जाति समुदायों की शैक्षिक और सामाजिक स्थितियों को समझने के लिए एक मई से अपना जाति-आधारित सर्वे शुरू किया है।

# मणिपुर हिंसा को लेकर सर्व आदिवासी समाज ने किया बस्तर और कांकेर बंद

**■ व्यापारियों ने समर्थन देकर बंद रखी दुकानें**

**जगदलपुर।** मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई घटना को लेकर सर्व आदिवासी समाज ने सोमवार को नगर बंद का आव्हान किया था, जिसे लेकर व्यापारियों से लेकर आमजनों अपनी दुकानें बंद रखते हुए इसका समर्थन दिया है।

प्रकाश ठाकुर संभागीय अध्यक्ष सर्व आदिवासी समाज ने बताया कि आदिवासी महिलाओं के साथ हुए अत्याचार और शारीरिक हिंसा की खिलाफत करते हुए आदिवासी समाज के लोगों ने जमकर नारेबाजी की और केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को घेरा। लंबा समय बीत जाने के बाद भी इस पर कोई कार्रवाई न होने को लेकर भी नाराजगी जाहिर की। वहां महिलाओं के साथ हो रही घटनाओं को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया।

महिला प्रभाग अध्यक्ष रुक्मणी कर्मा ने इस मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए दोषियों को सजा देने की मांग की है, वही इस बंद के साथ ही आदिवासी समाज ने आरोपियों के ऊपर कार्रवाई की मांग की है।

बता दें कि नगर बंद से दो दिन पहले भी आदिवासी समाज के द्वारा कैंडल मार्च निकाल कर आरोपियों को सजा दिलाने पैदल नयापारा से होते हुए सिरहासार चौक

स्थित अमर जवान में जाकर कैंडल जलाकर अपनी मांग रखी थी।

### कांकेर पूरी तरह किया बंद, जलाया पुतला

**कांकेर।** मणिपुर की घटना को लेकर सोमवार को सर्व आदिवासी समाज ने बस्तर संभाग बंद करने का निर्णय लिया, जिसका असर पूरे कांकेर जिले में दिखने को मिला है। कांकेर जिले के 7 ब्लॉक पूरी तरह बंद रहे। चेंबर ऑफ कॉमर्स ने भी सर्व आदिवासी समाज के नगर बंद का समर्थन किया है। लोग अपनी दुकानें बंद रखकर मणिपुर में हुए घटना का विरोध जता रहे हैं। वहीं, एक दिन पहले कांकेर में आदिवासी समाज की सैकड़ों युवतियों ने केंद्रीय मंत्रियो का पुतला भी जलाया था।

मणिपुर की घटना सामने आने के बाद से समाज के सर्व आदिवासी युवा लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। सर्व आदिवासी समाज के युवा प्रभाग के अध्यक्ष योगेश नरेटी ने बताया कि मणिपुर में महिलाओं के साथ भयावह हिंसा की घटना निंदनीय है। इस घटना पर प्रधानमंत्री की चुप्पी और निष्क्रियता ने मणिपुर को अराजकता की ओर धकेल दिया है। वहीं, आदिवासी समाज के द्वारा बंद के दौरान अजीब वाक्य देखने को मिला। एक ओर जहां समाज के युवा नगर बंद करा रहे थे, वहीं दूसरी और कांग्रेस के नेता मणिपुर मामले में ही पुतला दहन कर रहे थे। दोनों आपस मे टकरा गए, जहां आदिवासी युवाओं ने विधायक के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और यह नारेबाजी 1 घंटे तक चलती रही।

# कांग्रेस नेताओं पर लगा फर्जी खबर के जरिए छवि खराब करने का आरोप

**■ आदिवासी समाज ने की कार्रवाई की मांग**

**कांकेर।** कांग्रेस के इंटक नेताओं पर सोशल मीडिया के माध्यम से कृषि विभाग के दो आदिवासी अधिकारियों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर छवि खराब करने का आरोप लगा है। इससे समाज के नाराज आदिवासी संगठन सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक व अजाक्स थाने में कार्रवाई करने की मांग को लेकर आवेदन दिया है। वहीं, कार्रवाई नहीं किए जाने पर उग्र आंदोलन की बात कही है।

आदिवासी समाज के पदाधिकरी प्रकाश भंडारी ने कहा कि कृषि विभाग के उपसंचालक नरेन्द्र कुमार नागेश व कृषि विभाग में पदस्थ सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी सरजूराम शोरी पर भ्रष्टाचार करने संबंधी भ्रामक खबर सोशल मीडिया में 20 जुलाई को वायरल किया गया था, जिसमें इंटक नेता तबरेज खान व गणेश तिवारी के द्वारा खबर को सोशल मीडिया में एक दैनिक अखबार के हवाले से फर्जी तरीके से वायरल समाचार पत्र में प्रकाशित किया गया है, वो समाचार पत्र कांकेर में वितरित नहीं होता है।

समाचार पत्र की विश्वसनीयता की भी जांच करने की मांग की गई है। सर्व समाज व आदिवासी

समाज द्वारा दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि गणेश तिवारी हमेशा आदिवासी समाज के अधिकारियों पर झूठा आरोप लगा उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित कर ब्लैकमेल करता है, ऐसे अपराधिक प्रवृति के लोगों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

पीड़ित अधिकारी सरजू राम शोरी ने कहा है कि दोनो इंटक नेता सोशल मीडिया में भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर दुष्प्रचार करते रहते है, जिस समाचार पत्र की प्रेस विज्ञप्ति प्रकाशन बताया जाता है, वो पूरी तरह से फर्जी है, उसकी भी जांच किया जाए।

# विभिन्न खामियों के साथ चल रहीं स्कूल बसें, जांच के बाद 29 पर जुर्माना

**■ एक लाख एक हजार एक सौ रुपए की जुर्माना राशि की वसूल**

**कोरबा।** स्कूली बच्चों की जान को जोखिम में डाल कर स्कूल प्रबंधन द्वारा किस तरह से बसों को चलाया जा रहा इसका पर्दाफाश बसों की जांच के बाद हुआ है। रविवार को जिला परिवहन विभाग ने जिले में विभिन्न् स्कूलों के 69 बसों के फिटनेस की जांच की। जिसमें 29 बसें अनफिट पाई गई। स्कूल प्रबंधनों विभाग ने 1,01100 रूपये का अर्थदंड लगाया है।

शिक्षा के व्यवायीकरण के दौर में अभिभावकों से स्कूल फीस के नाम पर किस तरह से लूट मची है यह किसी से छिपी नहीं है। ऊपर से बच्चों को परिवहन सुविधा के नाम पर अनफिट बसों से घर से स्कूल तक लाने ले जाने का काम किया जा रहा है। रविवार को जिला परिवहन विभाग ने शहर के बड़े स्कूलों से संचालित 69 बसों का निरीक्षण किया। जिसमे बसों की जांच के दौरान खिड़की में जाली की कमी, खिड़की का शीशा टूटा हुआ पाया गया। इसके अलावा नामांकित चालकों के लाइसेंस में नवीनीकरण नहीं होना भी खामियों में शामिल है। बताना होगा कि तेज धूप का असर होने की वजह इस बार शिक्षा सत्र की शुरूआत 26 जून को हुई। इस बीच परिवहन विभाग की ओर से स्कूलों को नोटिस जारी कर वाहनों का परीक्षण कराने के लिए सूचना दी गई थी। इसके बाद भी स्कूल संचालक परीक्षण के लिए नहीं पहुंचे।

बहरहाल जांच के दौरान मिले खासी तादाद में मिली अनफिट बसों की संख्या ने स्कूल प्रबंधन के लापरवाही

की पोल खोल दी है। बताना होगा जिले में 298 निजी स्कूलों को संचालन हो रहा है। जिनके पास 213 बस व वेन उपलब्ध हैं। समय पर जान नहीं होने से परिवहन विभाग की जिम्मेदारी की भी पोल खुल गई है। परिवहन बसों की जांच शहरी क्षेत्र के स्कूलों में तक ही सीमित हैं। उपनगरीय क्षेत्र तक विभाग की पहुंच नहीं होने की वजह से प्रतिबंधित आटो रिक्शा में भी बच्चों को लाने ले जाने का काम किया जा रहा है। बीते वर्ष कोरबा से कटघोरा बच्चों को छोड़ने जा रही स्कूल वेन में आग लग गई थी। बस में कुल सात बच्चे सवार थे। चालक की समझदारी से बच्चों को समय रहते उतार लिया गया। सूझबूझ से काम नहीं लिए जाने पर बड़ी घटना हो सकती थी। उसके पहले साल चलती बस से पहिया निकल की घटना सामने आया था। दुर्घटना के बावजूद भी स्कूल प्रबंधन बच्चों की जान से खिलवाड़ करते हुए अनफिट बस चल रहें हैं। जिला परिवहन कार्यालय तंग जगह में संचालित हो रहा है। कार्यालय के सामने इतनी जगह नहीं कि एक साथ सामूहिक रूप से वाहनों का फिटनेस जांच किया जा सके। परिवहन विभाग के नियमानुसार वाहनों के फिटनेस की जांच कराने की जिम्मेदारी स्कूल प्रबंधन की हैं।

# सहकारी बैंक में 15 करोड़ घोटाले के आरोप में बेलचंदन गिरफ्तार

**जिला न्यायालय से जमानत याचिका खारिज**

**भिलाई नगर।** जिला सहकारी केंद्रीय बैंक दुर्ग के पूर्व अध्यक्ष व वरिष्ठ भाजपा नेता प्रीतपाल बेलचंदन को दुर्ग पुलिस ने 14 करोड़ 89 लाख रुपए के घोटाले के मामले में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी जिला न्यायालय से जमानत याचिका खारिज होने के बाद सोमवार की सुबह की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रीतपाल पर 2014 से 2020 के बीच जिला सहकारी केंद्रीय बैंक दुर्ग के अध्यक्ष रहते हुए 14 करोड़ 89 लाख रुपए के घोटाले का आरोप है। प्रीतपाल बेलचंदन वर्ष 2008 में विधानसभा चुनाव भी लड़ चुके हैं। भाजपा शासनकाल में वर्ष 2014 में उन्हें जिला सहकारी केंद्रीय बैंक का अध्यक्ष बनाया गया था। इनके कार्यकाल में 14.89 करोड़ रुपए से ज्यादा के गबन का मामला सामने आया। इसे लेकर दो वर्ष पहले बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी पंकज सोढ़ी ने दुर्ग कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई थी। उन्होंने बैंक के तात्कालीन अध्यक्ष प्रीतपाल

बेलचंदन सहित संचालक मंडल पर बिना अनुमति अनुदान राशि और एक मुश्त समझौता योजना में छूट देने का आरोप लगाया था। दुर्ग पुलिस ने मामले में धोखाधड़ी की धारा 420 सहित धारा 409, 467, 468, 471 और 34 के तहत मामला दर्ज किया था। अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए बेलचंदन ने जिला अपर सत्र न्यायाधीश शैलेष कुमार तिवारी की अदालत में जमानत की याचिका लगाई थी जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने याचिका को खारिज कर दिया। इसके बाद दुर्ग पुलिस ने सोमवार की सुबह बेलचंदन के घर छापेमार कार्रवाई कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

# बारिश की बेरुखी, आधे किसानों ने ही खेतों में लगाया रोपा

**कोरबा।** मानसून का इंतजार किसानों को रहता है। किसानी भाषा में इसे खरीफ सीजन कहते हैं ।इस सीजन में किसान अपने खेतों को फसल के लिए तैयार करते हैं ।क्योंकि बारिश के कारण कुदरती पानी में उनकी पैदावार काफी अच्छी होती है ।जुलाई के आखिर तक किसान अपने खेतों में रोपाई का काम करते हैं ।लेकिन छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में बारिश उम्मीद के मुताबिक नहीं हुई ।जिसके कारण किसान रोपाई का काम पूरा नहीं कर सके हैं ।जुलाई का महीना खत्म होने को है ।बात यदि कोरबा जिले की करें तो कृषि विभाग ने जो आंकड़ें दिए हैं वो चौकाने वाले हैं ।क्योंकि जिले में अब तक महज 55 फीसदी ही बुआई हो पाई है ।बाकी के किसान बारिश के इंतजार में है ।अब यदि बारिश नहीं हुई तो किसान शायद ही बोनी करें ।इसलिए जुलाई के आखिरी 8 दिन काफी महत्वपूर्ण है।

पानी नहीं गिरने से किसान परेशान- कोरबा के रिसडी और आसपास के गांव में भी किसान खेती किसानी करते हैं। किसान संतराम कंवर के मुताबिक इस साल काफी मुश्किल हो रही है। बरसात थोड़ी कम हुई है। जिसके कारण रोपा का काम नहीं हो पाया है ।नर्सरी तैयार करने के बाद खेतों की जुताई कर ली गई है ।रोपा भी तैयार है ।लेकिन जब तक खेतों में पर्याप्त पानी नहीं

आ जाता तब तक रोपा नहीं लगेगा ।यदि आने वाले दिनों में भी बारिश नहीं हुई तो धान की पैदावार घट जाएगी। सुबह से लेकर शाम तक कीचड़ में डूबकर फसल तैयार करने वाले लगभग सभी किसानों की हालत ऐसे ही है। किसान रामकुमार ने भी अपने खेत के बारे में जानकारी साझा की।

किसान रामकुमार ने कहा अभी मैं रोपा लगाने के लिए खेत तैयार कर रहा हूं। खेत में जो घास और अनचाहे पौधे उग गए हैं। वह निकालना होता है, यदि उन्हें नहीं हटाया तो वह धान की फसल को बढ़ने से रोकते हैं। खेतों की जुताई ट्रैक्टर से पूरी कर ली है। हमारे परिवार के पास 4 से 5 एकड़ खेत हैं। पिछले साल 10 क्विंटल धान उगा लिया था। इसमें से कुछ हम मंडी में बेच आते हैं, तो कुछ अपने खाने के लिए रख लेते हैं। किसान रामकुमार की माने तो इस बार सब कुछ बरसात पर निर्भर है। हमारी पूरी तैयारी हो चुकी है। बस बरसात का इंतजार है। जिस खेत की जुताई की है, वहां रोपा लगाएंगे। इसके बाद अक्टूबर में फसल कटेगी।

**छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार**

## हर्ष छाबरिया विहिप के जीपीएम जिला अध्यक्ष नियुक्त

**पेंड्रा।** विश्वहिन्दू परिषद (विहिप) छत्तीसगढ़ प्रान्त की बैठक में हर्ष छाबरिया को गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (जीपीएम) जिले का अध्यक्ष नियुक्त किया गय। विहिप की 21 से 23 जुलाई तक तीन दिवसीय बैठक बिलासपुर में हुई। बैठक में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के नए कार्यकारिणी का गठन हुआ। जिसमें नए जिला अध्यक्ष - हर्ष छबरिया, उपाध्यक्ष-सरोज पवार, बजरंग दल जिला सयोजक-सागर पटेल,मातृशक्ति जिला संयोजिका-प्रिया त्रिवेदी,मातृशक्ति जिला सह संयोजिका-श्रीमती मीनू पाण्डेय, जिला अर्चक पुरोहित-अनुराग पाण्डेय,जिला अर्चक पुरोहित सह संयोजक-विनय पाण्डेय,जिला समरसता प्रमुख-भूपेंद्र चौधरी,जिला गौ रक्षा प्रमुख-शुभम गुप्ता, जिला विद्यार्थी प्रमुख-देवांश तिवारी और जिला सुरक्षा प्रमुख-नवीन विश्वकर्मा, को मनोनीत किया गया। नए पदाधिकारियों की घोषणा छत्तीसगढ़ प्रान्त के प्रान्त मंत्री विभूति भूषण पाण्डेय के द्वारा किया गया।

## बालोद में तेजी से फैल रहा आई फ्लू, कैंप में 17 बच्चे मिले

**बालोद।** बालोद जिले के डौडी ब्लॉक क्षेत्र में आई फ्लू बड़ी तेजी से फैल रहा है। आदिवासी विकासखंड डौंडी अंतर्गत संयुक्त एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के लगभग 17 बच्चे कंजंक्टिवाइटिस इंफेक्शन यानी आंख के इंफेक्शन का शिकार हो गए हैं। सभी का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डौंडी में उपचार करवाकर कैंपस के अंदर अलग कैंप में रखा गया है। वर्तमान समय में ये आई फ्लू की यह बीमारी पूरे छत्तीसगढ़ राज्य सहित बालोद जिले और डौंडी ब्लॉक में बड़ी तेजी से फैल रही है। हालांकि इस बीमारी से मरीजों पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ता है किंतु इसके फैलने की तेज रफ्तार से भय का माहौल है। इस संक्रमण से आंखों में खुजली, जलन और आंखों से पानी आता रहता और आंखे सूज जाती है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी विजय ठाकुर ने बताया कि अनुसार मौसम के बदलने और हवा में नमी के कारण ये रोग पनपता है, और सामान्यत सात से पंद्रह दिन के भीतर संक्रमित व्यक्ति पूर्ण रूप से स्वस्थ हो जाता है। इस रोग से घबराने की आवश्यकता नहीं है।

## 700 लीटर डीजल के साथ छह चोर गिरफ्तार

**जांजगीर चांपा।** जांजगीर चांपा जिले के बलौदा थाना क्षेत्र अंतर्गत कोरबा से बिलासपुर मुख्यमार्ग पर चलने वाले वाहनों से डीजल चोरी करने वाले छह आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों के पास से एक कार को भी जब्त किया है जोकि डीजल चोरी के लिए उपयोग में ली जाती थी। छह आरोपियों के पास से 66 हजार 500 रूपये की कीमत का 700 लीटर चोरी का डीजल बरामद किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, थाना प्रभारी गोपाल सतपथी ने बताया कि रोजाना डीजल चोरी की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। ग्राम खिसोरा और बिरगहनी से कोरबा, बिलासपुर मुख्यमार्ग पर रात को चलने वाले वाहनों से डीजल चोरी किया जाता था। जिस पर टीम गठित की गई। साइबर सेल की तकनीकी सहायता से छह आरोपियों को पकड़ने में बलौदा पुलिस को सफलता मिली है। आरोपियों से पूछताछ करने पर बताया कि चोरी के डीजल को बाजार में बेचते थे। आरोपियों के पास से चोरी किया डीजल को जो कि 19 डिब्बों में भरा हुआ 700 लीटर डीजल बरामद किया गया है।

## शैक्षणिक संस्थान शासन की योजनाओं का कर रहा प्रचार

**कोरबा।** कोरबा जनसंपर्क संचालनालय एवं जिला जनसंपर्क कार्यालय कोरबा के सहयोग से स्पर्श सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थान रायपुर के कलाकारों द्वारा आदिवासी क्षेत्रों में राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रचार प्रसार कर रहा है। इसी के तहत ग्राम पंचायत जामबहार, चुईया, अजगर बहार, धनगांव, तिलईडार, कछार, इसी प्रकार पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड अंतर्गत पाथा, छींदमेर, लालपुर, माचाडोली, एलमा नगर, ओनाकोना, सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार कर ज्ञानवर्धक जानकारियां लोगों तक पहुंचाई जा रही है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना, मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना, श्री धन्वंतरि जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना, स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल योजना, मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना आदि महत्वपूर्ण योजनाओं का प्रचार प्रसार जनसंपर्क के सहयोग से किया जा रहा है।

## लालूराम कालोनी विकास समिति पुनर्गठित

**कोरबा।** टीपीनगर स्थित लालूराम कालोनी के निवासियों ने सर्वसम्मति से सामाजिक मूल्यों के संवर्धन व विकास के लिए लालूराम कालोनी विकास समिति का पुनर्गठन किया है। समिति का अध्यक्ष सर्वसम्मति से निर्मल जैन व सचिव दीपक गर्ग को मनोनीत किया है। समिति में उपाध्यक्ष सुरेन्द्र चिड़ीपाल, विजय मालगे, अंकित जैन, सह सचिव शेखर सोनी, कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल बनाए गए हैं। कार्यकारिणी सदस्य में संजय जायसवाल, हैप्पी अग्रवाल, प्रदीप जायसवाल, राहुल सोनी, सुखविंदर सिंह, लव नायर, अमित अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, अमित गुप्ता को शामिल किया है। समिति के संरक्षक नंदलाल सोनी, विजय सिंह जैन, साधूराम अग्रवाल, स्वरूप सिंह पनेसर, गोपी नायर, मोहन अग्रवाल, नरेश जैन बनाए गए हैं। समिति के अध्यक्ष बनाए जाने पर जैन ने कहा कि कालोनी के लोगों में बेहतर माहौल निर्मित करने, कालोनी के सर्वांगीण विकास के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे। कालोनी की समस्याओं में सभी के साथ सामंजस्य बनाकर काम करने का प्रयास करेंगे।

# छत्तीसगढ़ में सर्व आदिवासी महिलाओं ने किया प्रदर्शन

**बालोद।** मणिपुर में बीते लगभग 2 महीने से हो रही बेतहाशा हिंसा और कुछ दिनों पहले महिलाओं का नग्न वीडियो सामने आने के बाद पूरे देश में इसका विरोध हो रहा है। इसी कड़ी में बालोद जिले में आदिवासी समाज की छात्राओं एवं महिलाओं ने सोमवार को पीएम नरेंद्र मोदी, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन वीरेन सिंह और केंद्रीय मंत्रियों का इस्तीफा मांगते हुए जोरदार प्रदर्शन किया।

आदिवासी छात्राओं एवं महिलाओं का कहना है कि मणिपुर जल रहा है। महिलाओं की इज्जत तार-तार हो रही है और यहां पर जिम्मेदार मौन बैठे हुए हैं। आखिर कोई क्यों एक्शन नहीं लिया जा रहा है। हम सब इस घटना का विरोध करते हैं और उन सरकारों को शर्म आनी चाहिए। इतना ही नहीं प्रदर्शनकारी महिलाओं ने पीएम मोदी के नाम को गधे की तस्वीर के

साथ लगा दिया।

### कुकी समुदाय के लोगों की बेज्जती की जा रही

आदिवासी युवती नीलिमा श्याम ने बताया 4 मई को शूट किया गया एक वीडियो कुछ दिन पहले सामने आया, जिसमें मणिपुर में युद्धरत समुदायों में से एक की दो महिलाओं को नग्न अवस्था में घुमाया जा रहा है और दूसरे पक्ष की भीड़ उनके साथ छेड़छाड़ कर रही है। कथित मुख्य आरोपी को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया। इस घटना की देशभर में व्यापक निंदा हुई है। कुकी समुदाय के लोगों की मणिपुर में बेइज्जती की जा रही है। महिलाओं के साथ अत्याचार और बलात्कार हो रहे हैं।

### घटना ने बेटियों को शर्म से झुका दिया

युवतियों हाथों में तख्तियां और पेंटिंग्स लेकर प्रदर्शन कर रही हैं। इसमें प्रधानमंत्री के नाम के साथ गधे की तस्वीर भी लगा दी गई है। महिलाएं और युवतियां भारत मां के आंचल में बेटियों को सुरक्षित रखने का संदेश दे रही हैं। उनका कहना है कि आज पूरे देश में महिलाओं के ऊपर अत्याचार हो रहा है। मणिपुर की इस घटना ने पूरे देश में बेटियों को शर्म से झुका दिया है। आज बेटियों के सिर को ऊंचा करने के लिए कोई ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। यहां पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के नारे को भी ढोंग का नाम इन युवतियों ने दिया है।

### राष्ट्रपति के इस्तीफे की मांग

प्रदर्शनकारी युवतियों और महिलाओं ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की मांग की है। इन युवतियों के मन में सरकारों के प्रति गुस्सा देखने को मिल रहा है। महिला आशा नोन्हारे ने कहा कि जिम्मेदारों ने मौन अपना लिया है। संसद में मणिपुर के नाम से राजनीति हो रही है। आखिर वहां जलते राज्य पर शुधि कौन लेगा। हम राष्ट्रपति के भी इस्तीफा की मांग करते हैं। पूरे देश में इसका विरोध हो रहा है, लेकिन अभी तक समुदाय विशेष को लेकर किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

# सर्व आदिवासी समाज के युवाओं ने निकाली रैली

**■ मणिपुर की घटना को लेकर फूटा गुस्सा, नारायणपुर बंद**

**नारायणपुर।** देश के अलग अलग हिस्सों में आदिवासियों पर हिंसा और प्रताड़ना का विरोध सर्व आदिवासी समाज नारायणपुर शुरू से करता आया है। अब मणिपुर की घटना को लेकर सोमवार को पूरे बस्तर संभाग में बंद का आह्वान किया गया, जिसका असर नारायणपुर में भी देखने को मिला। आदिवासी समाज के लोगों ने प्रदर्शन करते हुए नगर के व्यापारियों से भी समर्थन मांगा। मणिपुर की घटना के विरोध में व्यापारियों ने भी अपनी अपनी दुकानें बंद रखीं और आदिवासियों को समर्थन दिया।

ऐसी घटना रोकने के लिए सख्त कदम उठाए सरकार- नारायणपुर में सर्व आदिवासी समाज के कंधे से कंधा मिलाते हुए व्यापारियों ने अपनी दुकानें और प्रतिष्ठान बंद रखे। सर्व आदिवासी समाज के लोगो का कहना है कि मणिपुर में आदिवासी महिलाओं के साथ हुई घटना निंदनीय है। इसका विरोध पूरा समाज करता है और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करता है। भविष्य में इस तरह की घटना न हो, इसके लिए सरकार को कड़ा कदम उठाना चाहिए। नगर में बंद के दौरान सर्व आदिवासी समाज के युवाओं ने बाइक रैली निकालकर विरोध जताया। बंद को सफल बनाने के लिए गावों से बड़ी संख्या में सर्व आदिवासी समाज के लोग मौजूद रहे। इस बीच युवा आदिवासियों पर अत्याचार नहीं सहेंगे, सर्व आदिवासी जिंदाबाद के नारे लगाते रहे। सर्व आदिवासी समाज नारायणपुर के कोषाध्यक्ष मैनुराम कुमेटी ने कहा मणिपुर की घटना को लेकर और देश के अलग अगल हिस्सों में महिलाओं पर अत्याचार के विरोध में बंद का आह्वान किया गया है। सर्व आदिवासी समाज की मांग है कि मणिपुर की सरकार को बर्खास्त कर वहां राष्ट्रपति शासन लगाया जाए। मणिपुर में दो महीनों से भी ज्यादा समय से जारी हिंसा के विरोध में नारायणपुर जिला सर्व आदिवासी समाज ने नगर बंद कराया। युवाओं ने रैली निकाली तो वहीं स्थानीय दुकानदारों ने भी हिंसा के विरोध में दुकानें बंद ही रखीं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रमुख समाचार

## लोकसभा चुनाव से पहले बसपा के दो नेता भाजपा में शामिल

**आगरा।** लोकसभा चुनाव 2024 के लिए भाजपा दूसरे दलों को तोड़ने में जुट गई है। इसके तहत सपा, बसपा और कांग्रेस के नेताओं को पार्टी ज्वाइन कराई जा रही है। आगरा में दक्षिण विधानसभा से बसपा की टिकट पर चुनाव लड़ने वाले रवि भारद्वाज और बसपा से खेरागढ़ से चुनाव लड़ने वाले गंगाधर कुशवाहा ने लखनऊ में भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है। इस खबर के मिलते ही बसपा के खेमे में हलचल मची हुई है। भाजपा ने 2024 की तैयारियां तेज कर दी हैं। ऐसे में हर दल में सेंध लगाई जा रही है। बड़े से लेकर छोटे नेताओं को भाजपा में शामिल कराया जा रहा है। सोमवार को लखनऊ में भाजपा के प्रदेश कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और केशव मौर्य ने बसपा के रवि भारद्वाज और गंगाधर कुशवाहा को पार्टी ज्वाइन कराई। बता दें कि 2022 में दक्षिण विधानसभा सीट से रवि भारद्वाज ने बसपा की टिकट पर चुनाव लड़ा था।

## केजरीवाल सरकार को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

**नईदिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली सरकार को दो महीने के अंदर रीजनल रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम (आरआरटीएस) के लिए 415 करोड़ रुपये देने का निर्देश दिया है। जस्टिस एसके कौल और जस्टिस सुधांशु धूलिया की पीठ ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली सरकार ने पिछले तीन वर्षों में विज्ञापनों पर 1,000 करोड़ रुपये खर्च कर सकती है, तो निश्चित तौर पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को भी वित्त पोषित किया जा सकता है। गौरतलब है कि दिल्ली सरकार ने आरआरटीएस परियोजना के लिए धन देने में असमर्थता व्यक्त की थी, जिसके बाद शीर्ष अदालत ने उसे पिछले तीन वर्षों में विज्ञापनों पर खर्च किए गए धन को रिकॉर्ड पर रखने का निर्देश दिया था। दिल्ली में आरआरटीएस के निर्माण से दिल्ली का राजस्थान और हरियाणा से सड़क मार्ग से संपर्क आसान हो जाता। हालांकि, इसके लिए दिल्ली सरकार ने फंड्स मुहैया नहीं कराए। पिछली सुनवाई में दिल्ली सरकार के वकील ने दो जजों की बेंच को बताया कि धन की कमी है और वित्तीय मदद करने में असमर्थता व्यक्त की थी।

## संजय सिंह मानसून सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित

**नईदिल्ली।** संसद के मानसून सत्र का तीसरा दिन भी हंगामेदार रहा। भाजपा और विपक्षी दल मणिपुर हिंसा को लेकर एक-दूसरे पर हमले तेज कर रहे हैं। हंगामा करने को लेकर आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को संसद के मानसून सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किया गया है। हंगामे के बीच सदन के नेता पीयूष गोयल ने आम आदमी पार्टी के संजय सिंह को वर्तमान सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव रखा। इस प्रस्ताव को सदन ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। सुबह सदन की कार्यवाही आरंभ होते ही तृणमूल कांग्रेस के नवनिर्वाचित सदस्य साकेत गोखले ने उच्च सदन की सदस्यता की शपथ ली और इसके बाद सभापति धनखड़ ने आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाए। संजय सिंह के निलंबन को लेकर दिल्ली के मंत्री और आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अगर सच के लिए आवाज उठाने पर संजय सिंह को निलंबित किया जाता है तो हम परेशान नहीं होंगे।

## कांग्रेस के गले की फांस बने राजेंद्र सिंह गुढ़ा

**जयपुर।** मणिपुर में हिंसा के बजाय राजस्थान की कानून व्यवस्था पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को गिरेबान में झांकने की सलाह देने पर राजेंद्र सिंह गुढ़ा मंत्रिमंडल से बर्खास्त भले कर दिए गए हैं, लेकिन अब वो कांग्रेस पार्टी के लिए गले की फांस बनते जा रहे हैं। वो ऐसे आत्मघाती नेता बन रहे हैं, जो कांग्रेस को संकट में डालते रहेगा। गुढ़ा ने मुख्यमंत्री के बेहद खास और आरटीडीसी के चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ के घर ईडी और इनकम टैक्स के छापे के दौरान 'लाल डायरी' में कई राज होने की बात कहकर नया बम फोड़ दिया है। गुढ़ा ने यहां तक कहा कि 'लाल डायरी' को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बेचैन थे। उन्हें इन छापों के दौरान 'लाल डायरी' निकालकर लाने का टास्क दिया था, जिसे उन्होंने पूरा किया। गुढ़ा ने चुप न रहने और सोमवार को विधानसभा में नया खुलासा करने का ऐलान भी किया है। गुढ़ा कभी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेहद करीबी थे, लेकिन अब उन्हें ही मुश्किल में डाल रहे हैं।

## सपा को झटका, शालिनी यादव भाजपा में शामिल

**लखनऊ।** समाजवादी पार्टी को एक बड़ा झटका लगा है। पूर्व सपा नेता शालिनी यादव, जिन्होंने 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ वाराणसी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था, सोमवार को बाद में भाजपा में शामिल हो गईं। शालिनी ने पार्टी में शामिल होने के बाद कहा कि समाजवादी पार्टी में मेहनती कार्यकर्ताओं की बात नहीं सुनी जा रही थी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में उनकी हार के पीछे यह एक कारण था। शालिनी यादव वाराणसी से कांग्रेस के पूर्व सांसद और राज्यसभा के उपसभापति स्वर्गीय श्यामलाल यादव की बहू हैं। वह 2019 में समाजवादी पार्टी में शामिल हो गईं थी। शालिनी 2017 में कांग्रेस से वाराणसी नगर निगम के मेयर चुनाव में भी असफल रही थीं। अपने पहले संसदीय चुनाव में, शालिनी ने 2019 के लोकसभा चुनावों में पीएम मोदी के खिलाफ वाराणसी सीट से चुनाव लड़ा और 4.75 लाख से अधिक वोटों के अंतर से हार गईं।

### लोकसभा में केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा- मुझे नहीं मालूम विपक्ष क्या चाहता है

# सरकार मणिपुर पर चर्चा को तैयार : शाह

**नईदिल्ली।** मणिपुर हिंसा को लेकर राजनीति जबरदस्त तरीके से जारी है। संसद में विपक्षी दल इस पर हंगामा मचा रहे हैं। विपक्षी दलों के शोर-शराबे की वजह से संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से नहीं चल पा रही है। लोकसभा में भी आज जबरदस्त हंगामा हुआ। हालांकि, गृह मंत्री अमित शाह ने साफ तौर पर कहा है कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है। लेकिन विपक्ष का हंगामा बरकरार रहने के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11.00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। संसद के मानसून सत्र का सोमवार को तीसरा दिन था। हालांकि तीनों दिन मणिपुर हिंसा को लेकर हंगामा जारी रहा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मैं इस पर सदन में चर्चा के लिए तैयार हूं। मैं विपक्ष से अनुरोध करता हूं कि इस मुद्दे पर चर्चा होने दें। यह जरूरी है कि देश को इस संवेदनशील मामले की सच्चाई पता चले। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुझे नहीं मालूम कि विपक्ष संसद में चर्चा क्यों नहीं होने दे रहा। लोकसभा में सदन के उपनेता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी कहा कि मणिपुर जैसी घटना के प्रति जो चर्चा होनी चाहिए, उसके लिए प्रतिपक्ष गंभीर नहीं है। वहीं, संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री इस विषय पर पहले ही अपनी पीड़ा व्यक्त कर चुके हैं, सदन के उपनेता राजनाथ सिंह जी कह चुके हैं कि सरकार चर्चा को तैयार है। उन्होंने कहा कि जब सरकार तैयार है तो वे (विपक्ष) चर्चा से क्यों भाग रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र के अनेक सदस्यों ने चर्चा कराने का आग्रह किया है लेकिन विपक्ष चर्चा करना नहीं चाहता।

मणिपुर के मुद्दे पर सोमवार को लोकसभा में विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद अपराह्न करीब दो बजकर 35 मिनट पर मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। सरकार ने सोमवार को लोकसभा में हंगामे के बीच 'राष्ट्रीय परिचर्या और प्रसूति विद्या आयोग विधेयक, 2023' पेश किया जिसमें परिचर्या और प्रसूति विद्या पेशेवरों (नर्सिंग एवं मिडवाइफरी) संबंधी शिक्षा एवं सेवा मानकों के विनियमन, संस्थाओं के मूल्यांकन तथा राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय रजिस्टर के रख-रखाव का उपबंध किया गया है। लोकसभा में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने 'राष्ट्रीय परिचर्या और प्रसूति विद्या आयोग विधेयक, 2023' पेश किया।

### जगदीप धनखड़ और डेरेक ओब्रायन के बीच तीखी नोकझोंक

मणिपुर मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहे विपक्षी सदस्यों की पार्टी संबद्धता का उल्लेख नहीं करने को लेकर सभापति जगदीप धनखड़ और टीएमसी के डेरेक ओब्रायन के बीच तीखी नोकझोंक के बाद सोमवार को राज्यसभा की कार्यवाही लगभग एक घंटे के लिए स्थगित कर दी गई। धनखड़ ने नियम 176 के तहत प्राप्त 11 नोटिसों का विवरण देते हुए सांसदों और उनसे संबद्ध राजनीतिक दलों के नाम पढ़े, जिनमें से ज्यादातर राजकोषीय पीठों से थे, जिसमें राजस्थान से लेकर मणिपुर तक के राज्यों में हिंसा पर अल्पकालिक चर्चा की मांग की गई थी।

लेकिन जब उन्होंने विपक्षी दलों के सांसदों से नियम 267 के तहत प्राप्त नोटिस को पढ़ना शुरू किया, जिन्होंने मणिपुर मुद्दे को उठाने के लिए दिन के कामकाज को अलग करने की मांग की, तो उन्होंने पार्टी की संबद्धता का उल्लेख नहीं किया। ओ ब्रायन ने सभापति से उन सांसदों की पार्टियों का भी उल्लेख करने को कहा जिन्होंने नियम 267 के तहत नोटिस दिया था, जैसा कि उन्होंने नियम 176 के तहत नोटिस देने वाले सांसदों के लिए किया था। धनखड़ ने ओ ब्रायन से अपनी सीट लेने के लिए कहा लेकिन टीएमसी नेता नरम मूड में नहीं थे। धनखड़ ने कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित करने से पहले टिप्पणी की, आप सभापति को चुनौती दे रहे हैं।

इससे पहले, सूचीबद्ध कागजात पटल पर रखे जाने के तुरंत बाद, धनखड़ ने कहा कि उन्हें नियम 176 के तहत 11 नोटिस मिले हैं और उन्होंने नाम और विषयों को पढ़ना शुरू कर दिया है। धनखड़ ने बताया कि भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी ने पंचायत चुनाव के दौरान पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा पर, भाजपा के सुशील कुमार मोदी ने पटना में भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के दौरान हुए पुलिस लाठी चार्ज पर, भाजपा के लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने तेलंगाना में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार पर, भाजपा के जी वी एल नरसिम्हा राव ने छत्तीसगढ़ में फर्जी जाति प्रमाण को लेकर अनुसूचित जाति व जनजाति के युवाओं के प्रदर्शन पर, भाजपा के हरनाथ सिंह यादव ने छत्तीसगढ़ में महिलाओं की स्थिति से जुड़ी चिंता पर और भाजपा के ही घनश्याम तिवाड़ी ने राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के मुद्दे पर नोटिस दिए हैं।

### हंगामे के बीच लोकसभा में तीन विधेयक पेश

सरकार ने सोमवार को लोकसभा में 'संविधान अनुसूचित जातियां आदेश संशोधन विधेयक, 2023' पेश किया जिसमें छत्तीसगढ़ में महरा तथ महारा समुदायों को अनुसूचित जातियों की सूची में शामिल करने का प्रस्ताव किया गया है। लोकसभा में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेन्द्र कुमार ने 'संविधान अनुसूचित जातियां आदेश संशोधन विधेयक, 2023' पेश किया।

सरकार ने सोमवार को हंगामे के बीच लोकसभा में 'राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग विधेयक, 2023' पेश किया जिसमें दंत चिकित्सा व्यवसाय को विनियमित करने तथा गुणवत्तापूर्ण एवं वहनीय दंत चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने का उपबंध किया गया है। लोकसभा में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने 'राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग विधेयक, 2023' पेश किया।

सरकार ने सोमवार को लोकसभा में हंगामे के बीच 'राष्ट्रीय परिचर्या और प्रसूति विद्या आयोग विधेयक, 2023' पेश किया जिसमें परिचर्या और प्रसूति विद्या पेशेवरों (नर्सिंग एवं मिडवाइफरी) संबंधी शिक्षा एवं सेवा मानकों के विनियमन, संस्थाओं के मूल्यांकन तथा राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय रजिस्टर के रख-रखाव का उपबंध किया गया है। लोकसभा में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने 'राष्ट्रीय परिचर्या और प्रसूति विद्या आयोग विधेयक, 2023' पेश किया।

### 'इंडिया' के घटक दलों ने संसद परिसर में किया प्रदर्शन

# मणिपुर मामले में पीएम को पहले संसद में देना चाहिए बयानः खड़गे

**नईदिल्ली।** विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दलों ने मणिपुर के मुद्दे पर प्रधानमंत्री के बयान की मांग को लेकर सोमवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। विपक्ष के सांसदों ने हाथों में एक बड़ा बैनर ले रखा था जिस पर लिखा था कि इंडिया डिमांड्स पीएम स्टेटमेंट इन बोथ हाउसेज। उन्होंने प्रधानमंत्री सदन में आओ के नारे भी लगाए।

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी, मणिकम टैगोर और कुछ अन्य विपक्षी सांसदों ने मणिपुर के मामले पर संसद के दोनों सदनों में प्रधानमंत्री मोदी के बयान और चर्चा की मांग करते हुए सोमवार को भी कार्यस्थगन के नोटिस दिए। मनीष तिवारी ने कहा, प्रधानमंत्री को संसद के दोनों सदनों में एक व्यापक वक्तव्य देना चाहिए। उन्हें लोकसभा और राज्यसभा में प्रासंगिक स्थगन नियमों के तहत चर्चा का पालन करना चाहिए। हमारे प्रदर्शन की यही मांग है।

राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, हम भी चर्चा के लिए तैयार हैं। प्रधानमंत्री इस मामले पर अपनी बात रखें। अगर 140 करोड़ का नेता बाहर प्रेस से बात करता है और 140 करोड़ जनता के प्रतिनिधी अंदर बैठे हैं, तो आप(प्रधानमंत्री) पहले अंदर अपना बयान दीजिए। उसके बाद हम एक निर्णय लेंगे। मालूम हो विपक्षी सांसदों के इस प्रदर्शन में कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, जनता दल (यूनाइटेड) के राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, द्रमुक के टी आर बालू, आम आदमी पार्टी के संजय सिंह, राष्ट्रीय जनता दल के मनोज झा और अन्य पार्टियों के सांसद शामिल हुए।

मणिपुर के वायरल वीडियो पर सांसद सुप्रिया सुले (शरद पवार गुट) ने कहा, यह मामला राज्यों का नहीं महिलाओं का है। ऐसी घटना किसी भी राज्य में हो तो गलत है। वहीं तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी ने प्रदर्शन में हिस्सा लेते हुए कहा,

हमने जो वीडियो और तस्वीरें (मणिपुर की स्थिति पर) देखी हैं वे बेहद परेशान करने वाली हैं। पीएम संसद में चर्चा नहीं चाहते। रकार ध्यान भटका रही है।

### संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने विपक्ष पर चर्चा से भागने का लगाया आरोप

मणिपुर मामले पर संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, मणिपुर वायरल वीडियो मामले पर पूरा देश पीड़ा व्यक्त कर रहा है। हम हाथ जोड़ कर कह रहे हैं कि विपक्ष इस विषय पर चर्चा करें और हम इससे कुछ निष्कर्ष निकालेंगे। हम ये नहीं समझ पा रहे हैं कि विपक्षी पार्टियां चर्चा से क्यों भाग रही हैं। उनकी क्या सोच है, ये समझ नहीं आ रहा है। हम आज भी मांग करते हैं कि आप इस पर चर्चा कीजिए। ये बहुत संवेदनशील मामला है।

मणिपुर मामले को लेकर एक ओर जहां विपक्षी पार्टियां सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही हैं, तो दूसरी ओर राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अत्याचार और अपराध के खिलाफ बीजेपी ने भी जमकर प्रदर्शन किया। बीजेपी सांसद रवि किशन ने कहा, हम राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत के इस्तीफे की मांग करते हैं। दलितों (महिलाओं) पर अत्याचार को रोकने की जरूरत है। अत्याचार काफी बढ़ गए हैं और इसलिए हम यहां संसद परिसर में गांधी प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

खेल
प्रमुख समाचार

## ऑस्ट्रेलिया के पास ही रहेगी एशेज सीरीज की ट्रॉफी

**मैनचेस्टर।** इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रही एशेज सीरीज का चौथ टेस्ट मैच बारिश की भेंट चढ़ गया। मैनचेस्टर टेस्ट के पांचवें और आखिरी दिन के खेल में एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी और मैच को ड्रॉ घोषित करना पड़ा, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने एशेज ट्रॉफी को रिटेन कर लिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पांच मैचों की एशेज सिरीज में 2-1 की अजेय बढ़त बना ली और पूरे मैच में आगे रहने वाली इंग्लैंड की टीम को अपने घर पर एशेज सीरीज गवांनी पड़ी। साल 2005 के बाद यह संभवतः सबसे रोमांचक और करीबी एशेज सीरीज है। पहले दो मैच गंवाने के बाद बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली इंग्लैंड ने हेडिंग्ले में तीसरा टेस्ट मैच जीतकर सीरीज में वापसी की थी और उसके पास मजबूत स्थिति में होने के बाद चौथा टेस्ट जीतने का भी मौका था। अगर इंग्लैंड यह टेस्ट जीत जाता तो विजेता का फैसला 27 जुलाई से लंदन के द ओवल में होने वाले पांचवें टेस्ट मैच में होता, लेकिन बारिश की वजह से इंग्लैंड के 8 साल के बाद एशेज सीरीज जीतने के अरमानों पर पानी फेर दिया। ऐसे में सीरीज का अंतिम टेस्ट काफी रोमांचक होने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया जहां उस टेस्ट में इंग्लैंड में 22 साल में पहली सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगा तो वहीं मेजबान टीम की नजरें सीरीज 2-2 से बराबर करके बेन स्टोक्स की अगुआई में अजेय क्रम जारी रखने पर टिकी होंगी।

ऑस्ट्रेलिया पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे हैं। ऐसे में अगर पांचवां टेस्ट इंग्लैंड जीत भी जाता है, तब भी एशेज ट्रॉफी ऑस्ट्रेलिया के पास ही रहेगी क्योंकि सीरीज ड्रा रहने पर ट्रॉफी उसे पहले जीतने वाली टीम के पास ही रहती है। बता दें कि इंग्लैंड ने अंतिम बार एशेज ट्राफी 2015 में जीती थी। 2017 - ऑस्ट्रेलिया ने एशेज जीती। 2019 - ऑस्ट्रेलिया ने एशेज बरकरार रखी। 2021 - ऑस्ट्रेलिया ने एशेज जीती। 2023 - ऑस्ट्रेलिया ने एशेज बरकरार रखी।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान प्रमुख समाचार

## सेंसेक्स 299 अंक लुढ़का निफ्टी 19,700 के नीचे

**नईदिल्ली।** वैश्विक बाजारों से मिले मिश्रित रुझानों और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के तिमाही नतीजे बाजार की उम्मीद के मुताबिक नहीं रहने के चलते सप्ताह के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को घरेलू बाजारों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। शुरुआती कारोबार में फ्रंटलाइन सूचकांकों सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। गिरावट का यह सिलसिला कारोबार के अंतिम घंटो तक जारी रहा और शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुए। आज के कारोबार में सेंसेक्स लगभग 300 अंक कमजोर हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 73 अंकों की गिरावट दर्ज की गई। विदेशी कोषों की निकासी और कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से भी बाजार की धारणा प्रभावित हुई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 299.48 अंक यानी 0.45 फीसदी की गिरावट के साथ 66,384.78 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 66,808.56 की ऊंचाई तक गया।

## भारत लॉन्च करेगा सिंगापुर की 7 सैटेलाइट

**नईदिल्ली।** भारत, सिंगापुर के डीएस-एसएआर उपग्रह और छह अन्य उपग्रहों को पीएसएलवी-सी56 के जरिए 30 जुलाई को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित करेगा। अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि उपग्रहों को श्रीहरिकोटा केंद्र के पहले लॉन्च पैड से सुबह साढ़े छह बजे प्रक्षेपित किया जाएगा। डीएस-एसएआर उपग्रह को सिंगापुर की रक्षा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एजेंसी और सिंगापुर के ही एसटी इंजीनियरिंग के बीच साझेदारी के तहत विकसित किया गया है। इसरो ने सोमवार को ट्वीट किया कि अंतरिक्ष विभाग के तहत केंद्र सरकार के उपक्रम 'न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड' (एनसिल) ने सिंगापुर के डीएसटीए एवं एसटी इंजीनियरिंग के 360 किलोग्राम वजनी डीएस-एसएआर उपग्रह को अंतरिक्ष में स्थापित करने के लिए पीएसएलवी-सी56 खरीदा।

## केनरा बैंक का 75 फीसदी बढ़ा मुनाफा, एनपीए में आई गिरावट

**नईदिल्ली।** सरकारी स्वामित्व वाले केनरा बैंक ने सोमवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 75 प्रतिशत बढ़कर 3,535 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने बताया कि फंसे हुए कर्ज में गिरावट और ब्याज आय में वृद्धि से उसे मदद मिली। बेंगलूरु स्थित कर्जदाता ने एक साल पहले की अवधि में 2,022 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। केनरा बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि 2023-24 की पहली तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 29,828 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 23,352 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन अवधि में बैंक की ब्याज आय सालाना आधार पर 18,177 करोड़ रुपये से बढ़कर 25,004 करोड़ रुपये हो गई। जून तिमाही के अंत में सकल एनपीए (गैर-निष्पादित संपत्ति) घटकर 5.15 प्रतिशत रह गया, जो एक साल पहले 6.98 प्रतिशत था। इसी तरह शुद्ध एनपीए 2.48 प्रतिशत से घटकर 1.57 प्रतिशत रह गया।

## पीएफ खााताधारकों को जल्द मिलेगा 8.15 प्रतिशत ब्याज

**नईदिल्ली।** सरकार ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि योजना के तहत जमा पर 8.15 प्रतिशत ब्याज दर की पुष्टि की है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने 28 मार्च 2023 को 2022-23 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर 8.15 प्रतिशत की दर से ब्याज देने का फैसला किया था। इस तरह ईपीएफओ ने अपने छह करोड़ से अधिक सदस्यों के लिए ब्याज में मामूली बढ़ोतरी की, जो इससे पहले 8.10 प्रतिशत थी। सोमवार को जारी एक आधिकारिक आदेश के अनुसार ईपीएफओ ने अपने क्षेत्रीय कार्यालयों को 2022-23 के लिए ईपीएफ पर 8.15 प्रतिशत की दर से ब्याज सदस्यों के खातों में जमा करने के लिए कहा है। यह आदेश ब्याज दर पर वित्त मंत्रालय की सहमति के बाद आया। अब ईपीएफओ के क्षेत्रीय कार्यालय ग्राहकों के खाते में ब्याज डालेंगे।

# तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, टिकाऊ वृद्धि पर केंद्रित है केंद्रीय बैंक का ध्यान

**पी. चिदंबरम**

भारतीय रिजर्व बैंक का काम कीमतों की स्थिरता बनाए रखना है। लेकिन दुनिया के अन्य केंद्रीय बैंकों की तरह इसने भी अपना ध्यान अर्थव्यवस्था की टिकाऊ वृद्धि दर पर केंद्रित कर लिया है। ऐसे में, रिजर्व बैंक द्वारा अर्थव्यवस्था के विकास के लिए योजना बनाना मददगार साबित होता है- यह वह काम है, जिस पर सरकारें प्रायः उदासीन रहती हैं, क्योंकि उनकी निगाहें सिर्फ राजनीतिक हित पर होती हैं।

फिलहाल जितनी भी सूचनाएं उपलब्ध हैं, वे वैश्विक और भारतीय अर्थव्यवस्था की धीमी रफ्तार के बारे में बताती हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति पर रिजर्व बैंक के बुलेटिन में जो लेख (जुलाई, 2023) छपा है, उसमें वैश्विक अर्थव्यवस्था के बारे में बताते हुए यह रेखांकित किया गया है, वैश्विक विकास की रफ्तार, खासकर मैन्यूफैक्चरिंग और निवेश के मामले में, रुकती प्रतीत होती है। विश्व व्यापार में भी खासकर आपूर्ति श्रृंखला के मोर्चे पर आक्रामक औद्योगिक और व्यापार नीति के जरिये इसका अप्रत्यक्ष असर दिख रहा है। एक बार फिर वैश्विक अर्थव्यवस्था के घटक अलग-अलग रास्तों पर हैं।

बुलेटिन में भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रगति और उपलब्धियों के बारे में बताया गया है, जैसे- उन्नत ढांचागत विकास, डिजिटलीकरण, सौर ऊर्जा उत्पादन की बढ़ी क्षमता, सेवा क्षेत्र के उत्पादों का निर्यात, जनसांख्यिकी का लाभ, ऊर्जा से भरा इक्विटी बाजार आदि। इनमें से कुछ दावे सही हैं। बुलेटिन में आर्थिक गतिविधियों में क्रमिक आधुनिकीकरण, ऊंची बेरोजगारी दर, मनरेगा के तहत किए जाने वाले काम की थोड़ी बढ़ी मांग, मैन्यूफैक्चरिंग उत्पादों के निर्यात में

कमी, राजस्व व्यय में कमी, कुल कर संग्रह में कमी, सीपीआई यानी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (और खाद्य मुद्रास्फीति) में वृद्धि, घरेलू और कॉरपोरेट बांड्स की प्राप्ति में मुश्किलें और मुद्रास्फीति के विरुद्ध न खत्म होने वाली मुहिम को रेखांकित किया गया है।

सकारात्मक और नकारात्मक चीजें हमेशा ही होती हैं। अर्थव्यवस्था की मिली-जुली तस्वीर के बावजूद भारत ने वर्ष 2004 से 2009 तक पांच वर्षों के बीच 8.5 फीसदी की, और 2004 से 2014-यानी दस साल तक 7.5 प्रतिशत की औसत वृद्धि दर हासिल की थी। इसके विपरीत, वर्ष 2014 से 2023 के बीच नौ साल में भारतीय अर्थव्यवस्था की औसत वृद्धि दर 5.7 प्रतिशत ही रही।

हमारी अर्थव्यवस्था की औसत वृद्धि दर कम क्यों हो गई? दरअसल उदारीकरण के शुरुआती दिनों और बाजार केंद्रित नीतियों के दौरान वृद्धि दर को रफ्तार मिली। गैर पारंपरिक मौद्रिक नीतियों के, जिन्हें अमेरिका और यूरोप ने वैश्विक वित्तीय संकट और महामारी के असर को कम करने के लिए अपनाया था, लाभ भारत जैसे विकासशील देशों तक पहुंच गए। सामान्य दिनों में हालांकि ढांचागत कमियों और उपायों को दूर करने की तरफ ध्यान दिया जाता, ताकि उच्च वृद्धि दर प्राप्त की जा सके। मेरे विचार से, मौजूदा सरकार ने अर्थव्यवस्था की कुछ मूलभूत कमजोरियों की अनदेखी की है। इससे जुड़े कारण ये हैं- अपने यहां कामकाजी लोगों (15 वर्ष से अधिक) की आबादी कुल जनसंख्या का 61 फीसदी यानी 84 करोड़ आंकी गई है। वर्ष 2036 के बाद कामकाजी आबादी की यह संख्या कम होने वाली है। यानी बहुचर्चित जनसंख्या लाभांश की उम्र ज्यादा नहीं है। अपने यहां श्रम भागीदारी दर ( एलपीआर) का आंकड़ा भी डरावना है। पिछले महीने यह दर गिरकर 40 प्रतिशत से कम रह गई ( जबकि चीन में यह दर 67 फीसदी है)। महिला श्रम भागीदारी दर का आंकड़ा तो और भी दयनीय-मात्र 32.8 प्रतिशत है। शेष 60 फीसदी कामकाजी आबादी (पुरुष और स्त्री, दोनों) तथा 67.2 प्रतिशत महिलाएं काम क्यों नहीं करतीं या रोजगार की तलाश क्यों नहीं करतीं? अब 8.5 प्रतिशत की बेरोजगारी दर को एलपीआर से जोड़ें। इससे आपको पता चल जाएगा कि कितनी बड़ी संख्या में मानवीय संसाधनों का इस्तेमाल ही नहीं हो पा रहा है।

# छोटे दलों के सहारे बड़ी राजनीति की रणनीति

**राज कुमार सिंह**

अगले लोकसभा चुनाव के लिए सत्तापक्ष और विपक्ष द्वारा बनाये गये गठबंधन विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की राजनीति की सीमाओं को भी उजागर कर देते हैं। क्रमशः दिल्ली और बेंगलुरु में शक्ति प्रदर्शन करते हुए बनाये गये ये गठबंधन दरअसल हमारे बदलते राजनीतिक चरित्र का ही परिचायक है। घटक दलों की संख्या शक्ति का पैमाना मान लें, तो सत्तारूढ़ भाजपा आगे दिखती है, जो एनडीए के कुनबे को उसके रजत जयंती वर्ष में 38 तक पहुंचाने में सफल रही है। पुराने सहयोगी शिरोमणि अकाली दल और तेलुगू देशम को मनाने में सफलता मिली, तो संख्या 40 हो जायेगी। बिहार में मुकेश सहनी की वीआईपी तथा उत्तर प्रदेश में महान दल से बातचीत सिरे चढ़ गयी, तो कुनबा 42 तक पहुंच जायेगा। वैसे पिछले महीने पटना में जुटे 17 दलों की संख्या को बेंगलुरु में 26 तक पहुंचाना, वह भी एनसीपी तथा बिहार में सत्तारूढ़ महागठबंधन में सेंधमारी के साये में, विपक्ष की भी कम बड़ी उपलब्धि नहीं। राज्य-दर-राज्य राजनीतिक हितों और अहं के अंतर्विरोधों के बीच विपक्ष न सिर्फ अपना कुनबा बढ़ाने में, बल्कि गठबंधन का नामकरण करने में भी सफल रहा। इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस या 'इंडिया' बनाना, नारों और जुमलों के वर्तमान राजनीतिक दौर में एक बड़ा दांव हैं। इन दोनों गठबंधनों के मंच पर जुटे 64 राजनीतिक दलों का आंकड़ा हमारे बहुदलीय लोकतंत्र के दलदल की ओर भी इशारा करता है। लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के गठन या उनकी संख्या पर कोई अंकुश नहीं है, पर यह अपेक्षा तो स्वाभाविक है कि उनका गठन किसी विशिष्ट विचारधारा के आधार पर किया जाए, जिसके पास जनाधार भी हो। इस सच से कैसे मुंह चुराया जा सकता है कि दोनों ही गठबंधनों में शामिल 34 दल ऐसे हैं, जिनका एक भी सांसद नहीं है। चार दल ऐसे हैं, जिनका प्रतिनिधित्व सिर्फ राज्यसभा तक सीमित है। एनडीए में ऐसे दलों की संख्या 24 है, जिनका लोकसभा में कोई सांसद नहीं। 'इंडिया' में ऐसे 10 दल शामिल हैं, जिनका कोई सांसद नहीं। हालांकि, इसका यह अर्थ निकालना न्यायसंगत नहीं होगा कि इनका कोई जनाधार नहीं है। सत्ता के बड़े खिलाड़ी नासमझ नहीं हैं। वे अच्छी तरह जानते हैं कि जाति या समुदाय विशेष का प्रतिनिधित्व करनेवाले इन दलों के पास खुद जीतने लायक वोट प्रतिशत भले ही न हो, पर इनका 2-4 प्रतिशत वोट बाजी पलटने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। यही कारण है कि छोटे दलों के नेताओं की भी बड़ी मान-मनौव्वल की गयी। जो दल अभी तक किसी गठबंधन में नहीं हैं, उन्हें येन-केन-प्रकारेण मनाने का उपक्रम चुनाव तक चलता रहेगा। अब घटक दलों संख्या से आगे राजनीति-रणनीति की बात करते हैं। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने तीन दशक लंबे अंतराल के बाद जिस तरह अकेले दम पर बहुमत हासिल कर दिखाया, उसके बाद विपक्ष में यह अहसास लगातार गहरा होता गया कि व्यापक विपक्षी एकता बिना मोदी की भाजपा का मुकाबला मुमकिन नहीं। फिर भी एकता को सिरे चढ़ने में नौ साल लग गये, क्योंकि क्षत्रपों के बीच महत्वाकांक्षाओं का तीव्र टकराव है। बेंगलुरु में मंच पर लगा 'यूनाइटेड वी स्टैंड' का बैनर उनकी सीमाओं की स्वीकारोक्ति ही था। नहीं तो आम आदमी पार्टी बना कर कांग्रेस-भाजपा समेत परंपरागत राजनीति का ही विकल्प बनने चले अरविंद केजरीवाल उन्हीं नेताओं के इर्द-गिर्द नजर नहीं आते, जिन्हें वह कभी भ्रष्ट बताते नहीं थकते थे। कड़वा सच यह भी है कि ज्यादातर क्षेत्रीय दल परिवारवाद की जमीन पर ही खड़े हैं, पर यह विडंबना दोनों ही ओर है। दामन पर भ्रष्टाचार के दाग का कटु सत्य भी यही है। परहेज किसी को नहीं है। सुविधानुसार तर्क गढ़ लिये जाते हैं। अलबत्ता, मोदी की लोकप्रियता की लहर पर सवार भाजपा को गठबंधन की गंभीर जरूरत पहली बार महसूस हुई है। इसी सत्य के आईने में देश की भावी राजनीति चलेगी।

# नीतीश की खिचड़ी और कांग्रेस

**उमेश चतुर्वेदी**

बेंगलुरु में विपक्षी जुटान देख मोदी और बीजेपी विरोधी खेमे का उत्साह बढ़ना स्वाभाविक है। मोदी विरोधी राजनीति और मीडिया के हलके में उत्साह का यह प्याला लबालब छलक रहा है। लेकिन क्या इस जुटान ने सचमुच मोदी विरोधियों को उत्साहित होने का मौका दे दिया है? क्या बेंगलुरु की जुटान ने सचमुच देश को यह संदेश दिया है कि एनडीए को धूल चटाने के लिए इंडिया भरोसामंद औजार साबित होगा? लेकिन इस जुटान में अभी से ही जिस तरह का बिखराव दिखने लगा है, उससे लगता नहीं कि चुनाव आते-आते तक यह खेमा मजबूती के साथ केंद्र की मौजूदा सरकार को चुनावी मैदान में चुनौती दे पाएगा।

इसमें दो राय नहीं है कि विपक्षी खेमे की इस जुटान और उसके जरिए मोदी और बीजेपी को घेरने की बुनियाद नीतीश कुमार ने रखी है। पिछले ग्यारह महीनों से वे लगातार इस दिशा में काम कर रहे हैं। उनकी ही पहल पर पहली बैठक पटना में हुई। जिसकी तारीख पहले टली और आखिरकार जून महीने के आखिर में हुई। इस बैठक में शामिल होने को लेकर जिस तरह कांग्रेस ने रुख दिखाया, नीतीश कुमार और उनके रणनीतिकारों को चेत जाना चाहिए था। चाहे नीतीश हों या लालू या फिर अखिलेश, समाजवादियों की राजनीति की जिस वैचारिक खेमेबंदी पर टिकी है, उसकी बुनियाद में कांग्रेस विरोध ही है। लालू यादव इसके अपवाद हैं। क्योंकि पिछली सदी के नब्बे के दशक में जनता दल से अलग होकर उन्होंने जब अपनी अलग पार्टी बनाई, कमोबेश तब से वे कांग्रेस के साथी हैं। कभी वे कांग्रेस के रहमोकरम पर होते हैं तो कभी बिहार में कांग्रेस उनके रहमोकरम का मोहताज होती रही है। इसलिए यह माना जा सकता है कि लालू और उनके बेटे तेजस्वी का कांग्रेस की गुगली का अंदाज रहा होगा। लेकिन नीतीश कांग्रेस की इस गुगली को क्यों नहीं भांप पाए? हैरत की बात यही है। पहले पटना के जुटान में कांग्रेस ने जिस तरह शामिल होने को लेकर हीलाहवाली की, उससे उपजे संदेश के एक-एक अक्षर को राजनीतिक समीक्षक समझ रहे थे। उन्हें पता था कि कांग्रेस विपक्षी जुटान में जाकर अपने से छोटे दलों की परिक्रमा करती नजर नहीं आना चाहती। विपक्षी जुटान में वह खुद को ग्रहमंडल के सूर्य की तरह केंद्र में रखना चाहती है और उसकी चाहत बाकी दलों को उसके इर्द-गिर्द ग्रहों की तरह परिक्रमाशील बनाने की है। बेंगलुरु में जिस तरह

खुद को फोकस में रखने में वह कामयाब हुई है, उससे साफ है कि उसने साफ संकेत दे दिया है कि विपक्षी जुटान का वही प्रमुख चेहरा होगी।

इसे भी पढ़ें- सीटों का बँटवारा विपक्षी एकता के लिए अग्नि परीक्षा साबित होगा

विपक्षी खेमों को साथ लाने की जितनी कोशिश नीतीश ने की है, उतनी मौजूदा दौर में किसी ने नहीं की है। इस जुटान में शामिल वामपंथी दलों को छोड़ दें, जिनकी वैचारिक बुनियाद की मजबूरी मोदी विरोध है, उन सब की मजबूरी इस गठबंधन में शामिल होना है। इसलिए सबने नीतीश कुमार के अभियान का साथ दिया। वैसे पटना में बैठक का विचार उस ममता ने दिया था, जो एनडीए में रहते वक्त नीतीश कुमार और उनकी तत्कालीन समता पार्टी को बर्दाश्त नहीं कर पाती थीं। पटना में बैठक के सुझाव के पीछे ममता की मंशा थी कि विपक्षी खेमेबंदी का श्रेय और नेतृत्व कांग्रेस हासिल न कर ले। पहली बैठक के बाद लगने लगा था कि नीतीश और ममता की सोच के हिसाब से ही विपक्षी खेमेबंदी आगे बढ़ रही है। लेकिन बेंगलुरु में कांग्रेस ने पासा पलट दिया। कांग्रेस की अघोषित नंबर वन सोनिया गांधी, कांग्रेस के अघोषित नंबर दो राहुल गांधी, कांग्रेस की अघोषित नंबर तीन प्रियंका वाड्रा और कांग्रेस के घोषित नंबर वन उसके अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की उपस्थिति में कांग्रेस ने पूरा नेतृत्व अपने हाथ में ले लिया।

नीतीश और उनके सलाहकारों को उम्मीद थी कि बेंगलुरु बैठक के बाद उन्हें ठीक वैसे ही विपक्षी खेमेबंदी का संयोजक स्वीकार कर लिया जाएगा, जिस तरह अतीत में उनके नेता जॉर्ज फर्नांडिस को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का संयोजक स्वीकार किया गया था। यहां यह भी ध्यान रखना चाहिए कि तब गैर कांग्रेसी और गैर भाजपा दलों से संपर्क की जिम्मेदारी जॉर्ज निभाते थे। शायद नीतीश ने भी वैसी ही भूमिका सोच रखी थी। वैसे उन्हें लगता था कि जिस तरह उन्होंने मोदी विरोध में अपने सुर तेज किए हैं, उससे विपक्षी खेमा आने वाले दिनों में उन्हें अपना नेता मान लेगा। ऐसा सोचते वक्त वह कांग्रेस को कमजोर आंक गए। नतीजा सामने है, बेंगलुरु में उन्हें संयोजक बनाना तो दूर, उनकी पूछ भी कमजोर हो गई। नीतीश पर निगाह रखने वाले जानते हैं कि वे अपना गुस्सा छिपा नहीं पाते। बेंगलुरु की प्रेस कांफ्रेंस में भाग ना लेना और वहां से चुपचाप पटना के लिए निकल जाना तवज्जो ना मिलने से उपजे नीतीश के क्षोभ की ही कहानी कह रहा है।

वैसे नीतीश को पटना की बैठक के दौरान हुए लालू-राहुल गांधी संवाद को याद कर लेना चाहिए था। लालू की छवि हंसोड़ और मजाकिया की है। उन्होंने तब राहुल से दूल्हा बनने को कहा था। सामान्य रूप से इसे मजाक में लिया गया। लेकिन लालू ने एक तरह से कांग्रेस को संकेत दिया था कि कांग्रेस अगुआई करे। वह उनके साथ हैं। वैसे लालू पर कांग्रेस का गहरा अहसान है। साल 2000 में राबड़ी सरकार को बर्खास्त करके नीतीश को शपथ दिला दी गई थी। लेकिन राज्यसभा में तत्कालीन एनडीए सरकार का बहुमत नहीं था। कांग्रेस अपने रुख से टस से मस नहीं हुई। लिहाजा नीतीश को इस्तीफा देना पड़ा था और लालू की सरकार बहाल हो गई थी। पता नहीं, नीतीश को यह संदर्भ लालू के बयान के वक्त याद रहा या नहीं। लेकिन बेंगलुरु में जिस तरह कांग्रेस ने किया है, उससे साफ है कि कांग्रेस ने लालू के सुझाव को गहराई से समझा। यह सुझाव वैसा ही रहा, जैसा वह चाहती थी।

साल 1998 के बाद से लेकर अब तक नीतीश की पूरी राजनीति कांग्रेस विरोध की बुनियाद पर भाजपा के साथ पली-बढ़ी है। साल 2005 और 2010 के बिहार विधानसभा चुनावों में नीतीश की पार्टी बड़े भाई की भूमिका में रही, लेकिन बाद के दिनों में उसका आधार छीजता चला गया। इसके बावजूद भाजपा ने उन्हें अपनी बारात का दूल्हा बनाए रखा। बीच के कुछ साल अपवाद के कहे जा सकते हैं, जब उन्होंने भाजपा का दामन छोड़ कांग्रेस के हाथ में लालू की लालटेन पकड़ खुद के लिए रोशनी तलाशी। पहली बार जब उन्होंने लालटेन की रोशनी को अपने साथ लिया, तब तक वह रोशनी पीली पड़ने लगी थी। तब लालू को भी अपने राजनीतिक वजूद के लिए नीतीश का साथ जरूरी लगा। चतुर खिलाड़ी की तरह उन्होंने जनता दल यू की तीर को थाम लिया। इसका नतीजा 2015 के चुनावों में दिखा। जो लालू कमजोर हो रहे थे, विराट बनकर उभरे।

अब अगली जुटान मुंबई में होनी है। शरद पवार की जैसी राजनीतिक फितरत रही है, उसमें अब वे भी अपनी तरह से खेल दिखाएंगे। उस खेल में हो सकता है कि अपनी वरिष्ठता का हवाला देते हुए वे खुद को संयोजक बनवा ले जाएं, ताकि भावी सत्ता पर उनकी पकड़ बनी रहे। इसके लिए हो सकता है कि वे गठबंधन के नेतृत्व के लिए राहुल के नाम का प्रस्ताव भी कर दें। इस पूरी प्रक्रिया में सबसे ज्यादा घाटा नीतीश को होनी है। वैसे भी हाल के कुछ वर्षों में जिस तरह की सियासी उछलकूद उन्होंने की है, उससे उनकी साख कमजोर तो हुई ही है। शायद यही वजह है कि कांग्रेस उनकी बजाय खुद को आगे रखने में कामयाब हो गई और उनकी ही वजह से साथ आए विपक्षी दलों को कुछ भी नागवार नहीं लग रहा है। वैसे कांग्रेस की तात्कालिक सियासी सेहत के लिए उसका दांव भले ही अच्छा हो, लेकिन अब ममता भी चेतेंगी, दूसरे छोटे दल भी सचेत होंगे। उनके मन शायद ही मिल पाएं। आखिरकार यह भाजपा के लिए ही मुफीद होगा।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

## दक्षिणामूर्त्युपनिषद् (भाग-2)

**गतांक से आगे...**

पुनः प्र का उच्चारण करके तब वायु बीज य का उच्चारण कर आगे च्छ पद बोले, सबसे बाद में अग्नि की स्त्री अर्थात् स्वाहा पद कहे। इस प्रकार चौबीस अक्षर का यह मनु मन्त्र है। इस प्रकार यह मन्त्र नमो भगवते दक्षिणामूर्तये महां मेधां प्रज्ञां प्रयच्छ स्वाहा बनता है। ध्यान- मैं स्फटिक मणि एवं रजत सदृश शुभ्र वर्ण वाले दक्षिणामूर्ति (भगवान् शिव) की स्तुति करता हूँ, जिनके हाथ में क्रमशः ज्ञान मुद्रा, अमृततत्त्वदायिनीविद्या तथा मोतियों की अक्षमाला है, जो त्रिनेत्र धारी हैं, जिनके उन्नत भाल पर चन्द्रमा का निवास है तथा जिनके कटिभाग पर सर्प लिपटे हुए हैं एवं जो विविध प्रकार के वेष धारण करने वाले हैं। (इस प्रकार की दक्षिणामूर्ति का में ध्यान करता हूँ।

मन्त्र के द्वारा न्यास करें- प्रारम्भ में वेद का आदि अक्षर का उच्चारण करके स्वर के आदि अक्षर को विसर्ग के साथ बोले, पुनः पंचाण अर्थात् दक्षिणामूर्तिः पद का उच्चारण करें। इसके बाद विसर्ग के साथ अंतर इस पद का उच्चारण करे तथा अन्त में तार अर्थात् शब्द का उच्चारण करे। यह नवाक्षरी मनु मंत्र है, (मन्त्र इस प्रकार है- (ध्यान) जो एक हाथ में अभय मुद्रा तथा दो हाथों में परशु एवं हरिण (मृगीमुद्रा), एक हाथ को अपनी जंघा पर रखे हुए जो वट वृक्ष के नीचे विराजे हुए हैं एवं जिन्होंने कटिभाग पर नागराज लिपटा रखा है तथा द्वितीया का चन्द्रमा जिनकी जटाओं में सुशोभित है। दुग्ध के समान गौर वर्ण, त्रिनेत्रधारी तथा शुकादि मुनियों से आवृत भगवान् शंकर का हम ध्यान करते हैं। वे हमारी भावनाओं को शुद्ध करके सद्बुद्धि प्रदान करें। सर्वप्रथम तारं अर्थात का उच्चारण करे, पुनः ब्लूं नमः कहकर माया बीज अर्थात् हो बोले, फिर वाग्बीज ऐं तथा दक्षिणा इस पद का उच्चारण करके, बाद में मूर्तये एवं ज्ञानं देहि पद कहे। उसके बाद अग्नि की स्त्री अर्थात् स्वाहा पद बोले (इस प्रकार ब्लू नमो हीं ऐं दक्षिणामूर्तये ज्ञानं देहि स्वाहा) यह अट्ठारह अक्षर का मनु मन्त्र है, इसका जप करे। सभी मन्त्रों में यह अति गोपनीय मन्त्र है। (ध्यान) भस्म के लेपन से जिसका पूरा शरीर श्वेत हो रहा है, जिन्होंने चन्द्रकला को (मस्तक पर) धारण कर रखा है, जो अपने कर कमलों में रुद्राक्ष माला, वीणा, पुस्तक तथा ज्ञानमुद्रा धारण किये हुए हैं, जो योगियों के पास रहने वाले पट्ट से सुशोभित हैं, जो व्यास पीठ पर विराजित श्रेष्ठ मुनियों द्वारा सेवित प्रसन्न मुद्राधारी, सर्पों से सुशोभित, व्याघ्रचर्मधारी भगवान् दक्षिणामूर्ति हैं, वे भगवान् सदैव हमारी रक्षा करें।

क्रमशः ...

# केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

केंद्रीय राजस्व बोर्ड अधिनियम, 1963 के तहत कार्यरत एक सांविधिक प्राधिकरण है। बोर्ड के अधिकारी अपनी पदेन क्षमता में मंत्रालय के एक प्रभाग के रूप में भी कार्य करते हैं जो प्रत्यक्ष कर लगाने और संग्रह से संबंधित मामलों से संबंधित है।

केंद्रीय राजस्व बोर्ड, विभाग के शीर्ष निकाय के रूप में, करों के प्रशासन के प्रभारी, केंद्रीय राजस्व बोर्ड अधिनियम, 1924 के परिणामस्वरूप अस्तित्व में आया। प्रारंभ में बोर्ड प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों करों का प्रभारी था। हालांकि, जब करों का प्रशासन एक बोर्ड के लिए बहुत अधिक बोझिल हो गया, तो बोर्ड को दो में विभाजित कर दिया गया, अर्थात् केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड और केंद्रीय उत्पाद और सीमा शुल्क बोर्ड 1.1.1964 से प्रभावी। यह विभाजन केंद्रीय राजस्व बोर्ड अधिनियम, 1963 की धारा 3 के तहत दो बोर्डों के गठन द्वारा लाया गया था।

### सीबीडीटी की संरचना और कार्य

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड में एक अध्यक्ष और निम्नलिखित छह सदस्य होते हैं- 1. अध्यक्ष 2. सदस्य (आयकर और राजस्व) 3. सदस्य (कानून) 4. सदस्य (प्रशासन) 5. सदस्य (जांच) 6. सदस्य (टीपीएस और सिस्टम) 7. सदस्य (लेखा परीक्षा और न्यायिक)

### कार्य का आवंटन

1. मामले या मामलों के वर्ग, जिन पर बोर्ड द्वारा संयुक्त रूप से विचार किया जाएगा 1. बोर्ड और केंद्र सरकार के वैधानिक कार्यों के निर्वहन के संबंध में नीति। प्रत्यक्ष करों से संबंधित विभिन्न कानूनों के तहत।

### सामान्य नीति से संबंधित

1. ए आयकर विभाग की स्थापना और संरचना का संगठन। 2. बी. बोर्ड के कार्य के तरीके और प्रक्रियाएं। 3. सी निर्धारणों के निपटान, करों के संग्रहण, कर अपवंचन की रोकथाम एवं पता लगाने तथा कर से बचने के उपाय। 4. डी आयकर विभाग के कर्मियों की सेवा शर्तों और कैरियर की संभावनाओं से संबंधित भर्ती, प्रशिक्षण और अन्य सभी मामले। करों और अन्य संबंधित मामलों के निर्धारण और संग्रह के निपटान के लिए लक्ष्य निर्धारित करना और प्राथमिकताएं तय करना। 4. रुपये से अधिक की कर मांगों को बट्टे खाते में डालना। प्रत्येक मामले में 25 लाख। 5. पुरस्कार और प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान करने के संबंध में नीति। 6. कोई अन्य मामला जिसे अध्यक्ष या बोर्ड का कोई सदस्य, अध्यक्ष के अनुमोदन से, बोर्ड के संयुक्त विचार के लिए संदर्भित कर सकता है। मामले या मामलों के वर्ग जिन पर अध्यक्ष, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड द्वारा विचार किया जाएगा। 1. प्रशासनिक योजना। 2. मुख्य आयकर आयुक्त और आयकर आयुक्त के संवर्ग में अधिकारियों के स्थानांतरण और पोस्टिंग। 3. विदेशी प्रशिक्षण से संबंधित सभी मामले। 4. शिकायत प्रकोष्ठ और निरीक्षण प्रभाग से संबंधित कार्य। 5. सदस्य (कानून) द्वारा अध्यक्ष को संदर्भित प्रत्यक्ष करों से संबंधित कर योजना और कानून से संबंधित सभी मामले। 6. केंद्रीय और क्षेत्रीय प्रत्यक्ष कर सलाहकार समितियों और संसद की सलाहकार समिति से संबंधित सभी मामले। 7. कोई अन्य मामला जिसे अध्यक्ष या बोर्ड का कोई अन्य सदस्य अध्यक्ष को संदर्भित करने के लिए आवश्यक समझे। 8. बोर्ड के कार्य का समन्वय और समग्र पर्यवेक्षण। मामलों के मामले या वर्ग, जिन पर सदस्य (आयकर और राजस्व) द्वारा विचार किया जाएगा।

# भारत-श्रीलंका राजनयिक संबंधों का अमृत वर्ष

**महेंद्र वेद**

मौजूदा जटिल समय में बाइबिल की इस उक्ति का पालन करना बहुत मुश्किल है कि अपने पड़ोसियों के साथ प्रेम करें, खासकर जब पड़ोसियों के साथ अन्य पड़ोसी भी उसी प्रेम, अधिक धन, हथियार और तेल के साथ आपसे प्रतिस्पर्धा करते हों। ऐसे में प्यार को मदद का मूर्त रूप लेना होगा, जिससे फर्क पड़ता है। भारत छोटे पड़ोसी देशों से घिरा हुआ है, जिनमें से कुछ मित्रवत हैं, तो कुछ नहीं और वे सभी अपने-अपने हितों की रक्षा करने को इच्छुक हैं। जबकि चीन उन्हें भारत से दूर करने के लिए गले लगाने को तैयार है। ऐसे में भारत की मदद को सतर्क एवं प्रतिस्पर्धी होना चाहिए, साथ ही, यह देखभाल एवं सहयोग के रूप में दिखना चाहिए। प्रत्येक पड़ोसी के साथ भारत का घनिष्ठ सांस्कृतिक संबंध है, जो आंशिक रूप से भारत की मदद कर सकता है, क्योंकि चीन का उनके साथ वैसा संबंध नहीं है। संक्षेप में यह भारत की पड़ोसी पहले की नीति को निर्धारित करता है।

पिछले हफ्ते श्रीलंकाई राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने आपसी रिश्ते को मजबूत करने के लिए भारत का दौरा किया, जो पिछले साल श्रीलंका को भारी आर्थिक संकट से बाहर निकालने के लिए पिछली सभी समस्याओं, चिढ़ और पूर्वाग्रहों से ऊपर दिखा था। तब भारत ने चार अरब अमेरिकी डॉलर का कर्ज दिया था और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा लगभग तीन अरब डॉलर के राहत पैकेज की सुविधा प्रदान की थी। भारतीय जहाजों ने श्रीलंका की मदद के लिए खाद्य, अन्य जरूरी चीजें और तेल पहुंचाया था, जब उसका

आर्थिक संकट एक राजनीतिक संकट में तब्दील हो गया था और उसे सत्ता परिवर्तन के लिए मजबूर होना पड़ा था। भले ही भारत भी ऐसा चाहता हो, लेकिन उस संकट का नतीजा यह हुआ कि राजपक्षे बंधुओं को सत्ता से हटना पड़ा, जो चीन समर्थक रुख के लिए जाने जाते थे। लेकिन कोई भी देश चीन को दूर नहीं जाने देना चाहता। विक्रमसिंघे ने धैर्यपूर्वक भारत यात्रा की योजना बनाई, जब उसके विदेश मंत्री अली साबरी बीजिंग में थे और राष्ट्रपति स्वयं वहां जाने की योजना बना रहे हैं। इस संक्षिप्त यात्रा का समय और मुद्दा, दोनों का महत्व है। यह श्रीलंकाई राष्ट्रपति के रूप में विक्रमसिंघे की पहली भारत यात्रा थी। इससे पहले छह बार वह श्रीलंका के प्रधानमंत्री के रूप में भारत का दौरा कर चुके हैं।

दोनों देशों ने पशुपालन एवं डेयरी क्षेत्र में संयुक्त इरादे के घोषणापत्र और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग के लिए सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। इसके अलावा श्रीलंका के त्रिंकोमाली जिले में आर्थिक विकास परियोजना के लिए भी सहमति पत्र पर हस्ताक्षर हुए। साथ ही, श्रीलंका में यूपीआई एप की मंजूरी के लिए एनआईपीएल एवं लंका पे के बीच नेटवर्क टू नेटवर्क समझौता और सैमपुर सौर ऊर्जा परियोजना के लिए ऊर्जा परमिट का फैसला किया गया। दोनों देशों के बीच बैठक में कनेक्टिविटी, ऊर्जा और आसान वित्तीय लेन-देन पर जोर दिया गया। दिल्ली की यात्रा से पहले विक्रमसिंघे ने संकेत दिया था कि वह ऐसे लेन-देन के पक्षधर हैं, जिसमें भारतीय रुपये की अधिकता शामिल हो। दोनों देशों ने शुक्रवार को हस्ताक्षर करने से पहले हरेक बिंदु पर व्यापक विचार-विमर्श किया। जापान और पेरिस क्लब के अन्य सदस्यों के साथ भारत आधिकारिक ऋणदाता समिति का भी हिस्सा है, और अभी श्रीलंका के साथ एक ऋण उपचार योजना पर बातचीत कर रहा है। चीन, जापान और भारत श्रीलंका के शीर्ष तीन द्विपक्षीय ऋणदाता हैं।

दिल्ली और कोलंबो संभावित संयुक्त उद्यमों की खोज कर रहे हैं, जिसमें वर्षों से लंबित एक एकीकृत ऊर्जा ग्रिड भी शामिल है। भारत यह भी चाहता है कि निजी क्षेत्र के ज्यादा से ज्यादा निवेशक कुछ बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में भारी निवेश करें, क्योंकि चीन ने बड़े पैमाने पर इस क्षेत्र में प्रवेश किया है। चीन ने हिंद महासागर क्षेत्र में कोलंबो के दक्षिण में जमीन पर कब्जा करके एक बड़ी पोर्ट सिटी का निर्माण किया है। श्रीलंका चाहता है कि वैश्विक निवेश, खासकर पड़ोसी भारत से उस परियोजना में भारी निवेश हो। भारत का अदाणी समूह एक अरब डॉलर के निवेश के साथ कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाओं में लगा हुआ है। इसके अलावा, पिछले साल भुगतान संतुलन की समस्या के मद्देनजर दिवालिया घोषित होने के बाद श्रीलंका अपने विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने के लिए भारत से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करना चाहता है, जो वर्तमान में इसके शीर्ष स्रोत है। कोलंबो स्थित भारतीय सीईओ फोरम को हाल ही में संबोधित करते हुए विक्रमसिंघे ने कहा कि भारतीय मुद्रा जल्द ही श्रीलंका में स्वीकार की जाएगी। यह एक ऐसा कदम है, जो व्यापार और पर्यटन, दोनों को प्रोत्साहित करेगा।

श्रीलंका ने भारतीय कंपनियों से व्यापक निजी निवेश की मांग की है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ मुलाकात में विक्रमसिंघे ने मछुआरों के मुद्दे पर बातचीत की। भारत श्रीलंका के तमिलों के लिए बेहतर और न्यायपूर्ण समझौते का इच्छुक है, जिस पर बातचीत के दौरान चर्चा की गई। भारत इस उम्मीद में रानिल पर निवेश कर रहा है कि वह काम करेंगे, जबकि राजपक्षे ने बाधा उत्पन्न की थी। फिलहाल विक्रमसिंघे की यात्रा इस लिहाज से एक अच्छा संकेत है कि कर्ज में डूबे होने के बावजूद श्रीलंका आर्थिक सुधार के संकेत दे रहा है। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, %हम मानते हैं कि भारत और श्रीलंका के सुरक्षा हित और विकास एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। इसलिए यह जरूरी है कि हम एक-दूसरे की सुरक्षा और संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए मिलकर काम करें। उन्होंने आर्थिक साझेदारी के विजन डॉक्यूमेंट की प्रशंसा की। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच बिजली ग्रिडों को जोड़ने का काम तेज किया जाएगा। यह वर्ष हमारे द्विपक्षीय संबंधों के लिए विशेष महत्व रखता है। हम अपने राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। साथ ही, भारतीय मूल का तमिल समुदाय श्रीलंका में अपने आगमन के 200 वर्ष पूरे कर रहा है। श्रीलंका में चीन की बढ़ती उपस्थिति से भारत चिंतित है कि हिंद महासागर में अपनी स्थिति मजबूत करने की उसकी योजना एक चुनौती बन सकती है।

बापू की दिनचर्या

## शयन (भाग-4)

**गतांक से आगे...**

थुनों के जरिए छनकर और स्वच्छ होकर हवा फेफड़ों में पहुँचती है और वह उतनी गरम होती है, जितनी होनी चाहिए। बापू नारियल की रस्सी की बनी खाट को निवाड़ की खाट की अपेक्षा अधिक उपयोगी मानते। सेवाग्राम में उनके बैठने और सोने का विशेष प्रकार का तख्ता था, जिसके दो भाग थे। एक पर बैठकर वे पैर फैला सकते और दूसरा सोते समय सिरहाने तथा बैठते समय पीठ के सहारे का काम देता। उस सहारे पर एक गादी लगी रहती, जिस पर वे सोते। अफ्रीका के टॉलस्टॉय फार्म में खाट जैसी कोई चीज नहीं थी और उनका तकिया वहाँ भी काठ का होता । वहाँ जेल में तकिये का काम वे पुस्तकों से लेते। पहले वे तीन तकियों का व्यवहार करते। सेवाग्राम में मलेरिया के मच्छरों के प्रकोप के समय बापू साधारण मच्छरदानी का उपयोग करते और रात में मच्छरों से बचने के लिए अपने शरीर, विशेषकर हाथ-पैरों में मिट्टी का तेल लगाते। उन दिनों वहाँ साँप और बिच्छुओं का विशेष उपद्रव था। रात को सोते समय वे अपने पास पौटेशियम परमैंगनेट, इमली का सत्त्व तथा ब्लेड-चिकित्सा की दृष्टि से रखते। उनके बिस्तर के पास पीने का जल तथा पीकदान रहता। बापू का शयन का समय कुछ हँसने-हँसाने का होता। उनका सात्त्विक विनोद प्रायः चलता रहता। महादेव भाई के कथनानुसार हास्य-विनोद ही उनका एकमात्र मित्र था। स्वयं बापू ने भी स्वीकार किया था कि उनमें यदि यह वृत्ति न होती तो उनका जीवित रहना असंभव था। यही बात बापू की अनासक्त निद्रा के संबंध में है। ईश्वर-प्रदत्त इस शक्ति के रहने तक ही वे अपनी कुशल और उसके क्षीण होने पर अपना पतन बताते। बापू के देहावसान से लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व (जून 30, सन् %46) का प्रसंग है। वे बंबई से पुणे जा रहे थे। बीच में रेल की पटरियों पर पत्थर रखने के कारण गाड़ी पटरी से फिसल गई। बापू सो रहे थे। गाड़ी के धक्के से वे जाग गए। उन्होंने पूछा- क्या बात है? और तुरंत वे गहरी नींद में सो गए, मानो कुछ हुआ न हो।

क्रमशः ...

# गृह मंत्री ने संसद में झूठ बोला और देश को गुमराह किया : कांग्रेस

## संसद नहीं चलने के लिए सरकार को जिम्मेदार बताया

**नई दिल्ली।** कांग्रेस ने सोमवार को गृह मंत्री अमित शाह पर संसद में मणिपुर हिंसा के विषय पर 'झूठ बोलने और देश को गुमराह करने' का आरोप लगाया और कहा कि दोनों सदनों में जारी गतिरोध का कारण यह है कि सरकार विपक्ष की मांग स्वीकार नहीं कर रही है। मुख्य विपक्षी दल ने यह सवाल भी किया कि आखिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मणिपुर के संदर्भ में संसद के भीतर बयान क्यों नहीं दे रहे हैं, उन्हें क्या झिझक है?

कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के अन्य घटक दल मानसून सत्र के पहले दिन से ही मणिपुर के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से संसद में वक्तव्य देने और चर्चा की मांग कर रहे हैं। इस मुद्दे पर हंगामे के कारण संसद के मानसून सत्र के पहले तीन दिन दोनों सदनों की कार्यवाही बार-बार बाधित हुई। मणिपुर के मुद्दे पर संसद में जारी गतिरोध के बीच गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि सरकार इस बेहद संवेदनशील मुद्दे पर चर्चा को तैयार है और विपक्ष से आग्रह है कि वे चर्चा होने दें और सच्चाई सामने आने दें।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, 'हमारी मांग है कि प्रधानमंत्री सदन में आएं और बयान दें। इस बयान पर हम चर्चा करने के लिए तैयार हैं। वह संसद के बाहर बात कर रहे हैं, लेकिन सदन में बयान नहीं दे रहे हैं। यह संसद का अपमान है।' उन्होंने यह भी कहा कि संसद का सत्र चल रहा है, मामला गंभीर है और ऐसे में प्रधानमंत्री को सदन में बयान देना चाहिए।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, 'मानसून सत्र के तीसरे दिन भी संसद की कार्यवाही नहीं हो सकी। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि सरकार 'इंडिया' के दलों की मणिपुर में तीन मई के बाद की स्थिति पर प्रधानमंत्री के विस्तृत बयान की मांग नहीं मान रही है। 'इंडिया' की स्पष्ट मांग है कि पहले प्रधानमंत्री सदन में बयान दें, उसके बाद इसपर चर्चा हो। इंडिया की सभी पार्टियां सिर्फ मणिपुर ही नहीं, वास्तव में पूरे देश के लोगों की भावनाओं को सामने रख रही हैं।'

उन्होंने आरोप लगाया, 'सिर्फ हेडलाइन को मैनेज करने के लिए गृह मंत्री ने आज कहा कि मोदी सरकार संसद में मणिपुर पर चर्चा के लिए तैयार है। वह किसी पर कोई विशेष उपकार नहीं कर रहे हैं।' रमेश ने कहा, '' यह 'इंडिया' की सभी पार्टियों की पूरी तरह से लोकतांत्रिक और वाजिब मांग है कि पहले मणिपुर की स्थिति पर प्रधानमंत्री सदन में बयान दें। उसके तुरंत बाद ही चर्चा होगी। इस पर गृह मंत्री पूरी तरह से चुप हैं।'' उन्होंने सवाल किया, 'संसद के अंदर प्रधानमंत्री को पहले बयान देने में क्या झिझक है?'

शक्ति सिंह गोहिल ने संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया, 'आज गृह मंत्री ने झूठी बात की है कि सरकार मणिपुर पर चर्चा के लिए तैयार है। आप इस देश के लोगों को गुमराह करने के लिए कितना नीचे गिरेंगे?' उन्होंने कहा, 'हम नियम 267 के तहत चर्चा की मांग कर रहे है। इस नियम के तहत जरूरत हुई तो मतदान भी हो सकता है। सरकार ने इस मांग को खारिज कर दिया। सरकार इतने गंभीर मामले पर छोटी सी चर्चा चाहती है।'

मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाए जाने का वीडियो गत बुधवार, 19 जुलाई को सामने आने के बाद राज्य के पहाड़ी क्षेत्र में तनाव व्याप्त हो गया। अधिकारियों ने बताया कि यह वीडियो चार मई का है। मणिपुर में अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की बहुसंख्यक मेइती समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में तीन मई को 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के आयोजन के बाद राज्य में भड़की जातीय हिंसा में अब तक 160 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

# पीएम के खिलाफ टिप्पणी करने वाले गांधी परिवार से होते हैं पुरस्कृत: स्मृति

**नई दिल्ली।** मणिपुर को लेकर सड़क से संसद तक जबरदस्त तरीके से हंगामा जारी है। पूरे मामले पर राजनीति भी हो रही है। संसद के मानसून सत्र का आज तीसरा दिन भी इस मुद्दे को लेकर हंगामेदार रहा और कामकाज दोनों ही सदनों में बाधित रहा। हालांकि, सरकार का दावा है कि वह मणिपुर को लेकर चर्चा को तैयार है। लेकिन विपक्ष चर्चा चाहता ही नहीं। आज इसको लेकर केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने एक संवाददाता सम्मेलन किया। इस दौरान उन्होंने विपक्षी दलों पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा।

स्मृति ईरानी ने कहा कि गृह मंत्रालय की ओर से मणिपुर की सुरक्षा के संबंध में देश के गृह मंत्री अमित शाह दोनों सदनों में चर्चा के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हम अचंभित हैं कि विपक्ष से मणिपुर पर चर्चा से

भाग रही है। उन्होंने कहा कि सवाल यह उठता है कि विपक्ष मणिपुर से संबंधित घटनाओं पर चर्चा करने के बजाय उस चर्चा से संबंधित मंत्री द्वारा चर्चा से क्यों भाग रहा है? कांग्रेस नेताओं की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की जा रही टिप्पणी को लेकर उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के कई नेता यह सोच रखते हैं कि अगर वह इस तरह से बयान देंगे तो उन्हें एक खास परिवार की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले भी हमने कांग्रेस और उसके नेताओं की ओर से नरेंद्र मोदी को लेकर अलग-अलग तरह के बयान सुन चुके हैं जिसमें मौत के घाट उतारने का भी जिक्र था। इसके साथ ही उन्होंने लाल डायरी का जिक्र करते हुए कहा कि चाहे डायरी का कोई रंग हो, उस डायरी में कांग्रेस के काले कारनामे लिखे हैं। भाजपा सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौर ने कहा कि कांग्रेस (मणिपुर पर) चर्चा नहीं करना चाहती क्योंकि वह जानती है उसका सरकार के जवाब से उनका ड्रामा खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि वे सड़क पर शोर मचाते की उनको चर्चा करनी है और लोकसभा को चलने नहीं देते। लोकसभा स्पीकर ने 12 बजे से चर्चा करने के लिए कहा लेकिन कांग्रेस उसके बाद भी चर्चा से भाग रही है। राजस्थान के बर्खास्त मंत्री और कांग्रेस नेता राजेंद्र गुढ़ा द्वारा लाल डायरी का उल्लेख करने पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि मैं (राजस्थान के मुख्यमंत्री) अशोक गहलोत से पूछना चाहता हूं कि यह लाल डायरी क्या है? इसे लेकर सरकार में बेचैनी क्यों है?

# धर्मांतरण को लेकर हुई मारपीट को जमीन विवाद बता रही है पुलिस

**जगदलपुर।** कोड़ेनार थाना क्षेत्र अंर्तगत पथरैली उड़वा गांव में एक ही परिवार के सदस्य दो अलग-अलग धर्मों को मान रहे हैं। परिवार के कुछ सदस्य इसाई धर्म से जुड़ गए हैं, जिसके बाद हुए विवाद पर रविवार को जमकर मारपीट हुई थी। इस मामले को लेकर पुलिस द्वारा सोमवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार बताया गया कि सामाजिक रीति नीति एवं पूर्व से लंबित जमीन विवाद को लेकर भीमा पोयाम एवं लखमू कश्यप को उनके परिजनों के द्वारा विवाद निपटारा हेतु बैठक में बुलाया गया। बैठक में भीमा पोयाम एवं लखमू कश्यप के नहीं आने से नाराज परिवारजन उनके घर पहुंचकर झगड़ा विवाद करने लगे।

इसी बीच दोनों पक्षों में झगड़ा एवं मारपीट हुई। जिस पर थाना कोड़ेनार में आहतों का मेडिकल मुलाहिजा करवाया गया तथा आरोपीगणों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई है। पुलिस द्वारा जारी विज्ञप्ति से यह प्रतीत होता है कि धर्मांतरण को लेकर हुई मारपीट को पुलिस जमीन विवाद के रूप में पेश कर रही है। जब कि विवाद की फोटो में साफ प्रर्दशित हो रहा है कि जिस घर के लोगों के साथ मारपीट हुई है, उसके मकान में इसाई धर्म का क्रास का चिन्ह दिख रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त मारपीट का कुछ लोगों ने वीडियो बनाया और सोशल मीडिया में वायरल करने से गांव में तनाव की खबर के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जब दोनों पक्षों को थाने लाया तो यहा दोनों पक्षों ने समझौता कर लिया और मार खाने वाले लोगों ने लिखित में थाने में तहरीर दे दी कि वे इस मामले में कार्रवाई नहीं चाहते हैं। समझौते के बाद भी पुलिस ने मारपीट करने वाले दस लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है।

# मप्र की भाजपा सरकार में अपमान के घूंट पी रहे हैं दलित, आदिवासी: खरगे

**नयी दिल्ली।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मध्य प्रदेश के छतरपुर में एक दलित व्यक्ति के साथ कथित दुर्व्यवहार की घटना की निंदा करते हुए सोमवार को आरोप लगाया कि भाजपा शासित इस राज्य में दलितों, आदवासियों और पिछड़े वर्गों को अपमान का घूंट पीना पड़ रहा है। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में एक दलित व्यक्ति ने पिछले दिनों आरोप लगाया कि दूसरी जाति के एक व्यक्ति ने उसके चेहरे और शरीर पर मानव मल लगा दिया, क्योंकि दलित व्यक्ति ने गलती से उसे ग्रीस लगे हाथ से छू लिया था। एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को बताया कि छतरपुर की घटना के संबंध में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से ताल्लुक रखने वाले आरोपी रामकृपाल पटेल के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है।

इस घटना को लेकर खरगे ने ट्वीट किया, '' मध्य प्रदेश में एक महीनें में ही दलित-आदिवासी अत्याचार की दूसरी बेहद निंदनीय व पीड़ादायक वारदात हुई है, जो मानवता को शर्मसार कर देने वाली है। एनसीआरबी -2021 के मुताबिक़, भाजपा शासित मध्य प्रदेश में दलितों के ख़िलाफ़ अपराध दर सबसे ज़्यादा है, आदिवासियों के ख़िलाफ़ सबसे अधिक अपराध हुए है, हर दिन सात से ज़्यादा अपराध हुए।'' उन्होंने दावा किया, ''मध्य प्रदेश के हमारे दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्ग के नागरिक दशकों से भाजपाई कुशासन में अपमान का घूंट पी रहे हैं। भाजपा का सबका साथ , केवल विज्ञापनों में सिमटकर, एक दिखावटी नारा और पीआर स्टंट बनकर रह गया है ! भाजपा, हर दिन बाबासाहेब अंबेडकर जी के सामाजिक न्याय के सपने को चूर-चूर कर रही है।

## संसद में जारी गतिरोध पर कांग्रेस का सवाल

# मणिपुर पर सदन में बयान देने से आखिर क्यों भाग रहे हैं पीएम?

**नईदिल्ली।** मणिपुर को लेकर संसद में सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध जारी रहने के बीच कांग्रेस ने सोमवार (24 जुलाई) को कहा कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान की मांग को स्वीकार करने से सरकार के %लगातार इनकार% के कारण सदन तीसरे दिन भी नहीं चल पाया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि विपक्षी दल केवल मणिपुर और देश के लोगों की भावनाओं को प्रतिबिंबित कर रहे हैं। मणिपुर की स्थिति पर पीएम मोदी के बयान की मांग को लेकर विपक्ष ने संसद में विरोध प्रदर्शन किया, जिसके चलते लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही आज दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।

### हेडलाइन मैनेजमेंट का आरोप

अपने ट्वीट में कांग्रेस नेता जयराम रमेश मे कहा कि सिर्फ हेडलाइन को मैनेज करने के लिए गृह मंत्री ने आज कहा कि मोदी सरकार संसद में मणिपुर पर चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि वह किसी पर कोई विशेष उपकार नहीं कर रहे हैं। यह ढ्ढहृष्ठढ्ढ की सभी पार्टियों की पूरी तरह से लोकतांत्रिक और वाजिब मांग है कि पहले मणिपुर की स्थिति पर प्रधानमंत्री सदन में बयान दें। उसके तुरंत बाद ही चर्चा होगी। इस पर गृह मंत्री पूरी तरह से चुप हैं। संसद के अंदर प्रधानमंत्री को पहले बयान देने में क्या झिझक है?

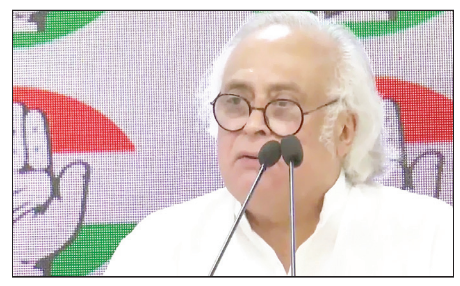

एक और ट्वीट में उन्होंने कहा कि मॉनसून सत्र के तीसरे दिन भी संसद की कार्यवाही नहीं हो सकी। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि सरकार इंडिया दलों की मणिपुर में 3 मई के बाद की स्थिति पर प्रधानमंत्री के विस्तृत बयान की मांग नहीं मान रही है। इंडिया की स्पष्ट मांग है - पहले प्रधानमंत्री सदन में बयान दें, उसके बाद इसपर चर्चा हो। इंडिया की सभी पार्टियां सिर्फ मणिपुर ही नहीं वास्तव में पूरे देश के लोगों की भावनाओं को सामने रख रही हैं। उन्होंने सवाल किया कि प्रधानमंत्री सदन में बयान देने से आखिर क्यों भाग रहे हैं?

# असम परिसीमन प्रक्रिया पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

- **विपक्ष की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को नोटिस**

**नईदिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने असम परिसीमन पर नौ विपक्षी दलों द्वारा दायर याचिका पर सोमवार को केंद्र को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। हालांकि, शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग (ईसी) को परिसीमन प्रक्रिया जारी रखने से रोकने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि हमारा विचार नहीं है कि इस प्रक्रिया पर दोषारोपण करना उचित होगा। इसने असम में लोकसभा और विधानसभा सीटों के लिए परिसीमन प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर भी चुनाव आयोग से जवाब मांगा। असम के 126 विधानसभा क्षेत्रों और 14 लोकसभा क्षेत्रों के परिसीमन के लिए चुनाव आयोग द्वारा हाल ही में एक मसौदा प्रस्ताव पारित किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने असम में चल रहे परिसीमन अभ्यास पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 8 ए की संवैधानिक वैधता की जांच करने पर सहमति व्यक्त की। यह चुनाव आयोग को निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन का कार्य करने का अधिकार देता है। असम में नौ विपक्षी दलों - कांग्रेस, रायजोर दल, असम जातीय परिषद, सीपीआई (एम), सीपीआई, टीएमसी, एनसीपी, राजद और आंचलिक गण मोर्चा का प्रतिनिधित्व करने वाले दस नेताओं ने हाल ही में चल रही परिसीमन प्रक्रिया को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत में एक याचिका दायर की।

याचिकाकर्ताओं ने विशेष रूप से पोल पैनल द्वारा अपनाई गई कार्यप्रणाली को चुनौती दी है और इसके प्रस्तावों को 20 जून, 2023 को अधिसूचित किया गया था। कोर्ट ने कहा कि अगली सुनवाई पांच हफ्ते बाद होगी।

# विनायक होम्स रियल स्टेट का डायरेक्टर गिरफ्तार

**जशपुर।** चिटफंड कंपनी खोलकर सैकड़ों लोगों को दो से तीन गुना रुपये करने के नाम पर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले आरोपित फूलचंद बीसे निवासी इंदौर को छत्तीसगढ़ की जशपुर पुलिस ने उज्जैन से गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपित की कई दिनों से पुलिस को तलाश थी। मूलत- इंदौर निवासी आरोपित कई दिनों से उज्जैन में रह रहा था। आरोपित के दो पुत्रों के नाम पर केस दर्ज हैं।

पुलिस ने बताया कि छत्तीसगढ़ में विनायक होम्स रियल स्टेट नामक कंपनी ने लोगों को कम समय में रुपये दो गुना करने का झांसा देकर करोड़ों रुपये निवेश करवा लिए थे। कंपनी ने रुपये वापस करने की समय सीमा खत्म होने से पूर्व ही अपने कार्यालय बंद कर दिए और लोगों के रुपये नहीं लौटाए।

छत्तीसगढ़ के जशपुर में सिटी कोतवाली थाने में इंदौर के आंबेडकर नगर निवासी फूलचंद बीसे सहित अन्य के खिलाफ करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी का केस दर्ज था। बीसे कई दिनों से फरार चल रहा था। रविवार रात को जशपुर के सिटी कोतवाली थाने के एएसआइ मनोज साहू व टीम ने फूलचंद बीसे को उज्जैन में हामूखेड़ी से गिरफ्तार कर लिया। रातभर उसे नागझिरी थाने पर रखा गया था। सोमवार सुबह पुलिस ने उसे उज्जैन कोर्ट में पेश कर ट्रांजिट रिमांड मांगा और अपने साथ ले आई। बताया जा रहा है कि बीसे सहित उसके दो पुत्र योगेंद्र बीसे व जितेंद्र बीसे के खिलाफ भी छत्तीसगढ़ के कई जिलों में चिटफंड कंपनी के नाम पर धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज हैं।

# सरपंच ने किया शासकीय भूमि पर हुए अवैध कब्जे की शिकायत

- **अपर कलेक्टर ने दिया आश्वासन, जनचौपाल में 60 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए**

**रायपुर।** कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भूरे के मार्गदर्शन में अपर कलेक्टर श्री बी बी पंचभाई ने जनचौपाल में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों से मुलाकात कर उनकी मांगों एवं समस्याओं को संवेदनशीलतापूर्वक सुना। उन्होंने जनचौपाल में प्राप्त आवेदन पत्रों का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनचौपाल में आज 60 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। जनचौपाल में ग्राम पंचायत हसदा के सरपंच श्री शशिप्रकाश साहू ने गांव के शासकीय भूमि पर हुए अवैध कब्जे की शिकायत की। उन्होंने बताया कि गांव के कुछ अन्य व्यक्ति द्वारा कब्जा कर बांध के पानी की निकासी को बन्द कर दिया गया है, जिससे हसदा-हथबंद मार्ग क्षतिग्रस्त हो रहा है। उन्होंने कलेक्टर से कब्जाधारी की निजी जमीन का सीमांकन कर शासकीय भूमि को कब्जा मुक्त कराने का आग्रह किया।

इसी प्रकार रायपुर निवासी राकेश एन्ड्रीव ने अपनी पुत्री सुश्री रशेल एन्ड्रीव के बोर्ड रिजल्ट में नाम सुधरवाने, भाटापारा निवासी रामचरण यादव ने अपने वार्ड में सीसी रोड एवं नाली निर्माण कराने, गोबरानवापारा निवासी लक्ष्मी, नर्मदा और उत्तरा बाई नारंगे ने चिटफंड कंपनी में जमा राशि दिलाने, महामाया मंदिर वार्ड-65 की पार्षद सरिता वर्मा ने वार्ड में पानी टंकी का निर्माण कराने, सामाजिक कार्यकर्ता श्री दीवान ने गांवों की सड़कों पर भारी वाहनों के परिवहन पर रोक लगाने और स्कूलों में मध्यान भोजन के लिए शेड का निर्माण कराने आवेदन दिया।

# बंगाल हिंससा पर कांग्रेस में कन्फ्यूजन, ममता बनर्जी के साथ या खिलाफ!

**नईदिल्ली।** पश्चिम बंगाल राज्य चुनाव आयोग ने 8 जून को ग्रामीण निकाय चुनावों की घोषणा की थी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अगले 37 दिनों में चुनाव संबंधी हिंसा में कम से कम 52 लोग मारे गए। हालाँकि, आधिकारिक संख्या आधे से भी कम है। पश्चिम बंगाल के लिए चुनाव का मतलब व्यापक हिंसा हो चुका है। इस पर वार-पलटवार की राजनीति हो ही रही थी कि पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के एक साप्ताहिक ग्रामीण बाजार में दो आदिवासी महिलाओं को निर्वस्त्र कर पीटते हुए एक वीडियो में देखा गया। इसके बाद राजनीतिर उफान और तेज हो गया। मणिपुर के वायरल वीडियो को लेकर घिरी भाजपा को पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सरकार पर निशाना साधने का एक बड़ा मौका मिल गया।

चुनाव के दौरान बंगाल में हिंसा कोई नई बात नहीं है। साथ ही साथ आपको हमने 1 एपिसोड में यह भी बताया था कि किस तरीके से बंगाल में हिंसा और चुनाव का काफी पुराना संबंध रहा है। 1972-77 के दौरान कांग्रेस ने वामपंथियों पर जमकर हिंसा की। 1977 में जब सत्ता परिवर्तन हुआ तो वामपंथियों ने प्रतिद्वंद्वियों को शांत करने के लिए हिंसा का सहारा लिया। बंगाल में लंबे समय तक शासन करने वाली लेफ्ट को 90 के दशक में ममता बनर्जी से कड़ा विरोध का सामना करना पड़ा। तब फिर से हिंसा की प्रकृति और भयावह हो गई। लोगों की हत्याएं होती रही। 21 वी सदी के शुरुआती दशक में भी बंगाल में हिंसा देखने को मिला। हालांकि, 2011 में पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन हुआ और ममता बनर्जी मुख्यमंत्री बनी तो इस बात की उम्मीद थी कि शायद अब हिंसा रुक जाए। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आज भी राजनीतिक हिंसा पश्चिम बंगाल में जारी है। विधानसभा चुनाव से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया था कि उनकी पार्टी के लगभग 300 कार्यकर्ता पश्चिम बंगाल में मारे गए हैं। हाल में संपन्न 2021 के विधानसभा चुनाव और पंचायत चुनाव को भी

उदाहरण के तौर पर देखें तो हिंसा की खबरें खूब आईं। कई लोगों की मौत की भी खबर आई। हालांकि राज्य सरकार इसको लेकर विपक्षी दलों पर ही वार करती रही।

वर्तमान में देखें तो पश्चिम बंगाल में भाजपा ने खुद को मुख्य प्रतिद्वंदी के तौर पर ममता बनर्जी और उनके सरकार के समक्ष स्थापित कर दिया है। यही कारण है कि भाजपा लगातार तृणमूल कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से हमलावर रहती है। भाजपा दावा करती रहती है कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र खतरे में है। वहां गुंडागर्दी चरम पर है। कानून व्यवस्था खत्म हो चुकी है। भाजपा पश्चिम बंगाल पुलिस पर भी तृणमूल कांग्रेस के एजेंट के तौर पर काम करने का आरोप लगाती है। कई बार तो पश्चिम बंगाल के भाजपा नेताओं की ओर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर पश्चिम बंगाल के मामले में हस्तक्षेप का अनुरोध किया गया।

हाल में संपन्न पंचायत चुनाव को देखें तो कांग्रेस और वामदलों ने भी ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर हिंसा को लेकर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी जमीन पर संघर्ष करते नजर आए। कांग्रेस और लेफ्ट पार्टी के कई कार्यकर्ताओं की भी मौत हुई। अधीर रंजन चौधरी ने तो साफ तौर पर कहा है कि पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था खराब है। महिलाओं पर अत्याचार बढ़ रहे हैं। वामपंथी भी तृणमूल कांग्रेस पर पंचायत चुनाव के दौरान हुई हिंसा को लेकर हमलावर है और साफ तौर पर उनकी संलिप्तता की बात कह रहे हैं।

प्रादेशिक स्तर पर देखें तो लेफ्ट और कांग्रेस तृणमूल की जबरदस्त धूर विरोधी नजर आ रही हैं। लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर मामला दूसरा हो जाता है। राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो हाल के विपक्षी दलों की बैठकों में ममता बनर्जी, सीताराम येचुरी और डी राजा तथा राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे एक साथ नजर आ रहे हैं। तीनों पार्टियों की ओर भाजपा के खिलाफ गठबंधन बनाने की बात पर रजामंदी जताई जा रही है। भले ही पश्चिम बंगाल में कांग्रेस नेता ममता बनर्जी के खिलाफ जमीन पर लड़ाई लड़ रहे हैं। लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के नेता यह कह रहे हैं कि तृणमूल बंगाल में हिंसा भड़काने वालों के साथ खड़ी नहीं है। मोहब्बत की दुकान खोलने का नारा देने वाली कांग्रेस राष्ट्रीय नेतृत्व बंगाल में हिंसा को लेकर खामोश है। इसका बड़ा कारण विपक्षी एकता है।

# बारिश में भीगने के बाद इन 5 पेय पदार्थों का करें सेवन, शरीर को मिलेगी गरमाहट

**मा**नसून के समय बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी बारिश में भीगना पसंद करते हैं, लेकिन इसके कारण खांसी और जुकाम जैसे वायरल संक्रमण के साथ-साथ बैक्टीरियल संक्रमण आसानी से हो जाते हैं। ऐसे में आपको बारिश में भीगने के बाद कुछ ऐसे गर्म पेय पदार्थों का सेवन करना चाहिए, जिनसे इन संक्रमणों से खुद को बचाया जा सके। आइये आज हेल्थ टिप्स में मानसून में पीने के लिए 5 स्वास्थ्यवर्धक पेय पदार्थ जानते हैं।

### मसाला चाय

मानसून के मौसम में चाय का जिक्र न हो, ऐसा हो ही नहीं सकता। हालांकि, बारिश में भीगने के बाद राहत पाने के लिए सामान्य चाय की जगह मसाला चाय का सेवन करें। इसे बनाने के लिए सबसे पहले पानी में चाय पत्ती और चीनी डालकर उबालें, फिर इसमें दूध और चाय का मसाला डालकर अच्छे से दोबारा उबाल लें। चाय का मसाला बनाने के लिए बड़ियां का फूल, दालचीनी, लौंग और इलायची को एक साथ पीस लें।

### मसालेदार कॉफी

कुछ लोग चाय के बजाय कॉफी पसंद करते हैं, लेकिन बारिश में भीगने के बाद मसालेदार कॉफी का विकल्प चुनें। इस गर्म पेय को बनाने के लिए एक लीटर पानी में कॉफी, इलायची पाउडर और अदरक डालकर उबालें। इसके बाद दूध में चीनी डालकर उसे गर्म कर लें और फिर इसे पानी के मिश्रण में डालें। अंत में कॉफी के ऊपर कद्दूकस की हुई चॉकलेट डालकर गरमागरम परोसें।

### गर्म नींबू पानी

नींबू में विटामिन- सी होता है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में मददगार है, साथ ही यह कई स्वास्थ्य और मौसमी समस्याओं से बचाव भी करता है। यह पेय विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने और ऑक्सीडेटिव तनाव के कारण होने वाली सूजन को रोकने में भी सहायक है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक गिलास गर्म पानी में नींबू का रस और थोड़ा-सा शहद मिलाएं, फिर इसका सेवन करें। विटामिन- सी से भरपूर इन पेय पदार्थों का भी सेवन करें।

### अदरक शॉट

अदरक का सेवन समग्र स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। इसमें जिंजरोल नाम का एक यौगिक होता है, जो शरीर को गरमाहट देता है और सर्दी और फ्लू जैसी समस्याओं से बचाता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले 1 इंच अदरक का रस और आधा नींबू का रस निकालकर साथ मिला लें। इसके बाद इसका सेवन करें। आप चाहें तो इसे नींबू के अलावा, शहद, सेब और हल्दी जैसी अन्य सामग्रियों के साथ मिलाकर भी बना सकते हैं।

### हल्दी का दूध

हल्दी के दूध को गोल्डन मिल्क भी कहते है। यह वायरल संक्रमण के इलाज के लिए सदियों से उपचार के रूप में इस्तेमाल हो रहा है। यह पेय एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है, जो प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने, गले को आराम देने और समग्र स्वास्थ्य को बेहतर करने में मददगार होता है। सबसे पहले थोड़ा दूध उबालें और फिर उसमें हल्दी पाउडर, दालचीनी पाउडर, कुटी हुई काली मिर्च, गुड़ डालकर अच्छी तरह मिला लें और गुनगुना पीये।

# जमीन पर कुछ देर बैठने के फायदों को जानने के बाद कुर्सी पर नहीं बैठना चाहेंगे आप

**आ**ज भले ही खाना खाने के लिए लोगों के घरों में डाइनिंग टेबल का ट्रेड चल पड़ा हो लेकिन कुछ साल पहले तक लोग जमीन पर बैठकर खाना खाना पसंद करते थे। क्या आप जानते हैं जमीन पर बैठकर खाना खाना सिर्फ लोगों की पसंद ही नहीं थी बल्कि ऐसा करने से उन्हें सेहत से जुड़े कई लाभ भी मिलते हैं। आइए जानते हैं जमीन पर कुछ देर बैठने से सेहत को मिलते हैं कौन से गजब के फायदे।

## जमीन पर बैठने से सेहत को मिलते हैं कौन से फायदे-

### पोस्चर सुधरे-

जमीन पर कुछ देर बैठने से पोस्चर में सुधार आता है। कुर्सी पर बैठने से जिन लोगों का बॉडी पोश्चर सही नहीं होता, वे अपने आप ही जमीन पर बैठने से सुधरने लगता है। जमीन पर बैठने से कंधे पीछे की तरफ खिंचते हैं जिससे आस-पास की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है।

### शरीर में लचीलापन बढ़ता है-

जमीन पर कुछ देर बैठने से रीढ़ की हड्डी में खिंचाव होता है, जिससे शरीर में लचीलापन बढ़ता है। जबकि लंबे समय तक कुर्सी पर बैठने की वजह से घुटने के पीछे की नसें कठोर हो जाती है और धीरे-धीरे दर्द का कारण बनती हैं।

### पाचन तंत्र रहता है दुरुस्त-

जमीन पर बैठकर खाना खाने से पाचन तंत्र अच्छा बना रहता है। इस तरह भोजन करने से व्यक्ति का खाना आसानी से पच जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि खाना खाते समय व्यक्ति आगे की ओर झुकता है और उसे निगलने के लिए दोबारा पीछे की ओर जाता है। इस आगे-पीछे होने की वजह से पेट की मांसपेशियों पर दबाव पड़ता है और भोजन जल्दी पच जाता है।

### दिमाग के लिए अच्छा-

ऐसा देखा गया है कि सुखासन और पद्मासन जैसी सिटिंग पोजीशन मैडिटेशन के लिए अच्छी होती हैं। इस तरह की पोजीशन में बैठने से स्ट्रेस से आराम मिलने के साथ शरीर में ऑक्सीजन का फ्लो भी बढ़ता है।

### मोबिलिटी में सुधार-

माना जाता है कि जमीन पर बैठने से शरीर के कई हिस्सों जैसे कंधे, कोहनी, कलाई, कुल्हें, घुटने और पैरों के जॉइंट के आस-पास की मांसपेशियों का इस्तेमाल होता है। जिसकी वजह से व्यक्ति की मोबिलिटी में सुधार आता है।

# बारिश में भीगने से बच्चा पड़ सकता है बीमार

### अच्छी सेहत के लिए भीगते ही तुरंत करें ये उपाय

**बा**रिश का मौसम शुरू होते ही चिलचिलाती गर्मी से राहत मिलने के साथ बच्चों के मौज-मस्ती करने का सीजन भी शुरू हो जाता है। हालांकि इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि यह वही मौसम होता है, जब बच्चे बारिश में भीगते हुए मिट्टी और कीचड़ में खेलने की वजह से सबसे ज्यादा बीमार पड़ते हैं। बारिश के मौसम में बच्चे वायरल संक्रमण, सर्दी, बुखार, खांसी जैसी बीमारियों के साथ सीजनल फ्लू की चपेट में भी आसनी से आ जाते हैं। ऐसे में अगर आप अपने बच्चे को मानसून के दौरान बीमार होने से बचाना चाहते हैं तो अपनाएं ये टिप्स।

## बारिश के पानी में भीगते ही तुरंत करें ये उपाय-

### घर आते ही बच्चे को तुरंत नहला दें-

बारिश में भीगने के दौरान छोटे बच्चों को गंदे पानी में खेलना बहुत अच्छा लगता है। लेकिन गंदे पानी में खेलने की वजह से कई बार बच्चों की त्वचा पर फोड़े- फुंसी निकल आते हैं। जिससे बचने के लिए बच्चों को बाहर से आने के तुरंत बाद नहलाना चाहिए। ताकि उनकी त्वचा से जर्म्स साफ हो जाएं।

### एंटी मॉस्किटो लोशन लगाएं-

बारिश की वजह से जगह-जगह पानी भरने से मच्छर की समस्या भी काफी बढ़ जाती हैं। ऐसे में बच्चा जब स्कूल या खेलने के लिए घर से बाहर निकले तो उसे मच्छरों से बचाने के लिए एंटी-मॉस्किटो लोशन जरुर लगाएं।

### स्ट्रीट फूड खाने से मना करें-

बारिश की वजह से जल-भराव होने लगता है। जिसकी वजह से कई बार नालियों का पानी ओवरफ्लो होकर पीने के पानी से मिल जाता है। ऐसा होने की वजह से गैस्ट्रोएंटेराइटिस, हैजा, टाइफाइड और पीलिया जैसी महामारी के केस बढ़ने लगते हैं। ऐसे में बच्चों को इन रोगों से बचाने के लिए उन्हें स्ट्रीट फूड खाने से रोकें।

### मौसम के अनुसार पहनाएं कपड़े-

बारिश के मौसम में होने वाली उमस की वजह से मौसम चिपचिपा बना रहता है। ऐसे में इस मौसम में बच्चों को हमेशा ढीली फिटिंग के कॉटन के कपड़े पहनाएं। ऐसा करने से त्वचा सूखी रहती है।

### एयर कंडीशनर में न रहने दें-

बच्चों को गीले कपड़े पहनकर एयर कंडीशनर के सामने न रहने दें। ऐसा करने से उन्हें ठंड लग सकती है और वो बीमार पड़ सकते हैं।

# वेट लॉस ही नहीं गैस की समस्या भी दूर करता है काला नमक, ये हैं फायदे

**फ्रू**ट सलाद, रायता, शिकंजी को टेस्टी बनाने के लिए तो आपने कई बार काले नमक का इस्तेमाल किया होगा लेकिन क्या आप जानते हैं काला नमक खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ आपको सेहत से जुड़े कई फायदे भी पहुंचाता है। काले नमक में आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्वों के साथ कई एंटीऑक्सीडेंट गुण भी मौजूद होते हैं, जो वेट लॉस के साथ आपके पेट की सेहत को भी दुरुस्त बनाए रखने में मदद करते हैं। आइए जानते हैं काला नमक खाने से सेहत को मिलते हैं क्या गजब के फायदे।

## काला नमक खाने से मिलते हैं ये फायदे-

### एसिडिटी से राहत-

काले नमक का सेवन करने से व्यक्ति को एसिडिटी, गैस और ब्लोटिंग की समस्या से राहत मिलती है। इतना ही नहीं इसका नियमित सेवन लिवर के लिए भी फायदेमंद माना जाता है।

### वेट लॉस-

अपने बढ़े हुए वजन से निजात पाने के लिए भी आप काले नमक की मदद ले सकती हैं। काले नमक में मौजूद एंटी-ओबेसिटी गुण मोटापा कम करने में मदद कर सकते हैं।

### डायबिटीज-

काला नमक डायबिटीज के मरीजों के लिए भी फायदेमंद माना गया है। अक्सर डायबिटीज रोगियों को कम मात्रा में चीनी और नमक लेने की सलाह दी जाती है। काले नमक में सामान्य नमक के मुकाबले कम मात्रा में सोडियम होता है, जो डायबिटीज को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है।

### ब्लडप्रेशर-

काला नमक का सेवन करने से ब्लडप्रेशर को कंट्रोल किया जा सकता है। इसमें मौजूद सोडियम क्लोराइड ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करके शरीर को सेहतमंद बनाए रखने में मदद करता है। इसके अलावा काला नमक में सोडियम की कम मात्रा होती है। अगर इसका सेवन सीमित मात्रा में किया जाए तो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखने में मदद मिलती है।

### मसल्स की ऐंठन करें कम-

काले नमक में मौजूद पोटेशियम मांसपेशियों की ऐंठन को कम करने में मदद करता है। हालांकि डॉक्टर इसका सेवन कम मात्रा में ही करने की सलाह देते हैं।

# गलत समय पर खाने से बढ़ती है चर्बी, जानें क्या है लंच

### डिनर और ब्रेकफास्ट का सही टाइम

**व**जन या पेट की चर्बी कम करना चाहते हैं तो आपको कई चीजों का ध्यान रखना होता है। सिर्फ हेल्दी या कम खाना पर्याप्त नहीं है। आप किस वक्त पर खा रहे हैं, यह बात भी अहमियत रखती है। ब्रिघम ऐंड विमिन्स हेल्थ और हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में एक स्टडी भी देर रात डिनर करने के नुकसान सामने आ चुके हैं। इतना ही नहीं कई फिटनेस एक्सपर्ट्स बताते हैं कि अगर आप वजन कम कर रहे हैं तो डेली खाना एक ही वक्त पर खाएं। यह आपकी सर्केडियन रिदम के लिए अच्छा होता है। अगर आप इस बात पर ध्यान नहीं देते तो भी वेट लॉस के लिए की गई आपकी मेहनत बेकार हो सकती है।

### हो चुकी है स्टडी

कुछ साल पहले हार्वर्ड मेडिकल स्कूल ने 16 ऐसी महिलाओं पर प्रयोग करके देखा जो काफी मोटी थीं। इसमें उनको दो ग्रुप्स में बांटा गया। एक ग्रुप ऐसा था जो पहला मील सुबह दो बजे ले रहा था और आखिरी शाम 5 बजे। दूसरा ग्रुप ऐसा था जो पहला खाना दोपहर में खाता और आखिरी रात 8:30 बजे। दोनों ग्रुप्स को बीच में एक बार और कुछ खाने को दिया जा रहा था। इन दोनों ग्रुप्स को खाने में दी जाने वाली कैलोरीज समान थी और एक्सरसाइज भी एक सी करवाई जा रही थी। बस खाने के टाइम में फर्क था।

### देर से खाने वालों का बढ़ा फैट

एक्सपेरिमेंट में सामने आया कि जो देर से खा रहे थे उन्हें भूख ज्यादा लग रही थी। उनका भूख को कम करने वाला हॉरमोन यानी लेप्टिन कम हो गया और फैट ज्यादा जमा हुआ और फैट भी कम बर्न हो रहा था। इस स्टडी से कन्फर्म हुआ कि देर से खाना खाने से वजन और चर्बी बढ़ते हैं। हालांकि यह छोटी स्टडी थी जिसके सपोर्ट के लिए बड़े शोध की जरूरत है हालांकि इससे एक जनरल आइडिया तो मिलता ही है।

### ब्रेकफास्ट करने का टाइम

वजन कम करने वालों के लिए ब्रेकफास्ट काफी अहम होता है। आपको ज्यादातर फिटनेस एक्सपर्ट्स मानते हैं कि आपको जागने के आधे घंटे के अंदर ब्रेकफास्ट कर लेना चाहिए। सुबह 6 से लेकर 9 बजे तक नाश्ता कर लें। इसमें प्रोटीन की मात्रा ज्यादा रखें। ऐसा करने से शरीर में फैट नहीं जमा होगा। सुबह का नाश्ता करने के बाद अगर आपको भूख लगे तो फल वगैरह खा लें।

### लंच का सही टाइम

हम जो खाते हैं उसे पूरी तरह से पचने में करीब 4 घंटे लगते हैं। आपने 9 बजे नाश्ता किया है तो 1 बजे तक भूख लग आएगी। कितना भी लेट हो आप 3 बजे तक हर हाल में लंच कर लें। जल्दी लंच करना भी वेट लॉस में मदद करता है।

### जल्दी कर लें डिनर

अगर आप 1 बजे लंच कर रहे हैं तो 4 बजे तक कुछ हल्का खा सकते हैं।

# पुरुषों की तुलना में महिलाओं को दिल का दौरा पड़ने का ज्यादा खतरा

यूरोपियन सोसाइटी ऑफ कार्डियोलॉजी (ईएससी) के वैज्ञानिक सम्मेलन हार्ट फेलियर-2023 में प्रस्तुत एक स्टडी से पता चला है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं में दिल का दौरा पड़ने के बाद मृत्यु की संभावना दोगुनी से अधिक होती है। भले ही वे अपने पुरुष समकक्षों के समान समय सीमा के भीतर इलाज प्राप्त करते हैं।

इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में कार्डियोलॉजी और कार्डियो थोरेसिक सर्जरी के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. वरुण बंसल ने आईएएनएस को बताया, यह एक आम गलतफहमी है कि हृदय रोग मुख्य रूप से पुरुषों को प्रभावित करता है। वास्तव में, हृदय रोग दुनियाभर में पुरुषों और महिलाओं दोनों की मृत्यु का प्रमुख कारण है। हालांकि, हृदय रोग के लक्षण लिंग के आधार पर भिन्न हो सकते हैं, जिससे पहचान, निदान और उपचार में अंतर होता है।

कई स्टडीज से पता चला है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अक्सर दिल के दौरे के विभिन्न लक्षणों का अनुभव होता है। पुरुष आम तौर पर दिल के दौरे के अधिक क्लासिक लक्षण प्रदर्शित करते हैं, जैसे सीने में दर्द या बेचैनी, जबकि महिलाओं को असामान्य लक्षण या विभिन्न चेतावनी संकेतों का अनुभव हो सकता है। इनमें सांस लेने में तकलीफ, थकान, मतली, पीठ या जबड़े में दर्द और चक्कर आना शामिल हो सकते हैं।

डॉ. बंसल ने कहा, चूंकि ये लक्षण हमेशा हृदय रोग से जुड़े नहीं होते हैं, इसलिए महिलाएं चिकित्सा सहायता लेने में देरी कर देती हैं, जिससे निदान होने तक बीमारी खतरनाक स्तर तक पहुंच जाती है।

धर्मशिला नारायण सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के वरिष्ठ सलाहकार कार्डियोलॉजी डॉ. प्रदीप कुमार नायक ने कहा, हृदय रोग और स्ट्रोक की बात आने पर महिलाओं और पुरुषों की शारीरिक और हार्मोनल विशेषताओं को पहचानना उनके सामने आने वाले विभिन्न जोखिमों को समझने के लिए आवश्यक है। लक्षणों में असमानता के चलते अल्प निदान और विलंबित उपचार हो सकता है, जिससे परेशानियां बढ़ सकती हैं।अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के जर्नल सर्कुलेशन में प्रकाशित एक अन्य स्टडी से पता चला है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अपने पहले दिल के दौरे के बाद पांच साल के भीतर हार्ट फेल या मृत्यु का जोखिम 20 प्रतिशत बढ़ जाता है।

इसके अलावा, दिल का दौरा पड़ने के समय पुरुषों की तुलना में महिलाओं की उम्र अधिक होने और उनकी मेडिकल हिस्ट्री ज्यादा जटिल होने की संभावना अधिक होती है।डॉ. बंसल ने कहा कि महिलाओं में आमतौर पर मेनोपॉज के बाद हृदय रोग विकसित होने की संभावना होती है, जब एस्ट्रोजन का सुरक्षात्मक प्रभाव कम हो जाता है।उन्होंने कहा, एस्ट्रोजेन का हृदय प्रणाली पर लाभकारी प्रभाव दिखाया गया है, जिसमें स्वस्थ रक्त वाहिका कार्य को बढ़ावा देना और सूजन को कम करना शामिल है। मेनोपॉज के बाद, महिलाओं को अपने शरीर में परिवर्तन और हृदय संबंधी जोखिम में वृद्धि का अनुभव हो सकता है।

पुरुषों और अतीत की तुलना में इस बीमारी में जो फैक्टर्स शामिल हुए हैं, उनमें पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस), गर्भावस्था से संबंधित जटिलताएं जैसे गेस्टेशनल डायबिटीज और प्रीक्लेम्पसिया, सबक्लिनिकल डिप्रेशन, काम और घरेलू जिम्मेदारियों का अतिरिक्त तनाव शामिल हैं।

डॉ. नायक ने कहा, इन मुद्दों के समाधान के लिए, जागरूकता बढ़ाना, शीघ्र बीमारी पता लगाने को बढ़ावा देना और लक्षित रोकथाम रणनीतियों को लागू करना महत्वपूर्ण है, जो विशेष रूप से महिलाओं के लिए तैयार की गई हैं। महिलाओं को अपने हृदय स्वास्थ्य पर नियंत्रण रखने के लिए सशक्त बनाकर, उनके सामने आने वाले जोखिमों को कम करने में महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.

## संक्षिप्त समाचार

### शराब घोटाले मामले में अनवर ढेबर को मिली तीन हफ्ते की अंतरिम जमानत

**बिलासपुर।** शराब घोटाले मामले में पिछले दो महीनों से सलाखों के पीछे बंद अनवर ढेबर के लिए सोमवार को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय से अच्छी खबर निकलकर आई। कारोबारी अनवर ढेबर के मामले में सोमावार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। अनवर ढेबर ने अंतरिम जमानत के लिए अर्जी दाखिल की थी, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया है। कारोबारी अनवर ढेबर को कोर्ट द्वारा मेडिकल ग्राउंड पर राहत मिली है। न्यायालय ने उन्हें जमानत दिए जाने का आदेश जारी किया है। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की माननीय न्यायाधीश दीपक तिवारी की अदालत ने सोमवार को अनवर ढेबर की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें तीन हफ्ते की अंतरित जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए। बता दें कि कारोबारी अनवर ढेबर को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था।

### दीक्षा चौबे को मिलेगा कवि बाबू बालमुकुंद गुप्त बाल साहित्य शिखर सम्मान

**दुर्ग।** छत्तीसगढ़ की जानी-मानी साहित्यकार और शिक्षिका डॉ. दीक्षा चौबे का चयन कवि बाबू बालमुकुंद गुप्त बाल साहित्य शिखर सम्मान के लिए किया गया है। डॉ. दीक्षा चौबे को यह सम्मान 1 अक्टूबर 2023 को सिरसा हरियाणा में प्रदान किया जाएगा। गौरतलब है कि मातेश्वरी विद्यादेवी बाल-साहित्य शोध एवं विकास संस्थान सिरसा (हरियाणा) की ओर से अखिल भारतीय बाल साहित्य सम्मान के लिए प्रविष्टियाँ आमंत्रित की गई थीं। प्राप्त प्रविष्टियों के आधार पर दुर्ग निवासी बाल साहित्यकार डॉ. दीक्षा चौबे का चयन बाल साहित्य लेखन व कुशल संचालन के लिए कवि बालमुकुंद गुप्त बाल साहित्य शिखर सम्मान के लिए किया गया है। इस सम्मान के लिए डॉ. दीक्षा चौबे को चुने जाने पर साहित्यकारों, परिजनों और मित्रगणों में हर्ष व्याप्त है।

### गाय ढूंढने गए ग्रामीण पर भालू ने किया हमला, हालत गंभीर

**बीजापुर।** कुटरू थाना क्षेत्र के छोटे अड्डावल्ली में रविवार रात गाय ढ़ंढने गए एक ग्रामीण पर भालू ने हमला कर दिया। भालू के हमले से ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल ग्रामीण को इलाज के लिए जिला अस्पताल बीजापुर रेफर किया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक, रविवार रात करीब 8.30 छोटे अड्डावल्ली निवासी बुद्धु पोयम (50) अपनी गाय ढूंढ़ने पास के जंगल की तरफ गया हुआ था। इसी बीच भालू ने ग्रामीण बुद्धु पर हमला कर दिया। भालू के हमले से ग्रामीण बुरी तरह से जख्मी हो गया। कुटरू पीएचसी के चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर निखलेश ने बताया कि ग्रामीण बुद्धु को रात में यहां लाया गया था। उन्होंने बताया कि भालू के हमले से बुद्धु के सिर, हाथ व जांघ में गहरी चोट आई है। उसे बेहतर इलाज के लिए यहां से बीजापुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। इधर, बीजापुर अस्पताल में डॉक्टर रात्रे ने बताया कि घायल ग्रामीण को आपातकालीन वार्ड में भर्ती कर उपचार किया जा रहा है।

### मुख्य सचिव ने ली स्वतंत्रता दिवस तैयारियों की बैठक

**रायपुर।** स्वतंत्रता दिवस समारोह की सभी आवश्यक की तैयारियां करने मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक ली। मुख्य सचिव ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से आयोजित इस बैठक में डीजीपी श्री अशोक जुनेजा, गृह विभाग के प्रमुख सचिव श्री मनोज पिंगुआ और सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव श्री डी.डी.सिंह सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

### राशनकार्ड के सभी सदस्यों का ई-केवाईसी 31 जुलाई तक

**रायपुर।** भारत सरकार के निर्देश पर वन नेशन, वन राशन कार्ड योजना के तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के हितग्राहियों का शत-प्रतिशत ई-केवाईसी की कार्रवाई 31 जुलाई 2023 तक किया जाएगा। वन नेशन, वन राशन कार्ड योजना के पूर्ण क्रियान्वयन के लिए राशनकार्ड के सभी सदस्यों के आधार की जानकारी प्रमाणीकृत होना आवश्यक है। राशनकार्ड में हितग्राहियों के आधार की जानकारी गलत दर्ज होने तथा आधार की जानकारी प्रमाणीकृत नहीं होने के कारण खाद्यान्न वितरण में समस्या बनी रहती है। विभागीय डेटाबेस में जिन हितग्राहियों का आधार दर्ज है। उनके आधार की जानकारी का प्रमाणीकरण ई-केवाईसी की कार्रवाई की जा रही है। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में संचालित शासकीय उचित मूल्य के दुकानों को प्रदान किये गये ई-पॉस उपकरण में ई-केवाईसी की सुविधा उपलब्ध है। ई-केवाईसी की कार्रवाई पूर्णतः निःशुल्क है। ई-केवाईसी की कार्रवाई के लिए राशनकार्डधारी मुखिया एवं राशनकार्ड में दर्ज सभी सदस्य अपने-अपने आधार नंबर के साथ शासकीय उचित मूल्य दुकान पहुँचेंगे। जिसके बाद ही विक्रेता द्वारा ई-पॉस उपकरण में प्रत्येक सदस्य के आधार नंबर की पृथक-पृथक प्रविष्टि कर उनका फिंगर प्रिंट स्कैन करवाकर ई-केवाईसी की कार्रवाई पूर्ण किया जाएगा।

# प्रदेश में छोटे-छोटे दलों के साथ चुनाव लड़ सकती है भाजपा

■ **सांसद भी लड़ेंगे विधायकी चुनाव, शाह की बैठक में बनी रणनीति**

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ बीजेपी प्रदेश में छोटे-छोटे क्षेत्रीय दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ सकती है। बीजेपी इन दलों के साथ गठबंधन कर विधानसभा चुनाव 2023 लड़ सकती है। इसके लिए बीजेपी हाईकमान ने प्रदेश में सर्वे तेज कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के रायपु दौरे के दौरान इस पर चर्चा भी हुई है। यदि सब कुछ बीजेपी की नीति-रीति के अनुरूप रहा, तो बीजेपी इस संबंध में जल्द निर्णय ले सकती है। इतना ही नहीं प्रदेश के सांसदों को भी विधानसभा चुनाव लड़ाया जा सकता है। बीजेपी का एक गुट इस पर विचार कर रहा है। यानी विधानसभा और लोकसभा चुनाव में नए चेहरों को मौका दिया जा सकता है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के रायपुर दौरे के दौरान इन सब बातों पर चर्चा की गई है। बता दें कि छत्तीसगढ़ कई ऐसे क्षेत्रीय दल हैं, जो संभाग के अनुसार अपने-अपने क्षेत्रों में अच्छी खासी पकड़ और जनाधार रखते हैं। इनमें सरगुजा संभाग से गोंडवाना गणतंत्र पार्टी और बस्तर संभाग से अरविंद नेताम की पार्टी अच्छा खासा प्रभाव रखती है। भले ही ये दल छत्तीसगढ़ में गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल हैं पर ये अपना प्रभुत्व रखते हैं। इसलिए छत्तीसगढ़ चुनाव की कमान संभाल रहे राजनीति के पंडित अमित शाह इस पर विचार कर सकते हैं। इसे लेकर पार्टी का करीब-करीब सर्वे पूरा हो चुका है। यूपी की तरह ही यहां के गठबंधन पर भी विचार किया जा सकता है या बाहर से भी समर्थन लिया जा सकता है।

कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में हुई बैठक में शाह ने बीजेपी के प्रमुख नेताओं के साथ जिन सीटों पर चुनौती ज्यादा है, उन सीटों पर हर हाल में चुनाव जीतने के लिए सुझाव देने के लिए कहा है। वो एक-एक करके सभी नेताओं से सवाल- जवाब किए। इनमें गृहमंत्री से मुलाकात के बाद पूर्व सीएम रमन सिंह जब बाहर निकले तो काफी खुश दिखे। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि इस बार भी हाईकमान पूर्व सीएम रमन सिंह पर मेहरबान है। उनके काम-काज के तरीके से खुश है। इसलिए पार्टी के सभी बैठकों में रमन को पूरी-पूरी तवज्जों दी जा रही है। इतना ही नहीं जब रायपुर में पीएम मोदी के प्रवास के दौरान मंच पर पोस्टर में मोदी के साथ रमन सिंह को चेहरा था। इस तरह से कयास लगाया जा रहा है कि रमन सिंह ही प्रदेश में पार्टी के प्रमुख चेहरा हैं।

### 12 प्रमुख नेताओं के साथ बंद कमरे में हुई थी हाई लेवल बैठक

छत्तीसगढ़ बीजेपी के 12 प्रमुख नेताओं के साथ गृहमंत्री अमित शाह ने बंद कमरे में हाई लेवल मैराथन बैठक ली। इस दौरान बूथ प्रबंधन पर भी मंथन किया गया। विधानसभा सीटों जहां पर बीजेपी कमजोर वहां पर ज्यादा फोकस करने पर बल दिया गया। साथ ही जहां से जीतने की उम्मीद है, वहां पर अच्छे चेहरों को टिकट दिया जा सकता है। शाह इसे लेकर नेताओं से सुझाव भी लिए और अंत में इन सीटों को जीतने के लिए टिप्स भी दिए।

बीजेपी में 75 से 80 प्लस के नेताओं को इस बार पार्टी बाहर का रास्ता भी दिखा सकती है। ऐसे लोगों का टिकट कट भी सकता है। शाह के प्रवास के दौरान पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर उनसे मिलने गए थे। इस दौरान गेट पर ही उन्हें रोक दिया गया। कहा गया कि उनका मिलने वालों के लिस्ट में नाम ही नहीं है। ऐसे में इस बुजुर्ग नेता को बैरंग वापस लौटना पड़ा। इसके लेकर प्रदेश की सियासत गरमाई रही। कुछ सीनियर नेताओं को पार्टी मार्गदर्शक की भूमिका में भी रख सकती है।

दूसरी ओर पिछली बार 5 जुलाई को शाह जब रायपुर में आए थे। उस दौरान पार्टी के प्रमुख नेताओं को कुछ टास्ट दिए थे। ऐसे नेताओं से फीडबैक ली गई। इसके बाद इस पर समीक्षा भी की गई। बीजेपी कार्यालय डूमरतराई में बंद कमरे में देर रात तक शाह की बैठक चली। इसमें प्रदेश प्रभारी और चुनाव प्रभारी ओम माथुर, सह प्रभारी मनसुख मंडाविया, प्रदेश सह प्रभारी नितिन नबीन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, पूर्व राज्यसभा सांसद रामविचार नेताम, पूर्व स्पीकर धरमलाल कौशिक, महामंत्री ओपी चौधरी, केदार कश्यप और विजय शर्मा मौजूद रहे।

# चुनाव समिति पूरी तरह संतुलित व समन्वित : सैलजा

**रायपुर।** रविवार को प्रदेश कांग्रेस चुनाव समिति का ऐलान हुआ और उसी दिन प्रदेश कार्यकारिणी की विस्तारित बैठक भी हुई। समिति का पत्र दिल्ली से आया लेकिन सूबे में यह चर्चा होने लगी कि समिति में किसे जगह मिली किसे नहीं मिली। इस बीच प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने साफ कर दिया कि समिति पूरी तरह संतुलित व समन्वित हैं,आगे और भी समितियां बनेगी जिसमें अन्य लोगों को भी जगह मिलेगी। पहली बार किसी चुनाव समिति में प्रदेश के राष्ट्रीय सचिवों को स्थान मिला है। संगठन में काम करने वालों को मौका मिलने से पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के उत्साह है।

प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने कहा कि चुनाव नजदीक है। चुनाव समिति की घोषणा हो गई है। केंद्रीय संगठन ने समिति में वरिष्ठ नेताओं और फ्रंटल आर्गनाइजेशन के सदस्यों को शामिल किया है। सैलजा ने कहा कि सभी सदस्य आने वाले समय में बैठक करके आगे की रणनीति बनाएंगे। इसमें विधानसभावार चर्चा होगी। सैलजा ने साफ किया कि पीसीसी अध्यक्ष की अध्यक्षता में ही कमेटी बनती है, आगे और भी कमेटियां बनेंगी। चुनाव समिति छोटी रखी जाती है। इसमें कम लोगों को ही जगह मिलती है। आने वाले समय में और भी कमेटियां बनेंगी और लोगों को मौके मिलेंगे। कांग्रेस की पालिटिकल अफेयर कमेटी, चुनाव अभियान समिति, घोषणा पत्र समिति प्रचार-प्रसार समिति, चुनाव अनुशासन समिति, चुनाव समन्वय समिति का गठन होगा।

पहली बार किसी चुनाव समिति में प्रदेश के राष्ट्रीय सचिवों को स्थान मिला है। राष्ट्रीय सचिव विकास उपाध्याय,राजेश तिवारी और पारस चोपड़ा का नाम शामिल है। समिति की घोषणा के बाद अब चुनावी गतिविधियां बढ़ जायेंगी।

### मंत्री मरकाम ने अधिकारियों से कामकाज की जानकारी ली

छत्तीसगढ़ शासन के नवपदस्थ आदिम जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री श्री मोहन मरकाम ने आज यहां मंत्रालय महानदी में विभागीय अधिकारियों से कामकाज के संबंध में जानकारी ली। इस मौके पर आदिम जाति, अनुसूचित जाति विकास विभाग के सचिव श्री डी.डी.सिंह मौजूद थे।

# भाजपा की स्थिति है नाजुक, इसलिए बड़े नेता कर रहे राज्य का दौरा : सिंहदेव

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में बीजेपी के बड़े नेताओं का दौरा चल रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह एक के बाद एक छत्तीसगढ़ में दौरे करके चुनाव की रणनीति बना रहे हैं। ऐसे में टीएस सिंहदेव ने अमित शाह के दौरे को लेकर बड़ा बयान दिया है।टीएस सिंहदेव ने अमित शाह के दौरे पर चुटकी लेते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ में बीजेपी की स्थिति क्या है ये उनके पार्टी के बड़े नेताओं के दौरों से पता चलता है।

डप्टी सीएम टीएस सिंहदेव की माने तो प्रदेश में बीजेपी की स्थिति नाजुक है। कांग्रेस की स्थिति इतनी अच्छी है कि उनके बड़े नेताओं के दौरे फिलहाल तो नहीं हो रहे हैं।आगे के समय में चुनाव है,ऐसे में कांग्रेस के बड़े लीडर्स भी आएंगे। लेकिन बीजेपी की तरह कांग्रेस के बड़े नेताओं का जमावड़ा प्रदेश में नहीं लग रहा है।

डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा छत्तीसगढ़ में अमित शाह का दौरा हुआ। इससे निश्चित रूप से कह सकता हूं कि पता चलता है कि प्रदेश में बीजेपी की स्थिति क्या है।अभी उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष का दौरा हुआ। इसके बाद अमित शाह जी आए।जो कहीं ना कहीं इस बात को साबित करने के लिए काफी है कि प्रदेश में बीजेपी की मौजूदा स्थिति क्या है। बीजेपी की स्थिति नाजुक है इसलिए बड़े नेताओं का दौरा हो रहा है। टीएस सिंहदेव ने बताया कि कांग्रेस की स्थिति छत्तीसगढ़ में मजबूत है।

उन्होंने कहा कांग्रेस की स्थिति क्या है। इसी बात से साबित हो रहा है कि, हमारे नेता मल्लिकार्जुन खड़गे तो नहीं आए, राहुल तो नहीं आए। आगे चुनाव जब नजदीक होंगे तो बड़े नेता भी आएंगे। लेकिन जो मीडिया का सर्वे है, कार्यकर्ताओं का जो कहना है। हमारे किए हुए कामों से, कुछ काम पूरे नहीं हो पाए।फिर भी हमें पूरा यकीन है कि आने वाले चुनाव में जनता एक बार फिर कांग्रेस पर भरोसा जताएगी।

आपको बता दें कि टीएस सिंहदेव ने इशारों-इशारों में ये बात कही है कि, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस अपनी जीत को लेकर आश्वस्त हैं। इसलिए जब भी चुनाव होंगे पार्टी को पिछली बार की ही तरह जनता का प्यार मिलेगा।

# ननकीराम कंवर को भाजपा कार्यालय में नहीं घुसने देना आदिवासियों का अपमान : बघेल

**दुर्ग।** मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दुर्ग में खूबचंद बघेल जयंती के कार्यक्रम में शामिल हुए। सीएम ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया। भिलाई के सिविक सेंटर कला मंदिर में मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज की तरफ से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री, गृहमंत्री समेत कांग्रेस के तमाम नेता, विधायक और कुर्मी समाज के तमाम पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के समापन के बाद सीएम भूपेश बघेल ने मीडिया से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने शनिवार रात पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर को पार्टी कार्यालय में प्रवेश नहीं देने को लेकर भाजपा पर बड़ा हमला बोला है। सीएम भूपेश ने इसे सीधे आदिवासियों का अपमान बताया है।

भूपेश बघेल ने कहा अमित शाह बार-बार छत्तीसगढ़ आ रहे है। इसका मतलब भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश के शीर्ष नेतृत्व में ,बकुछ ठीक नहीं है। अमित शाह रात को आते हैं और डंडा चलाकर चले जाते हैं। कल जिस तरह से पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर को भाजपा पार्टी कार्यालय में भी नहीं घुसने दिया गया, उन्हें वापस भेज दिया गया। यह तो आदिवासियों का अपमान है।

भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के लिए किए संघर्षों के लिए खूबचंद बघेल को याद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि, समाज की जड़ता को सुधारने के लिए कोई न कोई सामने आता है। जो काम करता है, समाज में उसको याद किया जाता है। डॉ खूबचन्द बघेल भी ऐसे व्यक्तिव में से एक है। उन्होंने छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान को जगाने का काम किया। छत्तीसगढ़ राज्य की सोच भी इसमें शामिल रहा। आज छत्तीगसढ़ियों को सही मायने में राज्य बनने का अहसास हो रहा है।

**विजय बघेल ने नशाखोरी को लेकर कसा तंज-** कार्यक्रम में भाजपा नेता और दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि खूबचंद बघेल जैसे अनेक महापुरुष अलग प्रदेश के संघर्ष में साथ थे। उन्होंने सपना देखा था कि छत्तीसगढ़ में नशाखोरी, जुआखोरी, भ्रष्टाचार, अत्याचार ना हो। लेकिन आज छत्तीसगढ़ में यह सब होने लगा है। मनवा कुर्मी समाज के कार्यक्रम में नेत्र विशेषज्ञ और चिकित्सक डॉ लाखेशचंद्र मड़रिया को समाज की ओर से माटीपुत्र सम्मान से सम्मानित किया गया। साथ ही बीएसपी से सेवानिवृत्त अधिकारी, कर्मचारियों और समाज के प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित किया गया।

# अमित मालवीय ने भूपेश बघेल से पूछा 229 करोड़ रुपये का गोबर कहां है?

■ **छत्तीसगढ़ में गोबर घोटाले की गूंज**

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ विधानसभा में जहां शराब घोटाला और कोल लेवी का मामला जोरदार तरीके से गूंजा।वहीं गोबर घोटाला मामले को लेकर बीजेपी विधायक सौरभ सिंह ने सरकार से जवाब मांगा था। वहीं अब इस मामले को लेकर बीजेपी लगातार सरकार पर हमलावर है।

भाजपा नेता अमित मालवीय ने छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार से 229 करोड़ के गोबर घोटाले का हिसाब किताब पूछा है। अमित मालवीय ने ट्वीट करके प्रदेश सरकार को कटघरे में खड़ा किया है।आपको बता दें कि श्वङ्गङ्क भारत ने गोबर घोटाले से जुड़े प्रश्नकाल के सवाल और जवाब को जनता को दिखाया था।जिसके बाद अब बीजेपी कांग्रेस सरकार पर गोबर घोटाले का आरोप लगा रही है।

अमित मालवीय के मुताबिक अगर 246 करोड़ की गोबर खरीदी हुई है और 17 करोड़ रुपये का गोबर पदार्थ बेचा गया, तो बचा हुआ 229 करोड़ रुपये का गोबर कहां है? इनके मंत्री को तो पता नहीं है। पूरा गोबर घोटाला कागज पर किया गया फर्जीवाड़ा है। उदाहरण के लिये यहां तीन ऐसी महिलाओं से 2 लाख 82 हजार किलो गोबर खरीदा गया। जो एक ही परिवार से हैं और उनके पास गाय ही नहीं है। और तो और उन्हें 5 लाख 65000 का भुगतान भी किया जा चुका है। अब आप समझ सकते हैं, सरकार ने कैसे गोबर खरीद के नाम पर घोटाला किया है। एक बात साफ है कि छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार गरीबों को, किसानों को ठग रही है। इतना ही नहीं, गरीबों को शराब की लत लगाकर बर्बाद भी कर रही है। इस मामले में बीजेपी ने सरकार से सिर्फ इतना पूछा है कि यदि सरकार ने गोबर जनता से 249 करोड़ में लेकर उससे उत्पाद बनाए तो सारे उत्पाद कहां है।सरकार का कहना है कि उन्होंने 17 करोड़ के उत्पाद बेचे हैं।ऐसे में बाकी के 229 करोड़ रुपए के गोबर का क्या हुआ।इस बात का जवाब सरकार नहीं दे पाई है।

# छत्तीसगढ़ विधानसभा में महिलाओं की भागीदारी सबसे ज्यादा

■ **24 परसेंट विधायक दागी, बाबा सबसे अमीर**

**रायपुर।** एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स और नेशनल इलेक्शन वाच ने देशभर के विधायकों को लेकर अपनी रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में विधायकों की संपत्ति, शिक्षा से लेकर उन पर दर्ज अपराध के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक विधानसभा में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के मामले में छ्त्तीसगढ़ देश के बाकी राज्यों से काफी आगे है। यहां 18 परसेंट महिला विधायक हैं। छत्तीसगढ़ 90 विधायकों में 24 प्रतिशत विधायक दागी, यानी उन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहां संपत्ति की बात करें तो डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव छत्तीसगढ़ के सबसे अमीर विधायक हैं।

### तीन उपचुनावों में कांग्रेस ने महिलाओं को दिया मौका

साल 2018 में 90 में से 13 सीटों पर महिलाओं ने बाजी मारी। कांग्रेस सरकार बनने के बाद से अब तक पांच उपचुनाव हुए। इनमें तीन उपचुनाव में कांग्रेस ने महिलाओं पर भरोसा जताया और तीनों ने ही जीत हासिल की। इस तरह अब महिला विधायकों की संख्या 13 से बढ़कर 16 हो गई है यानी कुल 18 परसेंट, जो बाकी के राज्यों की तुलना में सर्वाधिक है।

### छत्तसीगढ़ की 16 महिला विधायक

अंबिका सिंहदेव (बैकुंठपुर), उत्तरी गणपत जांगड़े (सारंगढ़), रेणु जोगी (कोटा), अनिता शर्मा (धरसींवा), डा। लक्ष्मी ध्रुव (सिहावा), रंजना साहू (धमतरी), डा। रश्मि सिंह (तखतपुर), इंदू बंजारे (पामगढ़), शकुंतला साहू (कसडोल), संगीता सिन्हा (संजारी बालोद), अनिला भेड़िया (डौंडीलोहारा), ममता चंद्राकर (पंडरिया) और छन्नी साहू (खुज्जी) ने विधानसभा चुनाव 2018 में चुनकर आईं। वहीं देवती कर्मा ने दंतेवाड़ा उपचुनाव, यशोदा वर्मा ने खैरागढ़ उपचुनाव और सावित्री मंडावी ने भानुप्रतापपुर उपचुनाव में जीत दर्ज की।

### छत्तीसगढ़ के 22 विधायक दागी 12 पर गंभीर मामले

एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक छत्तीसगढ़ में 24 परसेंट विधायकों के खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज हैं। 90 विधायकों में ऐसे विधायकों की संख्या 22 है। इनमें से 13 परसेंट पर यानी 12 विधायकों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

### दो विधायक तो पांचवीं पास भी नहीं

एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक छत्तीसगढ़ के 90 विधायकों में से 2 विधायक ऐसे भी हैं, जो पांचवीं भी पास नहीं हैं। पांचवीं से 12वीं के बीच पढ़ने वाले विधायकों की संख्या 29 है। जबकि 27 विधायक ग्रेजुएट और 32 पोस्ट ग्रेजुएट हैं।

### टीएस बाबा छत्तीसगढ़ के सबसे अमीर विधायक

छत्तीसगढ़ के सबसे अमीर विधायक सरगुजा महाराज और डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव हैं। उनकी संपत्ति 500 करोड़ रुपए से अधिक है। वहीं सबसे कम संपत्ति चंद्रपुर से कांग्रेस विधायक रामकुमार यादव की है। उनकी कुल संपत्ति 30464 रुपए दर्ज की गई है। सभी आंकड़े विधानसभा चुनाव 2018 के दौरान दिए गए घोषणा पत्र के आधार पर हैं। छत्तीसगढ़ में अब एक बार फिर विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में इन आंकड़ों में सुधार की कोशिश दोनों ही पार्टियां करेंगी। इतना ही नहीं दागी विधायकों के सवाल पर भाजपा और कांग्रेस एक दूसरे को कटघरे में भी खड़ा करेंगी।

# बीजेपी ने कमजोर सीटों के लिए बनाया विशेष योजना

■ भाजपा के जिला व विधानसभा मीडिया प्रभारियों- सह प्रभारियों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण : डॉ. रमन

**रायपुर।** राजधानी के एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में भाजपा की रायपुर संभागस्तरीय मीडिया प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला में कांग्रेस की नाकामियों को उजागर करने के लिए सभी विधानसभा में 10 मीडिया मित्र बनाने की योजना बनाई गई। जिनका काम विधानसभा क्षेत्र से सूचनाएं एकत्र कर भाजपा के विचारों को जनता तक पहुंचाने की जिम्मेदारी होगी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने कहा है कि आगामी चुनाव के मद्देनजर भाजपा के जिला व विधानसभा मीडिया प्रभारियों- सह प्रभारियों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है और उन्हें हर क्षण व हर कदम पर सजग और सतर्क रहना है। डॉ. सिंह ने कहा कि मीडिया विभाग के कार्यकर्ताओं को हर गतिविधि और समाचार की गहराई को समझना होगा। भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. सिंह ने कहा कि भाजपा के मीडिया प्रभारी, सह प्रभारी सत्ता पक्ष पर उसकी विफलताओं के लिए जमकर हमला बोलें। कांग्रेस के जन घोषणापत्र के 36 वादों में से 19 पर तो अभी तक क्रियान्वयन ही नहीं हुआ है जबकि कांग्रेस व सरकार 35 वादे पूरे करने के झूठे दावे कर रही है। इसलिए भाजपा के मीडिया कार्यकर्ताओं को दमदारी से अपनी बात हर मंच पर रखनी चाहिए। डॉ. सिंह ने छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के बाद के शुरुआती कांग्रेस शासनकाल के आतंक, विकास विरोधी कार्यों का जिक्र किया और और 15 साल के भाजपा शासनकाल की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा शासनकाल में आधारभूत संरचना के विकास की दृष्टि से हमने मील के पत्थर स्थापित किए। इसके बाद आई कांग्रेस की मौजूदा प्रदेश सरकार ने घोटाले-भ्रष्टाचार करके छत्तीसगढ़ को शर्मसार कर दिया। आज कांग्रेस के लोग ही अपनी प्रदेश सरकार की कृत्यों से हताश व निराश हैं, इसलिए भाजपा के मीडिया कार्यकर्ता अपने अध्ययन का दायरा बढ़ाकर आगे बढ़ें। चुनाव का दौर आ रहा है जो आक्रमक होगा, इसके लिए मीडिया कार्यकर्ता अपने वैचारिक अस्त्र-शस्त्र पैने कर लें। इससे पूर्व भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता के.के. शर्मा ने संभागभर से पहुंचे जिला व विधानसभा मीडिया प्रभारियों, सह प्रभारियों को संबोधित करते हुए कहा कि मीडिया जगत छवि बनाने का काम करता है। एक समय सांप्रदायिकता बनाम धर्मनिरपेक्षता मीडिया विमर्शों का मुख्य विषय होता था, लेकिन अब राष्ट्रीयता इन मीडिया विमर्शों का केंद्रीय विषय है। श्री शर्मा ने कहा कि मीडिया से हम अपनी अच्छी छवि प्रस्तुत कर पाएं तो इसका पूरा लाभ मिलता है। इसलिए मीडिया कार्यकर्ता स्थानीय मुद्दों पर फोकस करें, उनके समाधान के रास्ते बताएं। प्रदेश के मीडिया पदाधिकारियों से चर्चा कर मुद्दों को प्रदेश स्तर तक चर्चा में लाएं जिससे जनता पार्टी के विचारों दृष्टिकोण हुआ प्रयासों से सीधे जुड़ती है। भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री शर्मा ने कहा कि आने वाला चुनाव आसान नहीं है हमसे जो मुकाबिल हैं, उनके झूठ और सत्ता बल से लड़ने के लिए हमें माइक्रो लेवल पर, जमीनी स्तर पर लड़ना होगा और इसलिए मीडिया प्रभारी, सह प्रभारी अपनी जिम्मेदारी को महसूस करके उसे बखूबी निभाएं। परस्पर संपर्क और समन्वय बनाकर 15 वर्ष भाजपा के बनाम 5 वर्ष कांग्रेस के की लड़ाई को लेकर जनता के बीच जाएं और यह काम मीडिया के माध्यम से हो सकेगा। कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन व वंदे मातरम से हुआ। कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता व पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने पत्रकारिता के इतिहास छत्तीसगढ़ की संस्कृति व परंपराओं की विचार से चर्चा करते हुए कहा कि मीडिया प्रभारी व सह प्रभारी मूल्यों व आदर्शों के लिए परस्पर तत्पर व समर्पित रहें। आज डिजिटल युग में अपने डेटा को पल-प्रतिपल अपडेट करते रहना आपका कौशल दर्शाएगा। मीडिया प्रभारी, सह प्रभारी को किसी प्रकार के भ्रम व अफवाहों में न पड़ते हुए देश और पार्टी की विचारधारा के लिए काम करने का लक्ष्य सामने रखना होगा। प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने कहा कि भाजपा के मीडिया कार्यकर्ता सत्ता पक्ष को आईना दिखाने का काम करें। भाजपा शासनकाल की उपलब्धियां व मौजूदा कांग्रेस शासन की नाकामियों का ब्यौरा रखें। हर कार्यकर्ता मैं नहीं, पार्टी इस भाव से काम करे क्योंकि पार्टी हमसे नहीं, हम पार्टी से हैं। मीडिया कार्यकर्ता प्रखरता से अपनी बात कहें क्योंकि डर, भय से कोई भी यात्रा पूर्व नहीं हो सकती। कार्यशाला में प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी ने जिलावार मीडिया प्रभारी व सहप्रभारियों से वृत्त लिया और कहा कि हम सब चुनाव की चुनौती पर पार करने का विश्वास संजोकर कांग्रेस की भ्रष्ट व अराजक प्रदेश सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकें। प्रदेश मीडिया सहप्रभारी अनुराग अग्रवाल ने कार्यशाला के स्वागत भाषण देते हुए कहा की मीडिया विभाग राजनीतिक दल और जनता के बीच संवाद की महत्वपूर्ण व विश्वसनीय कड़ी होती है ।कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में विषय विशेषज्ञों की ओर से मीडिया प्रभारियों व सह प्रभारियों को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, प्रिंट मीडिया, सोशल मीडिया व मोबाइल मीडिया आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई।

# चारा घोटाला से भी बड़ा, गोबर घोटाला : सौरभ सिंह

■ प्रेस वार्ता कर आंकड़ों के साथ भाजपा ने बताया कांग्रेस सरकार ने 229 करोड़ का गोबर घोटाला किया

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी रायपुर संभाग प्रभारी एवं विधायक सौरभ सिंह ने सोमवार को पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने गौठान बनाया और गोबर खरीदी की। गोबर की खरीदी जब सरकार करती है तो वह सरकार की संपत्ति हो जाती है। गोबर का उपयोग वर्मी कंपोस्ट खाद बनाने के लिए किया जाता है। गोबर खरीदी को लेकर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने इस विषय को गंभीरता से उठाया भी था जिसमें उन्होंने गौठान निर्माण एवं गोबर खरीदी को लेकर प्रदेश सरकार से सवाल किया था।

श्री सिंह ने कहा कि गोबर खरीदी में कैसे भ्रष्टाचार हुआ है या प्रदेश सरकार के आंकड़ों से पता चल रहा है। यह आंकड़ा मुख्यमंत्री से लेकर जनसंपर्क विभाग तक को भी मालूम है। उन्होंने कहा कि गोधन न्याय योजना के तहत प्रदेश सरकार ने 246 करोड़ रुपए की गोबर खरीदी की तो यह गोबर सरकारी संपत्ति हो गया क्योंकि गोधन न्याय योजना में सरकार का पैसा लगा, बजट का पैसा लगा है।

भाजपा संभाग प्रभारी एवं विधायक श्री सिंह ने प्रदेश सरकार से सवाल किया कि जब 246 करोड़ का गोबर प्रदेश सरकार ने खरीदा तो खरीदे गए गोबर का क्या बना कर बेचा और उसकी कितनी कीमत मिली? जिसके जवाब में प्रदेश सरकार के मंत्री जी का जवाब आया कि हमने 86 लाख रुपए का ही सामान बेचा है और इसके बारे में भाजपा ने हिसाब लगाया तो 17 करोड़ रुपए की बिक्री का तथ्य सामने आया। प्रदेश सरकार द्वारा दिया गया जवाब ही गलत है। श्री सिंह ने कहा कि अगर हिसाब लगाया जाए तो 246 करोड रुपए में से 17 करोड़ रुपए घटा दें तो 229 करोड़ रूपए बचता है, जिसका हिसाब प्रदेश सरकार के पास नहीं है। गोबर खरीदी करने के बाद उसको वर्मी कंपोस्ट खाद बनाकर या पेंट बनाकर बेचा गया तो उसका वैल्यू ऑडिशन किया गया। दो रुपए किलो में गोबर खरीदने के बाद उसको 10 रुपए किलो की दर से वर्मी कंपोस्ट बनाकर बेचते हैं। 10 रुपए किलो की दर से वर्मी कंपोस्ट खाद बेच रहे हैं तो उसके बाद भी टोटल रिलाइजेशन हो रहा है, वह केवल 17 करोड़ रुपए का हो रहा है। तो 229 करोड रुपए कहां गया? वह गोबर है कहां? अगर आपने 229 करोड़ रुपए का सामान नहीं बेचा तो निर्मित सामान कहां-कहां पर है? किस-किस गौठान में हैं? कितना पेंट स्टॉक है? यह प्रदेश सरकार को बताना चाहिए। लेकिन इसका जवाब भी प्रदेश सरकार के मंत्री नहीं दे पा रहे हैं।

भाजपा रायपुर संभाग प्रभारी व विधायक श्री सिंह ने कहा कि इससे साफ-साफ पता चलता है कि प्रदेश सरकार के पास 229 करोड रुपए का कोई हिसाब नहीं है। यह गंभीरता के लिहाज से चारा घोटाले से भी बड़ा घोटाला है।विधायक सौरभ सिंह ने कहा कि गौठान समिति के माध्यम से गोबर की खरीदी की जाती है। पहले गोठान समिति का अध्यक्ष ग्राम पंचायत से होता था जिसे बाद में प्रभारी मंत्री को अध्यक्ष बनाने का अधिकार दिया गया, जिसमें कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं को ही गौठान समिति का अध्यक्ष बनाया गया। जिसमें उनके द्वारा उटपटांग ढंग से गोबर की खरीदी की गई।श्री सिंह ने बताया कि एक परिवार की तीन महिलाओं ने 282 लाख किलो गोबर बेचा। ऐसे कई उदाहरण हैं। गोबर खरीदी को लेकर जो आंकड़े बताये जा रहे हैं जहां-जहां गोबर खरीदी की जो मात्रा बताई जा रही है, वहां तो गोबर रखने तक की व्यवस्था नहीं है, उतना स्टॉक ही नहीं बना है जितना यह लोग गोबर खरीदी का दावा करते हैं।श्री सिंह ने दो टूक आरोप लगाया है कि प्रदेश सरकार ने 229 करोड़ रुपए का गोबर घोटाला किया है। गोठान समितियों ने सेवा सहकारी समितियों से कहा कि उपरोक्त गौठान में किस मात्रा में वर्मी कंपोस्ट खाद बना है उसका भुगतान कर दो। भुगतान एडवांस हो गया सेवा सहकारी समिति किसानों की समिति है। गौठान समिति ने जितनी मात्रा में भुगतान किया, उतनी मात्रा में वर्मी कंपोस्ट खाद लाकर जमा नहीं किया।

# धंस गया फुटपाथ,भाजपा पार्षदों का जमकर हंगामा

**रायपुर।** बूढ़ा तालाब में सड़क और फुटपाथ ढहने के मामले को लेकर भाजपा पार्षदों ने स्मार्ट सिटी लिमिटेड में जमकर हंगामा किया. इस दौरान सीओओ उज्ज्वल पोरवाल से भाजपा पार्षदों ने जमकर विवाद भी हुआ. भाजपाइयों ने ठेकेदार और अधिकारी को तत्काल निलंबित करने की मांग की.भाजपा पार्षद दल ने बूढ़ा तालाब में सड़क और फुटपाथ निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया. भाजपाइयों ने कहा, निर्माण में भ्रष्टाचार के कारण नवनिर्मित फुटपाथ सड़क समेत तालाब में समा गया था। दूसरे दिन पालिक निगम रायपुर के महापौर एजाज ढेबर बूढ़ातालाब स्वामी विवेकानंद सरोवर के पाथवे बाउंड्रीवाल का मुआयना करने पहुंचे। स्थल में बाउंड्रीवाल के नीचे की जमीन धंसी हुई मिली, इसे लेकर स्थल पर महापौर एजाज ढेबर ने नाराजगी जाहिर की। महापौर ने बताया कि रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के कार्य से संबंधित प्रभारी अधिकारी को कार्य के अनुबंधित ठेकेदार को ब्लैक लिस्टेड करने के साथ संबंधित इंजीनियर को कारण बताओ नोटिस जारी करने और स्पष्टीकरण मांगे जाने के निर्देश दिए हैं।

# भाजपा की तैयारी से डरी कांग्रेस, पल-पल में बदल रहे बयान : अरुण साव

**रायपुर।** क्ष्छ्व्क्क प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने सोमवार को प्रदेश कार्यालय में कांग्रेस को करार जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि श्वष्ठ की कार्रवाई पर कांग्रेस ने झूठ बोला है। झूठ बोलना कांग्रेस की आदत है। छत्तीसगढ़ में ईडी की कारवाई कई महीनों से चल रही है। इस कार्रवाई के कारण कोयला घोटाले से लेकर शराब घोटाले का उजागर हुआ है। वास्तविकता यही है कि कांग्रेस सरकार छत्तीसगढ़ को दोनों हाथ से लूटने का काम कर रही है। इनके खिलाफ श्वष्ठ की कार्रवाई तथ्यों के आधार पर हो रही है।

वहीं शराब दुकानों में दो काउंटर है। ये आम लोगों को पता था जब आम लोगों को पता हो तो श्वष्ठ को भी पता चलेगा। जब ईडी को पता चलेगा तो निश्चित तौर पर कार्रवाई होगी।गृहमंत्री अमित शाह के छत्तीसगढ़ दौरे पर सीएम भूपेश ने बयान दिया था, इस पर साव ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह जी पार्टी की बैठक लेने आते हैं। राज्य के कांग्रेस सरकार जिस प्रकार से डरी हुई है। पल-पल कांग्रेस का बयान बदलते रहता है। कभी भी कुछ भी बयान दे देते हैं। प्रदेश प्रभारियों के संबंध में साव ने कहा कि कांग्रेस डरी हुई है घबराई हुई है। जिसके कारण से बेतुके, तथ्यहीन और निरर्थक बातें करती है।

भारतीय जनता पार्टी ने अपनी घोषणा पत्र समिति बना दी है अन्य समिति भी शीघ्र घोषित होने वाली है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विविध कार्यक्रम लगातार चला रही है। विधानसभा स्तर की बैठकें हो रही है। अलग-अलग कार्यक्रम पार्टी ने बनाई है। प्रदेश में कांग्रेस सरकार को हटाने की योजना की दृष्टि से लगातार बैठक में चल रही है। पार्टी का लक्ष्य केवल एक है राज्य में जो कांग्रेस की अन्यायी, अत्याचारी,वादाखिलाफी और भ्रष्टाचारी सरकार है। जिसने छत्तीसगढ़ के हर वर्ग को ठगने का काम काम किया है। उस सरकार से छत्तीसगढ़ की जनता से मुक्ति दिलाना है, और छत्तीसगढ़ में एक बार फिर खुशहाली और विकास का कमल खिलाना है।प्रदेश अध्यक्ष साव पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है। पार्टी के कार्यक्रम पार्टी के योजना जनता के मुद्दों को जनता तक पहुंचाने के लिए पार्टी ने ये व्यवस्था बनाई है।अभी संभाग स्तर पर हम अपने मीडिया प्रमुखों की कार्यशाला आयोजित कर रहे हैं। बिलासपुर संभाग की कार्यशाला संपन्न हो गयी है। आज रायपुर संभाग की कार्यशाला है।कार्यशाला के माध्यम हमारे मीडिया विभाग के जो कार्यकर्ता हैं।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

## 2023 में फिर से कांग्रेस की सरकार बनेगी : दीपक बैज

**रायपुर।** 2023 के विधानसभा चुनाव में एक बार फिर से कांग्रेस की सरकार बनेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस का संगठन बूथ स्तर मजबूत है। हम सांगठनिक रूप से भाजपा से मजबूत है। आने वाले एक महिने में हमारा 90 विधानसभा क्षेत्रों में बूथ कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण का संकल्प शिविर पूरा हो जायेगा। आने वाले चुनाव में कांग्रेस सरकार के काम और जनकल्याणकारी योजनायें कांग्रेस सरकार का ब्रह्मास्त्र होगी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह, भाजपाईयों में निराशा का माहौल। भाजपा के पास कांग्रेस का मुकाबला करने के लिये कोई मुद्दा नहीं है। भाजपा हवाहवाई और काल्पनिक मुद्दों पर प्रदेश में राजनीति करना चाह रही जिसके कारण वह जनता से और दूर होते जा रही है। 2018 के विधानसभा चुनाव में दो तिहाई बहुमत से सरकार बनाने के बाद कांग्रेस के प्रति जनता का भरोसा और बढ़ते गया, 5 उपचुनाव, नगरीय निकाय चुनाव, पंचायत चुनावों में जनता ने भाजपा को नकार दिया है। भाजपा कार्यकर्ताओं में हताशा है, कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह है। आने वाले चुनाव में कांग्रेस के पास बताने के लिये अपने सरकार के गौरवशाली जनहित के काम है। हमारी सरकार ने अपने जन घोषणा पत्र के 95 प्रतिशत वायदों को पूरा किया है। छत्तीसगढ़ में भाजपा मुद्दविहीन है। इसके विपरीत कांग्रेस के पास अपनी सरकार के साढ़े चार सालों के काम की लंबी फेहरिस्त है।

## जब शाह आते हैं उसी समय ईडी आईटी की कार्रवाई क्यों: शुक्ला

रायपुर। अमित शाह जब छत्तीसगढ़ आते हैं उसके ठीक पहले ईडी आईटी की छापे संयोग है या प्रयोग भाजपा को स्पष्ट करना चाहिये. प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने बयान जारी कर कहा कि अमित शाह चश्हड्ढड्ड आये थे, उसके पहले अमित शाह बस्तर आये, उसके पहले और जब रायपुर आये उसके पहले ईडी आईटी की कार्रवाई यह साबित करने के लिये पर्याप्त है कि यह सारी कार्रवाई भाजपा की राजनैतिक साजिश है.सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा ने अपने सत्ता बल का दुरुपयोग कर केंद्रीय जांच एजेंसियों को भाजपा का मोर्चा, संगठन, बना दिया है. इसीलिये भाजपा की प्रमुख अनुषांगिक संगठन ईडी मोर्चा, आईटी मोर्चा ने अपना चुनावी काम शुरू कर दिया है. कांग्रेस की राजनैतिक गतिविधियां रोकने भाजपा ईडी के साथ साजिश कर रही है. भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस सरकार और सीएम भूपेश की लोकप्रियता का राजनैतिक रूप से मुकाबला नहीं कर पा रही है तो वह केंद्रीय जांच एजेंसियों को दुरुपयोग कर कांग्रेस सरकार की छवि खराब करने का षड़यंत्र रच रही है.सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जहां पर राजनैतिक रूप से सीधा मुकाबला नहीं कर पाती, वहां पर वह केंद्रीय जांच एजेंसियों ईडी, सीबीआई, आईटी को आगे कर अपना राजनैतिक मंतव्य साधने का प्रयास करती है. छत्तीसगढ़ में भाजपा के पास जन-सरोकारों का कोई मुद्दा नहीं बचा है. भाजपा लगातार राज्य में जनता का भरोसा खोते जा रही है।

## गोबर खरीदी: भाजपा संगठित होकर झूठ बोल रही: धनंजय

**रायपुर।** प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा विधायक सौरभ सिंह के द्वारा गोबर खरीदी में लगाए गए आरोप झूठे बेबुनियाद है तर्कहीन है। सदन में अविश्वास प्रस्ताव पर मुंह की खाने के बाद भाजपा झूठ की राजनीति कर रही है भाजपा हमेशा से गोधन न्याय योजना के खिलाफ षड्यंत्र कर रही है भाजपा विधायक सौरभ सिंह के द्वारा 229 करोड़ का गोबर में गड़बड़ी के आरोप बेबुनियाद हैं इससे 3 माह पहले भाजपा ने प्रेस वार्ता कर 600 करोड़ का गोबर खरीदी का आरोप लगाया था। उसके 15 दिन पहले बृजमोहन अग्रवाल ने 1500 करोड़ रुपए के गोबर खरीदी का आरोप लगाया था, भाजपा संगठित होकर गोबर खरीदी मामले में झूठ बोल रही है। प्रदेश में गोधन न्याय योजना के माध्यम से गोपालक एवं महिला स्व सहायता समूह की 2 लाख 9 हजार सदस्यों को योजना का लाभ मिल रहा है। 257 करोड़ रुपया गौठान समिति एवं महिला स्व सहायता समिति सदस्यों को भुगतान हुआ है। अक्टूबर 2022 से प्रदेश में 5959 गौठान स्वावलंबी है स्वालम्बी गोठनों ने 66 करोड़ 96 लाख रु की गोबर खरीदी की है।जिसमे राज्य सरकार का एक रुपया भी नही है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा विधायक के द्वारा लगाए गए आरोप मनगढ़ंत और झूठा है।

## युवाओं को छलकर किस बात की भेंट मुलाकात : कौशिक

**रायपुर।** पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा युवाओं के साथ किये जा रहे भेंट मुलाकात को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि रोजगार मांगते युवाओं को भयावह कोरोना काल में आंदोलन के लिए विवश करने, न्याय व हक की मांग पर लाठियां बरसाने वाले और बेरोजगारी भत्ते के नाम पर छल करने वाले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पिछले पौने पांच सालों में युवाओं से मुलाकात की याद नहीं आई और चुनावी वर्ष को देखकर उनसे भेंट मुलाकात करके दिखावा करके उनसे चुनावी लाभ लेना चाहते है जो की छत्तीसगढ़ युवाओं के साथ एक मात्र दिखावा और छलावा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से प्रदेश में पीएससी के नतीजे में हुए धांधली और व्यापम में हुए घोटाला को देखा जाए तो स्पष्ट हो जाता है कि यह छत्तीसगढ़ की युवा प्रतिभाओं के भविष्य का खिलवाड़ कर रही है, बेरोजगारी भत्ते के नाम पर युवाओं को जिस तरह से छल-प्रपंच करके वादाखिलाफी की और कठोर नियम बनाकर छलने का काम किया है उसकी शायद ही कहीं मिसाल मिलती है। कांग्रेस सरकार के शासन में जो पीएससी घोटाला, व्यापम घोटाला और विभिन्न पदों में निकली भर्ती में जो घोटाला हुआ है इन सब में जो युवाओं का जो विश्वास टुटा है क्या मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने भेंट मुलाकात पर इस विषय पर जवाब देंगे और युवओं को जो खुद पर से जो विश्वास टुटा है उस विश्वास को वापस दिला पाएंगे? उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के युवाओं को अब समझ आ चुका है।

## अवैध शराब सत्ता के संरक्षण में बिक रही है : रंजना

**रायपुर।** भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता व विधायक रंजना साहू ने राजधानी के एक पब में देर रात चल रही पार्टी को बंद कराने पहुंची पुलिस के साथ एक विधायक के पीए और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए विवाद और गाली-गलौज को सत्तावादी अहंकार शर्मनाक प्रदर्शन बताया है। श्रीमती साहू ने कहा कि विवाद करने वाले युवकों की ओर से कांग्रेस विधायक के थाने पहुंचने से यह स्पष्ट हो गया है कि प्रदेशभर में शराबखोरी और नशाखोरी को सरकार के संरक्षण में बढ़ावा दिया जा रहा है।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व विधायक श्रीमती साहू ने कहा कि एक ओर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पूर्ण शराबबंदी के वादे से मुकरने के बाद सूखे नशे पर जुबानी चिंता जता रहे हैं, वहीं दूसरी ओर राजधानी समेत समूचा प्रदेश नशे के गोरखधंधे का अड्डा बना हुआ है। नशे के इस गोरखधंधे ने प्रदेश की पीढ़ियों की जिंदगी और भविष्य को दांव पर लगा दिया है। छत्तीसगढ़ के लाखों परिवार नशे के दलदल में धंसकर तबाह हो रहे हैं और कांग्रेस के लोग खुलेआम नशाखोरी और पुलिस के साथ गाली-गलौज और गुंडागर्दी कर रहे हैं। श्रीमती साहू ने कहा कि राजधानी के तेलीबांधा, विधानसभा, माना, मंदिर हसौद, सिविल लाइन, राजेंद्र नगर क्षेत्र में कई पब, रेस्टोरेंट, कैफे संचालित हो रहे हैं, जहां शनिवार रविवार को देर रात तक नशेड़ियों का हुजूम जुटकर पार्टियां व नशाखोरी करता है।

# अब गौठानों में पहुंचेगे मोबाईल वेटनरी वाहन : सीएम बघेल

■ प्रेस वार्ता कर आंकड़ों के साथ भाजपा ने बताया कांग्रेस सरकार ने 229 करोड़ का गोबर घोटाला किया

**रायपुर।** मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि गौ-पालन और डेयरी उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य शासन ने अनेक कदम उठाए गए हैं। गोधन न्याय योजना प्रारंभ की गई है। इसी कड़ी में अब प्रदेश में हाट-बाजार क्लीनिक योजना की तर्ज पर मवेशियों के इलाज के लिए जल्द ही मोबाईल वेटनरी वाहन प्रारंभ किए जाएंगे। मोबाईल वेटनरी वाहन तय कार्यक्रम के अनुसार गौठानों में पहुंचेंगे जहां ग्रामीण अपने मवेशियों का इलाज करा सकेंगे। मुख्यमंत्री आज यहां अपने निवास कार्यालय में सर्व यादव समाज के प्रतिनिधि मंडल को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में डेयरी उद्योग को दिए जा रहे प्रोत्साहन से दूध के उत्पादन में 50 हजार लीटर की वृद्धि हुई है। उन्होंने सर्व यादव समाज से राज्य शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाकर डेयरी सेक्टर को मजबूत करने का आव्हान किया। इस अवसर पर सर्व यादव समाज के प्रदेशाध्यक्ष श्री रमेश यदु के नेतृत्व में समाज के प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में यादव समाज को सामाजिक भवन के लिए जमीन और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री श्री बघेल का चांदी का मुकुट तथा गजमाला पहनाकर तथा भगवान श्री कृष्ण की प्रतिमा और बैलगाड़ी का प्रतीक चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधि मंडल को संबोधित करते हुए कहा कि विभिन्न विधानसभाओं में भेंट-मुलाकात के दौरान यादव समाज सहित सभी समाजों को रियायती दर पर जमीन तथा भवन निर्माण के लिए आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। सामाजिक भवन होने से विभिन्न समाजों को सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन में सहूलियत होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए खेती-किसानी, पशुपालन को बढ़ावा दिया जा रहा है। गौठानों को रूरल इंडस्ट्रीयल पार्क के रूप में विकसित कर वहां महिलाओं और युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। हाल ही में टाटा टेक्नालाजिस के साथ 36 आईटीआई के उन्नयन के लिए 1188 करोड़ रूपये की परियोजना का एमओयू किया गया है।

अंबिकापुर सहित अनेक स्थानों पर मुख्यमंत्री जी की घोषणा के अनुसार जमीन समाज को आबंटित कर दी है। इस अवसर पर यादव समाज के सर्वश्री अटल बिहारी यादव, केनूराम यादव, देवनारायण यादव, सुशील यादव, कमलेश यादव, गणेश यादव, परसादी यादव, रासबिहारी यादव, रामपुकार यादव, रामचंद्र यादव, पप्पु यादव, सुरेश यादव, निलेश यादव, परमेश्वर यादव सहित विभिन्न जिलों से आए यादव समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

## अग्रसेन महाविद्यालय के हमर पहुना कार्यक्रम में पूरन किरी ने छात्रों के साथ किया संवाद

**रायपुर।** अग्रसेन महाविद्यालय पुरानी बस्ती में आज पत्रकारिता विभाग द्वारा हमर पहुना कार्यक्रम के तहत छत्तीसगढ़ी फिल्मों के लोकप्रिय अभिनेता पूरन किरी ने विद्यार्थियों के साथ संवाद किया. स्टार प्लस, जीटीवी, लाइफ-ओके सहित अनेक चैनलों के प्रमुख सीरियल में विभिन्न भूमिकाओं को निभाने वाले पूरन किरी ने युद्ध सीरियल में अमिताभ बच्चन के साथ भी अभिनय किया है. उन्होंने छत्तीसगढ़ी फिल्मों में अभिनय करने के साथ ही कुछ हिंदी फिल्मों में भी अपनी भूमिका से छाप छोड़ी है. उन्होंने बताया कि वे जल्द ही सनी देओल की फिल्म ग़दर-2 में एक महत्वपूर्ण भूमिका में आ रहे हैं. साथ ही एक नई छत्तीसगढ़ी फिल्म में भी मुख्य भूमिका में हैं.आज हमर पहुना कार्यक्रम में युवाओं के साथ संवाद में पूरण किरी ने कहा कि मीडिया के किसी भी क्षेत्र में यदि युवाओं को आगे बढ़ना है तो उन्हें अपना आत्मविश्वास बनाए रखना होगा. उन्होंने कहा कि कोई भी बड़ी सफलता आसानी से कभी नहीं मिलती. इसके लिए बहुत धैर्य रखना होता है. अपने संघर्ष को याद करते हुए पूरन किरी ने बताया कि वे कांकेर जिले के चारामा में रहते हुए युवा दिनों में बस कंडक्टर रहे, फिर उन्होंने दुकानों में सेल्समैन का काम भी किया।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर ( छ.ग. ) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.